खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 14 जनवरी, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-8 | अंक-14

हार्दिक अभिनंदन

अ.भा. माहेश्वरी महासभा द्वारा जोधपुर, राजस्थान में आयोजित

'माहेश्वरी ग्लोबल कन्वेंशन-2026'

के अन्तर्गत

सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाज सेवी

श्री बिजयजी मानधनी

(सुपुत्र : स्व. श्री गणपतलालजी - दुर्गा देवी मानधानी)

MBG Commodities Pvt. Ltd.

को व्यवसाय एवं सेवा दोनों के संतुलन से उत्कृष्ट समाज सेवा
एवं सफल उद्यमिता से समाज कल्याण का मार्ग प्रशस्त करने पर
माहेश्वरी समाज के अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति में
राजस्थान के राज्यपाल श्री हरि भाऊ किसनराव जी बागड़े
सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश श्री जे.के. माहेश्वरी जी
सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश श्री दिनेशजी माहेश्वरी एवं
अ.भा. माहेश्वरी महासभा के सभापति श्री संदीपजी काबरा
के करकमलों द्वारा

'समाज भूषण'

की उपाधि से अलंकृत किए जाने पर

हार्दिक अभिनन्दन

तीन दिवसीय भव्य कार्यक्रम में केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी, लोकसभा स्पीकर श्री ओमजी बिरला, राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलालजी शर्मा, केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेन्द्र सिंहजी शेखावत एवं देश-विदेश के उद्योगपति, प्रशासनिक अधिकारी एवं अनेक गणमाननीय व्यक्ति उपस्थित थे।

श्री बिजय मानधनी

का संक्षिप्त जीवन परिचय

श्री बिजय-श्रीमती अंजू मानधनी

बिजय मानधनी की कहानी एक साधारण शुरुआत से लेकर एक बहुआयामी उद्योगपति और प्रेरणास्रोत बनने तक की अभूतपूर्व यात्रा है। मात्र 18 वर्ष की आयु में सन् 1978 में विजयनगरम स्थित एक छोटी सी मिठाई की दुकान पर आपको चाय पीते समय कोल (कोयला) के व्यापार के बारे में प्रेरणा मिली, जहाँ उन्होंने यह समझा कि कठिन परिस्थितियों में भी अवसर खोजने की क्षमता जीवन की दिशा बदल सकती है। उसी समय से उन्होंने अपने व्यवसायिक जीवन की नींव रखी और आज वे कोल, रियल एस्टेट, सोलर ऊर्जा तथा कई अन्य उद्योगों में सक्रिय रूप से कार्यरत हैं।

आपने अपने जीवन में अनेक उतार-चढ़ाव देखे हैं और हर कठिनाई का डटकर सामना किया है। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग प्रकार के कार्य किए और प्रत्येक चुनौती को सीख के रूप में अपनाया। अपने अनुभवों और दृढ़ निश्चय के बल पर उन्होंने न केवल स्वयं को स्थापित किया, बल्कि ऐसे व्यवसायों की शुरुआत की, जिन्होंने आज विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सशक्त पहचान बनाई है।

वर्तमान में आप कोयला व्यापार से जुड़ी कंपनियों (MBG Commodities Pvt. Ltd.) Coal Washeries (Global Coal Mining Pvt. Ltd)., रियल एस्टेट क्षेत्र में Bijman Projects, और ग्रीन एनर्जी व ऊर्जा क्षेत्र में Maheswari Mining Energy Pvt. Ltd. सहित अनेक व्यावसायिक उपक्रमों से सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं।

समाज के प्रति उनकी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता भी अत्यंत उल्लेखनीय रही है। उन्होंने अपने माता-पिता के नाम पर जी.एल. मानधनी चैरिटेबल ट्रस्ट (G.L. Mandhani Charitable Trust) की स्थापना कर समाज सेवा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस ट्रस्ट के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक कल्याण के अनेक कार्य किए जा रहे हैं, जिससे असंख्य लोगों को लाभ मिला है।

आपने न केवल व्यवसाय में सफलता प्राप्त की, बल्कि अपने व्यक्तिगत अनुभवों से प्रेरणा लेकर एक मजबूत और समर्पित टीम का निर्माण भी किया। उनके नेतृत्व में उनकी टीम ने कठिन समय में एकजुट रहकर हर बाधा का सामना किया और नई संभावनाओं को साकार किया।

आप न केवल अपने समुदाय-विशेष रूप से महेश्वरी समाज और युवा खिलाड़ियों-को निरंतर प्रेरित और प्रोत्साहित करते रहे हैं, बल्कि उन्होंने अनेक युवाओं को मार्गदर्शन, कोचिंग और आत्मविश्वास प्रदान कर उनके सपनों को साकार करने में सहायता की है। उनके प्रयासों से कई खिलाड़ी और युवा उद्यमी सही दिशा में आगे बढ़े हैं और आत्मनिर्भर बने हैं।

आपकी जीवन यात्रा यह संदेश देती है कि दृढ़ निश्चय, कठिनाइयों से संघर्ष करने का साहस और समाज के प्रति समर्पण के साथ कोई भी व्यक्ति न केवल अपने जीवन में सफलता प्राप्त कर सकता है, बल्कि दूसरों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन सकता है।

शुभकामनाओं सहित

तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

(सम्बद्ध : अ.भा. मारवाड़ी सम्मेलन)

रामप्रकाश भण्डारी	रमेश कुमार बंग	अमित लड्डा (गग्गु)
अध्यक्ष	परामर्शदाता	महामंत्री

समस्त पदाधिकारीगण एवं कार्यकारिणी सदस्य

महेश बजाज, सीए पवन भट्टड़, राजेश तोष्णीवाल, श्याम लोया, दिनेश बंग, नवलकिशोर बंग, दिनेश कुमार बंग, सुमेश कुमार बंग, राज बंग, नवलकिशोर बंग, प्रीतम जाजू, अनिरुद्ध कांकाणी, राहुल असावा, सीए कन्हैयालाल राठी

डॉ. आर.एम. साबू, श्रीगोपाल इन्नाणी, पुरुषोत्तमदास मानधना, लक्ष्मीनारायण राठी 'लच्छु भाई', बद्रीविशाल मून्दड़ा, ब्रिजगोपाल असावा, प्रेमकुमार बजाज, श्रीमती पुष्पा बूब, रमाकान्त इन्नाणी, सीएस सुमन हेडा, रामपाल अट्टल, सूर्यप्रकाश राठी, रामनिवास सोनी, सीए बजरंगलाल झँवर, चैनसुख काबरा, कृष्णचन्द्र बंग, नन्दकिशोर हेडा, श्रीगोपाल बंग, श्रीकान्त इन्नाणी, श्रीनिवास असावा, सीए किशनगोपाल मणियार, सीए रामदेव भूतड़ा, नारायणलाल बाहेती, नन्दलाल सारडा

सीए मुरलीमनोहर पलोड़, गोविन्द नारायण राठी, दीपक कुमार बंग, देवेन्द्र झँवर, कैलाश मंत्री, मनोज लोया, मुकुन्दलाल बाहेती, पवन कुमार लोहिया, रुपेश सोनी, विनोद कुमार बंग, सीए अल्का झँवर, कविता तोष्णीवाल, श्यामसुन्दर बाहेती

आं.प्रा. माहेश्वरी सभा ट्रस्ट	माहेश्वरी समाज हैदराबाद-सिकन्दराबाद	तेलंगाना आन्ध्र प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन	हैदराबाद-सिकन्दराबाद जिला माहेश्वरी युवा संगठन
श्री माहेश्वरी विद्यालय, कबूतरखाना	राजस्थानी गणगौर मेला समिति हैदराबाद-सिकन्दराबाद	श्री संकटहरण महादेव मंदिर, बेगम बाजार	रमेश कुमार बंग फैन्स क्लब

BHAVES

ओली को अपने गढ़ में बालेन से मिल सकती है चुनौती

काठमांडू,13 जनवरी (एजेंसियां)।

काठमांडू महानगरपालिका के मेयर बालेन्द्र शाह (बालेन) ने आगामी संसदीय चुनाव में झापा निर्वाचन क्षेत्र-5 से चुनाव लड़ने को लेकर विचार-विमर्श शुरू कर दिया है। यह क्षेत्र नेकपा (एमाले) अध्यक्ष केपी शर्मा ओली का प्रमुख राजनीतिक गढ़ माना जाता है।

बालेन ने हाल ही में काठमांडू में झापा से आए राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी (आरएसपी) के नेताओं के साथ तीन घंटे तक बंद कमरे में बैठक की। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र की राजनीतिक स्थिति, मतदाताओं की मनोदशा और पार्टी संगठन की ताकत का आकलन किया।

बैठक में आरएसपी झापा अध्यक्ष प्रकाश पाठक, जिला सचिव शम्भु सुष्केरा ढकाल, झापा-3 क्षेत्रीय अध्यक्ष लक्ष्मण बस्नेत, झापा-5 विभागीय सदस्य विरोध सुबेदी तथा जिला अनुशासन समिति संयोजक अर्जुन उप्रेती मौजूद थे।

झापा-5 निर्वाचन क्षेत्र में ओली का गृह नगर दमक नगरपालिका सहित गौरादह नगरपालिका, कमल ग्रामीण नगरपालिका और गौरिगंज ग्रामीण नगरपालिका शामिल हैं। यह इलाका लंबे समय से एमाले का अभेद्य किला माना जाता रहा है। बालेन के करीबी लोगों के मुताबिक, उन्होंने अपने सचिवालय के सदस्यों और भरोसेमंद सहयोगियों को इन चारों स्थानीय इकाइयों में जमीनी फीडबैक जुटाने के लिए पहले ही भेज दिया है। टीम मतदाताओं की भावना, पार्टी संरचना और मौजूदा नेतृत्व के प्रति असंतोष के स्तर का अध्ययन कर रही है। एक अन्य करीबी सहयोगी ने कहा कि आंतरिक आकलन के अनुसार यदि बालेन झापा-5 से चुनाव लड़ते हैं तो उनकी जीत की संभावना मजबूत है। यह निष्कर्ष स्थानीय आरएसपी नेताओं से मिली प्रतिक्रिया के आधार पर निकाला गया है। आरएसपी झापा के नेता भी बालेन को लगातार राजनीतिक अपडेट दे रहे हैं। पार्टी के एक नेता ने बताया कि बालेन ने पार्टी के भीतर अपनी रुचि साझा कर दी है, हालांकि आरएसपी अध्यक्ष रवि लामिछाने के साथ शीर्ष-स्तरीय बातचीत अभी बाकी है। दमक के एक वरिष्ठ राप्रपा नेता ने भी कहा कि बालेन की टीम ने उनसे संपर्क किया है। उन्होंने कहा, उनके सहयोगी मुख्यधारा की पार्टियों से उपेक्षित लोगों से बात कर रहे हैं। इस अभियान में जेन-जी कार्यकर्ता भी शामिल हैं।

इस बीच, आरएसपी झापा समिति झापा-5 में व्यापारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, शिक्षकों और युवा समूहों से संवाद कर व्यापक जनमत जुटाने की तैयारी कर रही है। आरएसपी झापा सचिव शम्भु ढकाल ने बताया कि वे पार्टी संबंधी कार्यों से काठमांडू आए थे, उसी दौरान बालेन से मुलाकात हुई। उन्होंने कहा, वे झापा की राजनीतिक स्थिति को समझना चाहते थे। उसी संदर्भ में चर्चा हुई।

न्यूज ब्रीफ

बलोचिस्तान में डीआरए की मांग को लेकर सरकारी कर्मचारी सड़कों पर

क्वेटा (बलोचिस्तान)। पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलोचिस्तान में असमानता न्यूनीकरण भत्ता (डिसपैरिटी रिडक्शन अलाउंस डीआरए) की मांग को लेकर सरकारी कर्मचारियों का विरोध तेज हो गया है। प्रदर्शनकारियों ने विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्रीय राजमार्गों को अवरुद्ध कर दिया है। इस दौरान बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया है। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, क्वेटा समेत बलोचिस्तान के विभिन्न जिलों में दर्जनों सरकारी कार्यालयों से जुड़े कर्मचारी पिछले सात महीनों से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। बलोचिस्तान ग्रैंड अलायंस के बैनर तले संगठित कर्मचारी मांग कर रहे हैं कि उन्हें 30 प्रतिशत डीआरए दिया जाए, जैसा कि अन्य प्रांतों और संघीय सरकार में लागू है। बलोचिस्तान ग्रैंड अलायंस के नेताओं का कहना है कि राज्यपाल भवन, मुख्यमंत्री सचिवालय, सिविल सचिवालय, विधानसभा सचिवालय और उच्च न्यायालय सहित कुछ संस्थानों में एक ही श्रेणी के कर्मचारियों को अधिक वेतन दिया जा रहा है, जबकि अन्य अदालतों में एक ही श्रेणी के कर्मचारी कम वेतन पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस अंतर को दूर करने के लिए नवीकरणीय राजस्व अधिनियम अपरिहार्य है। सरकार की समिति ने भी इसकी सिफारिश की है लेकिन मुख्यमंत्री ने अभी तक इन सिफारिशों को लागू नहीं किया है। विरोध आंदोलन की शुरुआत के बाद सरकार और कर्मचारियों के बीच कई दौर की बातचीत हो चुकी है। बातचीत का हर दौर बेनतीजा रहा।

ईरान में खामेनेई के खिलाफ बगावत पर पहली फांसी, 26 साल के युवक को सजा-ए-मौत

तेहरान। ईरान में अयातुल्लाह अली खामेनेई के शासन के खिलाफ चल रहे देशव्यापी प्रदर्शनों के बीच

एक बेहद तनावपूर्ण और गंभीर मामला सामने आया है। ईरानी अधिकारी वर्तमान विरोध प्रदर्शनों से जुड़े पहले फांसी के मामले को अंजाम देने की तैयारी कर रहे हैं। रिपोर्टों के अनुसार, 26 वर्षीय इरफान सोलतानी को प्रदर्शनों में भाग लेने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था और अब उन्हें मौत की सजा सुनाई गई है। तेहरान के उपनगर कराज के फरदिस निवासी सोलतानी को इसी वर्ष 8 जनवरी को हिरासत में लिया गया था। मानवाधिकार समूहों और विभिन्न रिपोर्टों के मुताबिक, इस सजा पर बुधवार तक अमल किया जा सकता है, जो वर्तमान अशांति के दौर में फांसी के जरिए दिया जाने वाला पहला मृत्युदंड होगा। ईरान में असहमति की आवाजों को दबाने के लिए पहले भी कठोर दंड का सहारा लिया जाता रहा है, जिनमें से अधिकतर मामलों में गोली मारकर हत्या करने जैसी कार्रवाइयां सामने आई हैं। हालांकि, सोलतानी को दी जाने वाली यह फांसी मौजूदा विरोध प्रदर्शनों के संदर्भ में एक नया और चिंताजनक मोड़ माना जा रहा है। जानकारों का अंदेशा है कि यह सजा आगे प्रदर्शनों को रोकने और जनता के बीच खौफ पैदा करने के लिए शुरू की जाने वाली फांसी की एक लंबी श्रृंखला की शुरुआत हो सकती है। सोशल मीडिया और मानवाधिकार संगठनों के माध्यम से यह आरोप लगाए जा रहे हैं कि ईरानी अधिकारी भीड़ को नियंत्रित करने और सत्ता के खिलाफ उठने वाली आवाजों को कुचलने के लिए डर के तंत्र का सहारा ले रहे हैं।

पत्नी से बेवफाई क्यो करता है, खुलासा किया अंजान शख्स ने

क्वालालंम्पुर। मलेशिया में सोशल मीडिया पर एक शादीशुदा शख्स ने अपनी निजी जिंदगी से जुड़ा ऐसा

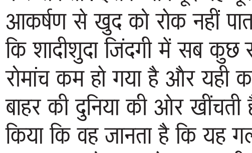

कन्फेशन साझा किया। इस गुमनाम व्यक्ति ने न सिर्फ अपनी बेवफाई को स्वीकार किया, बल्कि यह भी बताया कि पत्नी को धोखा देने के बाद उसके मन और दिमाग में क्या चलता है। पोस्ट के सामने आते ही यह तेजी से वायरल हो गई और लोगों की तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आने लगीं। शख्स ने अपनी पोस्ट में लिखा कि वह अपनी पत्नी से बेहद प्यार करता है और उसे खोने की कल्पना भी नहीं कर सकता। इसके बावजूद वह दूसरी औरतों के प्रति आकर्षण से खुद को रोक नहीं पाता। उसका कहना है कि शादीशुदा जिंदगी में सब कुछ सामान्य हो गया है, रोमांच कम हो गया है और यही कमी उसे बार-बार बाहर की दुनिया की ओर खींचती है। उसने स्वीकार किया कि वह जानता है कि यह गलत है, फिर भी वह इस लालच से खुद को अलग नहीं कर पा रहा। पोस्ट में उसने एक घटना का जिक्र किया, जिसने लोगों को सबसे ज्यादा गुस्से में डाल दिया। उसने बताया कि हाल ही में उसने पत्नी से आउटस्टेशन ट्रिप का बहाना बनाकर अपनी प्रेमिका के घर पूरी रात बिताई। उस रात जब वह दूसरी महिला के साथ था, तभी अचानक उसके भीतर अपराधबोध और पछतावे की भावना जाग उठी।

ईरान ने ट्रंप की चुनौती स्वीकार की, कहा-अमेरिका से युद्ध के लिए तैयार

तेहरान/वाशिंगटन,13 जनवरी (एजेंसियां)।

इस्लामिक गणराज्य ईरान में 28 दिसंबर को महंगाई के खिलाफ शुरू प्रदर्शन देश के सर्वोच्च शासक अली खामेनेई को हटाने के आंदोलन के रूप में बदल गया है। समूचे ईरान में लोग सड़कों पर हैं। इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है। सुरक्षा बलों की गोलियों से अब तक कम से कम 2000 प्रदर्शनकारियों के मारे जाने की खबरें हैं। लोग लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। खामेनेई का कहना है कि प्रदर्शनकारियों को अमेरिका भड़का रहा है। उधर, अमेरिकी ने कई बार चेतावनी दी है कि अगर प्रदर्शनकारियों पर दमन जारी रहा तो मजबूत सैन्य हमले के लिए ईरान तैयार रहे। ईरान ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चुनौती को स्वीकार करते हुए कहा कि वह हर तरह से युद्ध के लिए तैयार हैं।

ईरान ने कई देशों के राजदूतों को तलब किया

ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ईरान पर बहुत मजबूत सैन्य हमले पर विचार कर रहा है। उन्होंने कहा कि तेहरान को प्रदर्शनकारियों पर दमन न करने की चेतावनी की अनदेखी करना बहुत महंगा पड़ेगा। इस पर ईरान के विदेशमंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि ईरान निष्पक्ष बातचीत के लिए भी तैयार है, लेकिन वह युद्ध के लिए भी हर तरह से तैयार है। ईरान के स्वास्थ्य अधिकारियों ने दावा किया है कि दो हफ्ते से ज्यादा समय से जारी अशांति में मरने वालों की शुरुआती संख्या हाल के दिनों में बढ़कर कम से कम 2,000 पहुंच गई है। ईरान ने ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस और इटली के राजदूतों को तलब किया है। ईरान ने उनकी सरकारों पर प्रदर्शनकारियों का समर्थन करने और उसके आंतरिक मामलों में दखल देने का आरोप लगाया।

ट्रंप को तीन विकल्पों की जानकारी दी गई

सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप को सोमवार को वरिष्ठ अधिकारियों से ईरान के खिलाफ कार्रवाई के लिए तीन विकल्पों की जानकारी दी है। पहला- सैन्य हमला। दूसरा- साइबर आपरेशन। तीसरा -प्रदर्शनकारियों का सहयोग करने के लिए मनोवैज्ञानिक रणनीति। अधिकारियों ने कहा कि यह तीनों एक साथ भी हो सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, दो अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है और कूटनीतिक दरवाजे खुले हुए हैं। आस्ट्रेलिया ने प्रदर्शनकारियों पर हिंसा की निंदा की आस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हिंसा की निंदा की। उन्होंने उम्मीद जताई कि ईरान के लोग मौजूदा सरकार को हटाकर एक लोकतांत्रिक ईरान स्थापित करेंगे, जहां मानवाधिकारों का सम्मान किया जाएगा। मंगलवार को कैनबरा में एक संवाददाता सम्मेलन में अल्बानीज ने कहा, हम ईरान के लोगों के साथ खड़े हैं जो एक दमनकारी शासन के खिलाफ लड़ रहे हैं। मुझे उम्मीद है, लोग खामेनेई को हटा देंगे। विदेशमंत्री पेनी वोंग ने कहा कि मौजूदा ईरानी सरकार की कोई वैधता नहीं है। वह सत्ता बचाने के लिए अपने ही नागरिकों की हत्या कर रही है।

इजराइल में अमेरिकी राजदूत ने कहा- ट्रंप ईरान में नरसंहार नहीं होने देंगे

इजराइल में अमेरिकी राजदूत माइक हकाबी ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप मूकदर्शक नहीं बने रहेंगे। वह ईरान में प्रदर्शनकारियों का चल रहा नरसंहार जारी नहीं रहने देंगे। माइक हकाबी ने सोमवार को स्काई न्यूज से कहा, ट्रंप लोगों को मरते हुए नहीं देखेंगे। वह यकीनन दखल देंगे। उन्होंने कहा, ईरान के लोग खामेनेई का इसलिए विरोध कर रहे हैं क्योंकि वे अपने परिवारों को खाना नहीं खिला सकते। पानी की कमी है। महंगाई इतनी ज्यादा है कि एक ब्रेड का पैकेट खरीदना मुश्किल है। अमेरिका ने अपने नागरिकों से तुरंत ईरान छोड़ने की अपील की अमेरिकी दूतावास ईरान ने सोमवार को एक वर्चुअली सुरक्षा परामर्श जारी किया। इसमें अमेरिकी नागरिकों से देश भर में बढ़ते विरोध प्रदर्शनों के बीच तुरंत ईरान छोड़ने की अपील की गई। नागरिकों को सलाह दी गई है कि अमेरिकी सरकार की मदद पर निर्भर हुए बिना अपने खुद के इंतजाम से तुरंत ईरान छोड़ दें।

ईरान पुलिस प्रमुख ने ट्रंप को चुनौती दी

ईरान के पुलिस प्रमुख अहमदरेज़ा रादान ने सोमवार को प्रदर्शनकारियों की हत्याओं को लेकर इस्लामिक गणराज्य के खिलाफ डोनाल्ड ट्रंप की धमकी का जवाब देते हुए कहा: उन्होंने एक बार यह गलती की थी और उन्हें जवाब मिल गया था, लेकिन अगर वे फिर से आते हैं, तो हम उनकी सेवा के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा: हमारे पिछले हमले के जवाब को पचाने में उन्हें बहुत समय लगेगा। इस बीच निर्वासित राजकुमार रजा पहलवी ने सोमवार को सीबीएस न्यूज पर प्रसारित एक इंटरव्यू में कहा कि वह ट्रंप प्रशासन के सीधे संपर्क में हैं। यह वक्त गेम-चेंजर हो सकता है। पहलवी ने दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद के अंत और सोवियत संघ के पतन का उदाहरण देते हुए कहा, कोई भी मुक्ति अभियान तब सफल हुआ है जब दुनिया ने आखिरकार दमनकारी सरकारों को ललकारा। खामेनेई ने कहा-अमेरिका की साजिश विफल अली खामेनेई ने सोमवार को एक संदेश में इस्लामिक शासन खत्म करने की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों को अमेरिका समर्थित भाड़े के सैनिक बताया। उन्होंने कहा कि सरकार ने अमेरिकी साजिश को विफल कर दिया है। संदेश में कहा गया कि महान ईरान राष्ट्र ने अपने संकल्प और पहचान के साथ खुद को अपने दुश्मनों के सामने पेश किया। यह अमेरिकी राजनेताओं के लिए एक चेतावनी थी कि वे अपना धोखा बंद करें और धोखेबाज भाड़े के सैनिकों पर भरोसा करना बंद करें।

बलोचिस्तान में पाक की सेना के काफिले पर हमला कर छह जवान मारे- बीएलएफ का दावा

क्वेटा,13 जनवरी (एजेंसियां)।

बलोचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) के प्रवक्ता मेजर घोरम बलोच ने दावा किया है कि नौ जनवरी को पाकिस्तान की सेना के काफिले पर फ्रंट के हमले में छह जवान मारे गए। प्रवक्ता ने मीडिया को भेजे बयान में कहा कि फ्रंट के लड़ाकों ने दोपहर करीब एक बजे सेंट्रल हाइवे पर ओरनाच क्रास पर सेना के काफिले पर घात लगाकर हमला किया।

प्रवक्ता ने कहा कि सैन्य काफिले के एक वाहन पर भीषण हमला हुआ। इस वाहन में सवार छह जवान मौके पर ही मारे गए। सैन्य वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। मेजर घोरम बलोच ने कहा कि बलोचिस्तान लिबरेशन फ्रंट ने ओरनाच में कब्जा करने वाली पाकिस्तान की सेना के काफिले पर हमले में छह कर्मियों की हत्या की जिम्मेदारी लेता है। उल्लेखनीय है कि बीएलएफ बलोचिस्तान की आजादी के लिए लंबे समय से संघर्ष कर है। बलोचिस्तान में आजादी का आंदोलन 1947 में भारत के विभाजन के बाद शुरू हुआ। कलात रियासत को पाकिस्तान में जबरन मिलाने के बाद तब से बलोच राष्ट्रवादी अपने क्षेत्र की पूर्ण स्वतंत्रता और अपने प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं। 2004 से बीएलएफ, बलोचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) और बलोच रिपब्लिकन आर्मी (बीआरए) जैसे विद्रोही समूह सक्रिय हैं। ऐतिहासिक तथ्य है कि 1947 में कलात रियासत ने खुद को स्वतंत्र घोषित किया, मगर 1948 में पाकिस्तान की सेना ने इसे जबरन पाकिस्तान में मिला लिया। बलोच विद्रोही अपने क्षेत्र की स्वतंत्रता, राजनीतिक स्वायत्तता और प्राकृतिक संसाधनों (जैसे गैस और खनिज) पर नियंत्रण चाहते हैं। बलोच राष्ट्रवादियों का मानना है कि चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) उनकी जमीन पर विदेशी कब्जे को मजबूत करता है। यह गलियारा नहीं बनना चाहिए। आज बलोचिस्तान पाकिस्तान का सबसे बड़ा और सबसे कम विकसित प्रांत है। बलोच राष्ट्रवादियों और इस्लामाबाद के बीच संघर्ष जारी है। बलोच अपने शोषण और उपेक्षा के खिलाफ लगातार आवाज उठा रहे हैं।

बांग्लादेश में मातारबाड़ी थर्मल पावर प्लांट में आग लगी

ढाका। बांग्लादेश में काक्स बाजार के महेशखाली उपजिला के मातारबाड़ी थर्मल पावर प्लांट के स्क्रैप (कचरा) भंडारण में आग लग गई। दमकल विभाग और नागरिक सुरक्षा विभाग को आग बुझाने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। प्लांट के अधिकारियों का कहना है कि आग लगने के कारणों की जांच कराने के आदेश दे दिए गए हैं। ढाका ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, प्लांट के कचरा भंडारण में आग सोमवार रात करीब 9:15 बजे लगी। महेशखाली दमकल विभाग और नागरिक सुरक्षा विभाग के केंद्र प्रभारी रामप्रसाद सेन ने बताया कि आग प्लांट के कचरा भंडारण में लगी। सूचना मिलते ही कर्मचारियों को संसाधनों के साथ भेजा गया। लगभग दो घंटे में आग बुझा दी गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि उन्होंने प्लांट के पास बने एक पुल से पावर प्लांट के अंदर आग की लपटें देखीं। महेशखाली उप जिला अधिकारी इमरान महमूद डालिम ने बताया कि आग रात करीब 8:45 बजे पावर प्लांट की प्रोडक्शन यूनिट के पास लगी। कुछ ही देर बाद उस पर काबू पा लिया गया। प्रोडक्शन प्लांट पर कोई असर नहीं पड़ा।

नेपाली कांग्रेस का विभाजन रोकने के लिए निर्णायक वार्ता शुरू

काठमांडू,13 जनवरी (एजेंसियां)।

नेपाली कांग्रेस में जारी आंतरिक गतिरोध को सुलझाने और पार्टी को विभाजन से रोकने का अंतिम प्रयास जारी है। इसके लिए पार्टी के दोनों गुटों के बीच निर्णायक वार्ता शुरू हुई है।

यह वार्ता कुछ देर पहले पार्टी अध्यक्ष शेरबहादुर देउबा के निवास पर शुरू हुई। पार्टी अध्यक्ष शेर बहादुर देउवा पक्ष की ओर से कार्यवाहक अध्यक्ष पूर्ण बहादुर खड्का, रमेश लेखक और बालकृष्ण खांड शामिल हैं। विशेष महाधिवेशन पक्ष से प्रदीप पौडेल, गुरुराज घिमिरे, मधु आचार्य और देवराज चालिसे भाग ले रहे हैं, जबकि शेखर कोइराला गुट का प्रतिनिधित्व जीवन परियार और डा. मिनेंद्र रिजाल कर रहे हैं।

इससे पहले ही डा. कोइराला ने महासचिव गगन थापा और विश्वप्रकाश शर्मा से बातचीत की थी और प्रतिद्वंद्वी धड़ों के बीच संवाद का माहौल बनाने के लिए एक समिति गठन का प्रस्ताव रखा।

कांग्रेस के कुल 54 प्रतिशत महाधिवेशन प्रतिनिधियों ने विशेष महाधिवेशन की मांग की थी। हालांकि, अध्यक्ष देउबा के नेतृत्व वाले पक्ष ने इस पहल को दबाने की कोशिश की, लेकिन महासचिव गगन थापा और विश्वप्रकाश शर्मा ने विशेष महाधिवेशन बुलाने का फैसला कर लिया। अधिकांश प्रतिनिधि पहले ही इस प्रक्रिया में शामिल हो चुके हैं, जिससे देउवा पक्ष पर दबाव बढ़ता जा रहा है।

रविवार को विशेष महाधिवेशन का उद्घाटन हुआ और सोमवार को यह बंद सत्र में प्रवेश कर गया, जहां पार्टी की केंद्रीय समिति को भंग करने का प्रस्ताव पेश किया गया। अब जब यह स्पष्ट हो चुका है कि अधिकांश प्रतिनिधि विशेष महाधिवेशन के पक्ष में हैं, तो देउवा गुट को बातचीत की मेज पर आने के लिए मजबूर होना पड़ा है। देउवा पक्ष के वार्ता में शामिल होने के बाद विशेष महाधिवेशन की समय-सारिणी को दोपहर एक बजे तक के लिए स्थगित किया गया है। पार्टी अध्यक्ष देउवा ने केंद्रीय कार्यसमिति की आपात बैठक भी बुलाई है। यह बैठक पहले सुबह 11 बजे सानेपा स्थित पार्टी मुख्यालय में तय थी, लेकिन विशेष महाधिवेशन समर्थक केंद्रीय सदस्यों ने इसमें शामिल न होने का निर्णय किया जिसके बाद बैठक को एक बजे तक के लिए स्थगित कर दिया।

शक्सगाम घाटी पर बढ़ी तनातनी : आपत्ति के बाद भी चीन ने भारतीय क्षेत्र को अपना बताया

बीजिंग,13 जनवरी (एजेंसियां)।

शक्सगाम घाटी में चीन द्वारा किए जा रहे बुनियादी ढांचा निर्माण को लेकर भारत और चीन के बीच कूटनीतिक विवाद गहरा गया है। भारत की कड़ी आपत्तियों को दरकिनार करते हुए चीन ने सोमवार को इस क्षेत्र पर अपना दावा दोहराया और वहां चल रही अपनी परियोजनाओं को जायज ठहराया है। यह विवाद तब और बढ़ गया जब भारत ने पिछले शुक्रवार को स्पष्ट रूप से कहा था कि शक्सगाम घाटी भारतीय क्षेत्र का हिस्सा है और देश के पास अपने हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने का संप्रभु अधिकार है। गौरतलब है कि 1963 में एक अवैध समझौते के तहत पाकिस्तान ने भारतीय क्षेत्र की लगभग 5,180 वर्ग किलोमीटर भूमि, जिसे शक्सगाम घाटी कहा जाता है, चीन को सौंप दी थी।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा है कि वह 1963 के तथाकथित चीन-पाकिस्तान सीमा समझौते को कभी मान्यता नहीं देता। मंत्रालय के प्रवक्ता के अनुसार, यह समझौता पूरी तरह अवैध और अमान्य है। भारत ने यह भी साफ कर दिया है कि वह चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) का भी कड़ा विरोध करता है क्योंकि यह उन भारतीय क्षेत्रों से होकर गुजरता है, जिस पर पाकिस्तान ने अवैध और जबरन कब्जा कर रखा है। भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बार-बार दोहराया है कि संपूर्ण जम्मू-कश्मीर और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा हैं और यह सच्चाई चीनी व पाकिस्तानी अधिकारियों को कई बार बताई जा चुकी है।

दूसरी ओर, चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने बीजिंग में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में भारत के दावों को खारिज करते हुए कहा कि संबंधित क्षेत्र चीन का हिस्सा है। उन्होंने तर्क दिया कि अपने ही क्षेत्र में निर्माण गतिविधियां करना चीन का अधिकार है। माओ ने 1960 के दशक के सीमा समझौते का हवाला देते हुए इसे दो संप्रभु राष्ट्रों के बीच की कानूनी प्रक्रिया बताया। चीन ने सीपीईसी को महज एक आर्थिक पहल करार देते हुए कहा कि इससे कश्मीर मुद्दे पर उसके आधिकारिक रुख में कोई बदलाव नहीं आएगा। चीन का कहना है कि कश्मीर एक ऐतिहासिक विवाद है जिसे संयुक्त राष्ट्र चार्टर और द्विपक्षीय समझौतों के माध्यम से शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाया जाना चाहिए। ऐतिहासिक रूप से, 1963 में पाकिस्तान द्वारा पीओके का यह हिस्सा चीन को सौंपना दोनों देशों के सामरिक संबंधों के लिए महत्वपूर्ण था, क्योंकि इसी समझौते ने उन्हें एक साझा सीमा प्रदान की। हालांकि, इस समझौते में एक खंड यह भी शामिल है कि कश्मीर मुद्दे के अंतिम समाधान के बाद संबंधित संप्रभु प्राधिकरण चीन के साथ सीमा संधि पर फिर से बातचीत करेगा। वर्तमान में शक्सगाम घाटी में चीन की बढ़ती सक्रियता ने क्षेत्रीय सुरक्षा और सीमा विवाद को एक बार फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है।

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 14 जनवरी, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-8 | अंक-14

सरकार में 'विभीषण'

मंत्रियों की छवि बिगाड़ने की कोशिशों पर रेवंत सख्त

हैदराबाद, 13 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राज्य सरकार की छवि खराब करने के उद्देश्य से किए जा रहे मीडिया लीक और दुष्प्रचार को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बेहद गंभीरता से लिया है। हाल ही में सड़क एवं भवन निर्माण मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी को निशाना बनाने वाली खबरों के बाद मुख्यमंत्री ने पुलिस को इस 'प्रो-पेगेंडा अभियान' के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

पिछले कुछ महीनों में मंत्रियों और सरकारी नीतियों से जुड़ी गोपनीय जानकारियों के लीक होने से मुख्य विपक्षी दल बीआरएस को मुख्यमंत्री पर हमला करने का मौका मिल गया है। शीर्ष नेतृत्व के लिए सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इन लीक्स के पीछे शक की सुई प्रदेश कांग्रेस कमेटी के एक जिम्मेदार नेता और एक ऐसे वरिष्ठ मंत्री की ओर घूम रही है, जो कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर निर्णय लेने की प्रक्रिया से बाहर किए जाने के कारण नाराज बताए जा रहे हैं।

विशेष रूप से, परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर के खिलाफ भी हाल ही में खबरें आई थीं। सूत्रों के मुताबिक, इसके पीछे उन्हें हटाकर किसी अन्य पिछड़ा वर्ग नेता को कैबिनेट में शामिल कराने की साजिश देखी जा रही है। यही नहीं, गृह विभाग में 'अतिरिक्त-संवैधानिक सत्ता' के हस्तक्षेप की खबरों के पीछे भी इसी कांग्रेस नेता का हाथ होने का आरोप है।

मीडिया संस्थानों और चैनलों पर एफआईआर दर्ज

हैदराबाद सेंट्रल क्राइम स्टेशन की टीम ने क्षेत्रीय टीवी चैनलों 'एनटीवी' और टी न्यूज़ (जो बीआरएस प्रमुख के. चंद्रशेखर राव के परिवार के स्वामित्व में है) के साथ-साथ कुछ ऑनलाइन न्यूज़ प्लेटफॉर्म्स के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। यह कार्रवाई एक मंत्री और एक वरिष्ठ महिला आईएएस अधिकारी की छवि धूमिल करने वाली रिपोर्ट प्रसारित करने के कारण की गई है। तेलंगाना आईएएस ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष और विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन की शिकायत पर यह मामला दर्ज हुआ है। मुख्यमंत्री ने आईएएस एसोसिएशन को भरोसा दिलाया है कि नौकरशाही की गरिमा की रक्षा में कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

कैबिनेट की मंजूरी से पहले ही केटीआर तक पहुंची फाइल

रेवंत रेड्डी सरकार उस वक्त सकते में आ गई जब 'हैदराबाद इंडस्ट्रियल लैंड ट्रांसफॉर्मेशन पॉलिसी' का मसौदा (ड्राफ्ट) कैबिनेट की मंजूरी से पहले ही बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव (केटीआर) के पास पहुँच गया। इस नीति का उद्देश्य शहर के भीतर प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों को आउटर रिंग रोड के बाहर स्थानांतरित करना है। विजिलेंस जाँच में यह खुलासा हुआ कि एक मध्यम स्तर के अधिकारी ने ड्राफ्ट कॉपी केटीआर को भेजी थी। हालाँकि, सूत्रों का दावा है कि एक प्रभावशाली मंत्री के साथ नजदीकी संबंधों के कारण उस अधिकारी के खिलाफ अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। मुख्यमंत्री अब केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय से संपर्क कर दोषी चैनलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की संभावनाएँ तलाश रहे हैं।

कट्टा मैसम्मा मंदिर से दहाड़े राजा

पागलों के निशाने पर मंदिर ही क्यों, मज़ार क्यों नहीं?

हैदराबाद, 13 जनवरी, (शुभ लाभ ब्यूरो)।
हिन्दू हृदय सम्राट गोशामहल से भारतीय जनता पार्टी के विधायक टी. राजा सिंह ने कट्टा मैसम्मा मंदिर को अपवित्र किये जाने की घटना को एक सोची-समझी साजिश करार देते हुए रेवंत रेड्डी सरकार को कड़े कदम उठाने की सख्त हिदायत दी, साथ ही यह चेतावनी भी दी कि भविष्य में ऐसी गंदी हरकतों का हर्गिज बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। राजा सिंह ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से पूछा कि जब आप दावा करते हैं कि मेरी रगों में भी भगवा खून दौडता है तो आपने कट्टा मैसम्मा का अपमान कैसे सह लिया, आपका खून क्यों नहीं खोला? मुख्यमंत्री और बीआरएस नेता के. टी रामाराव की ओर से इस संबंध में एक भी बयान जारी न होने पर राजा ने आश्चर्य जताते हुए कहा कि इन लोगों का वोट देने वालों में हिन्दू भी शामिल है, ऐसे में इनका फर्ज बनता है कि ये हिन्दुओं की भावनाओं की भी कद्र करें।

श्री राजा सिंह आज सफिलगुडा स्थित कट्टा मैसम्मा मंदिर परिसर का दौरा किया, जहाँ हाल ही में एक 26 वर्षीय मुस्लिम युवक अल्ताफ को कथित तौर पर मंदिर परिसर में अवैध रूप से प्रवेश करने और ''अश्लील'' कार्य करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। हालांकि पुलिस ने तत्काल आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। भाजपा विधायक ने मंदिर के भक्तों व हिन्दू वादी संगठनों के असंख्य कार्यकर्ताओं के साथ विरोध प्रदर्शन में भी भाग लिया। तत्पश्चात मंदिर के बाहर सिढियों से एकत्रित लोगों को संबोधित करते हुए गोशामहल विधायक ने कहा कि जब से तेलंगाना में कांग्रेस सरकार आई है, तब से हिन्दू मंदिरों पर हमले बढ गये हैं।

उन्होंने जुबली हिल्स, नामपल्ली, सिकंदराबाद में घटी इस प्रकार की घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि हर बार पुलिस आरोपी को पागल/मानसिक रूप से विक्षिप्त करार देकर मामले को रफा-दफा कर देती है। राजा सिंह ने सवाल किया कि पागल व्यक्ति को दूसरे धर्म के मंदिर और देवी-देवताओं ही क्यों दिखाई देते हैं? मस्जिद, दरगाह और मजार आदि क्यों नहीं दिखाई देते?

गौरतलब है कि कट्टा मैसम्मा मामले में आरोपी की पहचान कर्नाटक के बीदर जिले के निवासी अल्ताफ के रूप में हुई है। पुलिस ने कहा कि नेरेडमेट पुलिस स्टेशन में ▶10पर

...तो मोंडा और महाँकाली मलकाजगिरी में क्यों?

सिकंदराबाद जिंदाबाद

हैदराबाद, 13 जनवरी, (शुभ लाभ ब्यूरो)
पूर्व मंत्री और सनतनगर के विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर कड़ा प्रहार करते हुए आरोप लगाया कि वे सफेद झूठ बोलकर जनता को धोखा दे रहे हैं। मंगलवार को वेस्ट मारेडपल्ली स्थित अपने कैंप कार्यालय में सनतनगर, सिकंदराबाद और छावनी (कंटोनमेंट) निर्वाचन क्षेत्रों के कॉर्पोरेटरों, पूर्व कॉर्पोरेटरों और मुख्य नेताओं के साथ बैठक के दौरान उन्होंने सरकार की नीतियों की जमकर आलोचना की।

सिकंदराबाद को मलकाजगिरी में मिलाने पर उठाए सवाल

तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री यह दावा करके झूठ बोल रहे हैं कि सिकंदराबाद जीएचएमसी में ही है और उसे मलकाजगिरी में नहीं मिलाया गया है। उन्होंने सवाल किया, ''क्या यह सच नहीं है कि सनतनगर निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत नवनिर्मित प्रकाश नगर और मोंडा डिवीजन को मलकाजगिरी जोन के बोइनपल्ली सर्कल में मिला दिया गया है? उन्होंने आगे कहा कि बेगमपेट, महाँकाली, गोपालपुरम, कारखाना और बोइनपल्ली जैसे महत्वपूर्ण पुलिस स्टेशनों को मलकाजगिरी पुलिस आयुक्तालय (कमिश्नरेट) के अधिकार क्षेत्र में स्थानांतरित कर दिया गया है। क्या यह सिकंदराबाद का अस्तित्व मिटाकर उसे मलकाजगिरी में विलय करने जैसा नहीं है?

पुलिस महकमे में भ्रम और प्रशासनिक विफलता

विधायक ने प्रशासनिक अव्यवस्था का उदाहरण देते हुए बताया कि ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

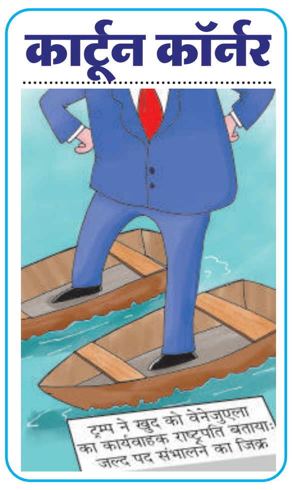

॥ श्री हरिः ॥ ॥ हृदयांजलि ॥ ॥ श्री हरिः ॥

साहजी श्री राजकुमारजी धानुका
हमारे साहजी श्री राजकुमारजी धानुका का स्वर्गवास शनिवार 10-01-2026 को हो गया। समस्त सिमलावाला परिवार परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करता है कि दिवंगत आत्मा को शांति एवं वैकुण्ठलोक में स्थान प्रदान करें व समस्त परिजनों को स्वर्गीय से विछोह के शोक को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।
❋ विनम्र ❋
रमेश अग्रवाल ❋ गिरीश अग्रवाल
गुंजन अग्रवाल ❋ तोशल अग्रवाल ❋ पूर्वश अग्रवाल
गुलज़ारीमल रामचन्द्र सिमलावाले
मनोकामना गोल्ड प्राइवेट लिमिटेड ❋ मनोकामना चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड
भाग्यनगर (हैदराबाद) तेलंगाना, फोन : +91 98481 12060, +91 97010 08999

ANDHRA PRADESH MAHESH CO-OPERATIVE URBAN BANK LTD.
(MULTI-STATE SCHEDULED BANK)
महेश बैंक ESTD. 1978
महेश बैंक
మహేశ్ బ్యాంక్
MAHESH BANK
Website : www.apmahesh.bank.in
Head Office : 8-2-680/1 & 2, Road No.12, Banjara Hills, Hyderabad - 500 034 (Telangana State)
Phones : 040 - 2343 7100 / 101 / 102 / 103 / 105 / 106, 2343 1824 / 825 / 828 & 2461 5296 E-mail : info@apmaheshbank.com
महेश बैंक परिवार की ओर से हमारे सभी ग्राहकों, सदस्यों एवं शुभचिन्तकों को

मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएँ
Board of Directors
CA Murli Manohar Pallod, Chairman
Govind Narayan Rathi, Vice Chairman
Amit Ladda (Gaggu), Bhangadia Kailash Narayan, CA Alka Zanwar, Deepak Kumar Bung, Devender Jhawar, Kailash Mantri, Kavita Toshniwal, Manoj Loya, Mukundlal Baheti, Pawan Kumar Lohiya, Rupesh Soni, Vinod Kumar Bung
V. Arvind, Managing Director & CEO
LAUNCHING
Mega Festival Loan Mela
PONGAL TO UGADI
16-01-2026 to 20-03-2026
Loan/OD against Property | GOLD LOAN (# 'NIL' Processing Charges) | MSME LOAN | MAHESH GRUHA YOJANA HOUSING LOAN | Educational Loans
* Conditions apply
Avail Loans At Attractive Rate of Interest & 50% Concession in Processing Charges
LOCKER FACILITY AVAILABLE
H.O. : 040-23437100 / 103 / Extn. 288
Contact : Our Nearest Branch Email : hocrd@apmaheshbank.com

द 50 और धनश्री वर्मा से जुड़ी अफवाहों पर बोले युजवेंद्र चहल- वायरल रिपोर्ट्स में सच्चाई नहीं

भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज और लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल इन दिनों सोशल मीडिया पर भी चर्चा में बने हुए हैं। पिछले कुछ दिनों से अफवाहें फैली हुई थीं कि वे एक बड़े रियलिटी शो 'द 50' में हिस्सा लेने वाले हैं। इस शो के जरिए उनकी पूर्व पत्नी धनश्री वर्मा के साथ होने की खबरें भी सामने आई थीं। बता दें कि चहल और धनश्री ने 2020 में शादी की थी, लेकिन चार साल बाद उनका तलाक हो गया। ऐसे में इन अफवाहों ने लोगों के बीच चर्चा बढ़ा दी। 'द 50' एक नया रियलिटी शो है, जो दर्शकों के सामने एक अलग फॉर्मेट के तौर पर पेश किया जाएगा। शो का दावा है कि यह भारतीय रियलिटी टीवी के पुराने नियमों को चुनौती देगा और एक नया अंदाज पेश करेगा। यह शो 1 फरवरी से प्रसारित होने वाला है। इस शो में कंटेस्टेंट के तौर पर कई हस्तियों के नाम सामने आए, इसमें युजवेंद्र चहल का भी नाम शामिल रहा, लेकिन उन्होंने खुद इस अफवाह को गलत ठहराया।

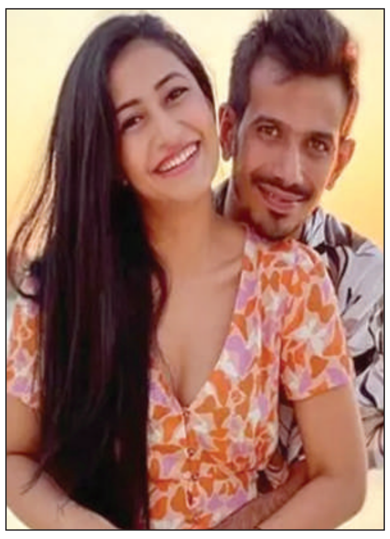

चहल ने इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए अपने बयान में कहा कि जो खबरें उनके किसी रियलिटी शो में भाग लेने की चल रही हैं, वे गलत और अनुमान पर आधारित हैं। उन्होंने साफ किया कि उनका इस शो से कोई संबंध नहीं है और न ही इस तरह की कोई बातचीत हुई है। उन्होंने मीडिया और सोशल मीडिया यूजर्स से अपील की, कि वे बिना पुष्टि के खबरें फैलाने से बचें।

चहल की टीम ने कहा, ''युजवेंद्र चहल के रियलिटी शो में हिस्सा बनने की जो रिपोर्ट्स वायरल हो रही हैं, उनमें कोई भी सच्चाई नहीं है। ये दावे केवल अटकलों पर ही आधारित हैं और पूरी तरह से गलत हैं। युजवेंद्र किसी भी शो में नहीं जा रहे हैं, जैसा कि हाल ही में सामने आई रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है और इस बारे में उनकी किसी से कोई चर्चा नहीं हुई है। हम मीडिया प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया यूजर्स से अनुरोध करते हैं कि इस तरह की जानकारियों से बचें और इसे न फैलाएं।'' युजवेंद्र चहल से पहले 'द 50' में कदम रखने की बात को टीवी एक्ट्रेस रुबीना दिलैक ने भी झूठा करार दिया था। वहीं इनके अलावा, कई सितारों के नाम शो के लिए सामने आ चुके हैं, जिनमें करण पटेल, धनश्री वर्मा, मल्लिका शेरावत, विवियन डीसेना, निक्की तंबोली और बसीर अली शामिल हैं।

दुर्गा खोटे: हिंदी सिनेमा की पहली फ्रीलांस एक्ट्रेस स्टूडियो की बंदिशें तोड़कर बनाई अलग राह

हिंदी और मराठी सिनेमा के शुरुआती दौर में महिलाओं के लिए फिल्मों में काम करना आसान नहीं था। उस समय ज्यादातर कलाकार किसी एक स्टूडियो या प्रोडक्शन हाउस के साथ लंबे कॉन्ट्रैक्ट में बंधे रहते थे। ऐसे में किसी भी कलाकार के लिए स्वतंत्र रूप से कई कंपनियों के लिए काम करना मुश्किल और जोखिम भरा माना जाता था। दुर्गा ने इस डर को तोड़ा और भारतीय सिनेमा की पहली फ्रीलांस एक्ट्रेस बनकर साबित कर दिया कि महिला कलाकार भी अपने दम पर अपनी राह बना सकती हैं। उनके इस कदम ने न सिर्फ उन्हें अलग पहचान दी बल्कि आने वाली पीढ़ियों की महिलाओं के लिए रास्ता भी आसान किया। दुर्गा खोटे का जन्म 14 जनवरी 1905 को मुंबई में हुआ था। वह बचपन में पढ़ाई में काफी होशियार थीं। उन्होंने ग्रेजुएशन किया था। उस समय लड़कियों के लिए शिक्षा तक पहुंचना भी आसान नहीं था, लेकिन दुर्गा की शिक्षा ने उनके भविष्य की नींव रख दी।

17 साल की उम्र में दुर्गा की शादी विश्वनाथ खोटे से हुई। विश्वनाथ एक पढ़े-लिखे युवा थे। शादी के बाद दुर्गा के दो बेटे हुए, लेकिन उनके जीवन में दुख भी जल्दी आया। 26 साल की उम्र में उनके पति का निधन हो गया। अकेले दोनों बच्चों का पालन-पोषण करना दुर्गा के लिए चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने अपने बच्चों को संभालने के साथ-साथ आर्थिक रूप से खुद को मजबूत बनाने के लिए ट्यूशन पढ़ाने का काम शुरू किया।

इसी दौरान उन्हें फिल्मों का मौका मिला। उनकी बहन के जरिए दुर्गा खोटे को 'फरेबी जाल' फिल्म में छोटी भूमिका मिली। उस समय समाज में फिल्मों में काम करना महिलाओं के लिए असभ्य माना जाता था, लेकिन दुर्गा ने अपने बच्चों और आत्मनिर्भर बनने के लिए यह कदम उठाया। इसके बाद उनकी मेहनत और प्रतिभा ने उन्हें लगातार नई भूमिकाओं में लाकर खड़ा किया।

दुर्गा खोटे ने फिल्मों में आने के बाद एक बड़ा कदम उठाया। उन्होंने स्टूडियो की कॉन्ट्रैक्ट प्रणाली को अस्वीकार कर कई कंपनियों के लिए काम करना शुरू किया। प्रभात फिल्म कंपनी के साथ काम करते हुए उन्होंने न्यू थिएटर, ईस्ट इंडिया फिल्म कंपनी और प्रकाश पिक्चर्स जैसी कंपनियों के लिए भी काम किया। इसी वजह से उन्हें भारतीय सिनेमा की पहली फ्रीलांस महिला कलाकार माना गया। इस फैसले ने उन्हें न सिर्फ स्वतंत्र बनाया बल्कि फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं की स्थिति भी बदल दी।

उनका करियर लगभग 50 साल तक चला और इस दौरान उन्होंने हिंदी और मराठी में 200 से अधिक फिल्में कीं। उनके यादगार किरदारों में 'मुगल-ए-आजम' में जोधा बाई, 'मिर्जा गालिब' में मां का रोल, 'बॉबी' में दादी, और 'भरत मिलाप' जैसी कई हिट फिल्में शामिल हैं। वह केवल अभिनय तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि 1937 में 'साथी' फिल्म को प्रोड्यूस और डायरेक्ट भी किया, जो उस समय की दुर्लभ उपलब्धि थी।

दुर्गा खोटे को कई पुरस्कारों और सम्मानों से नवाजा गया। 1942 और 1943 में उन्हें बंगाल फिल्म जर्नलिस्ट एसोसिएशन (बीएफजेए) द्वारा बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला। 1958 में संगीत नाटक अकादमी अवॉर्ड, 1968 में पद्मश्री और 1983 में दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड से उन्हें सम्मानित किया गया। खास बात यह है कि दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड जीतने वाली चौथी महिला कलाकार दुर्गा खोटे ही थीं।

जैसे-जैसे उनकी उम्र बढ़ी, दुर्गा खोटे ने मां और दादी के किरदार निभाना शुरू किया। इसके अलावा, उन्होंने शॉर्ट फिल्में, डॉक्यूमेंट्री और धारावाहिकों का निर्माण भी किया। दूरदर्शन के प्रसिद्ध शो 'वागले की दुनिया' का निर्माण भी उन्होंने ही किया। दुर्गा खोटे का निधन 22 सितंबर 1991 को हुआ।

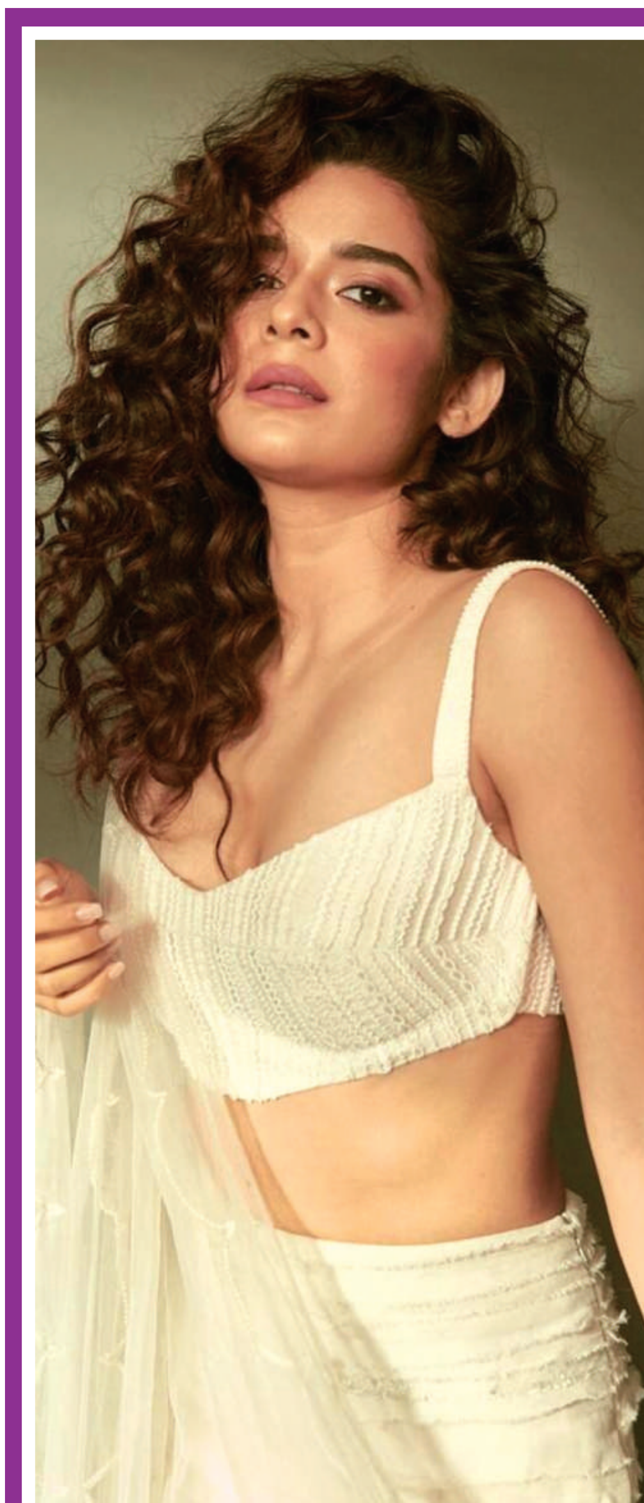

हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस में रूपा का किरदार निभाना रहा मुश्किल: मिथिला पालकर

त्रिभंगा, कारवां और चॉपस्टिक जैसी फिल्मों में काम करने वाली अभिनेत्री मिथिला पालकर के हाथ बड़ा प्रोजेक्ट लगा है। अब मिथिला वीर दास और आमिर खान के साथ काम कर खुद को लकी महसूस कर रही हैं। अभिनेत्री मिथिला पालकर ने आईएएनएस से खास बातचीत में फिल्म से जुड़े अनुभव शेयर किए और ये भी बताया कि आमिर खान के साथ काम करना कैसा लगा। 'हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस' में मिथिला पालकर ने महत्वपूर्ण रोल प्ले किया है। फिल्म को 'हां' करने के सवाल पर अभिनेत्री ने कहा कि न करने का सवाल ही पैदा नहीं होता है क्योंकि ये मेरे करियर की पहली कॉमेडी फिल्म है और फिल्म से इतने बड़े लोग जुड़े हैं, जिन्होंने अपने करियर में कमाल किया है। फिल्म आमिर खान के प्रोडक्शन में बन रही है और मेरे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है।

फिल्म 'हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस' में अपने किरदार पर बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि फिल्म मेरे लिए भी बहुत अलग है। फिल्म में मेरा बोलने का तरीका, चलने का तरीका बिल्कुल अलग है। इस फिल्म के लिए मुझे खुद को अलग नजरिए से परखने का मौका मिला है।फिल्म में मिथिला ने रूपा नाम की बोल्ड और बिंदास लड़की का रोल प्ले किया है। सेट पर शूटिंग के समय मिथिला को कई तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ा क्योंकि कॉमेडी उनके लिए नया जॉनर है। उन्होंने कहा कि रूपा का किरदार निभाना मुश्किल रहा क्योंकि रूपा बोल्ड और बिंदास है, उसकी अलग दुनिया है और शूटिंग के दौरान अपशब्दों से भरे वाले डायलॉग्स मुश्किल रहे। सबसे ज्यादा मुश्किल था वीर को थप्पड़ मारना, क्योंकि रूपा एक ऐसा किरदार है जिसके अंदर गिल्ट नहीं है। उन्होंने आगे बताया कि सेट पर वीर को थप्पड़ मारना था और गिल्ट भी महसूस नहीं करना था। चेहरे के एक्सप्रेशन बदलने भी काफी मुश्किल थे क्योंकि सीन कॉमेडी से भरे थे। लेकिन, वीर ने काफी मदद की थी। उन्होंने कहा था कि तुम सब अपनी लाइनों के साथ खेलो, कॉमेडी खुद-बा-खुद आ जाएगी।आमिर खान प्रोडक्शन में बनी फिल्म 'हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस' का ट्रेलर दिसंबर में रिलीज हो चुका है और फिल्म 16 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

सोशल मीडिया का है आज का दौर, किसी भी बात को हल्के में नहीं लिया जा सकता : रश्मि देसाई

आज का समय पूरी तरह डिजिटल हो चुका है। छोटे-बड़े ज्यादातर काम ऑनलाइन हो रहे हैं और सोशल मीडिया हर किसी की जिंदगी में गहराई से शामिल हो गया है। ऐसे में अभिनेत्री रश्मि देसाई का कहना है कि अब कोई भी बात या बयान हल्के में नहीं लिया जा सकता। हर शब्द रिकॉर्ड हो जाता है और सोशल मीडिया पर तेजी से फैल सकता है, जिससे गलतफहमी या विवाद पैदा हो सकता है। रश्मि देसाई ने आईएएनएस से बात की, जिसमें बताया कि आज के दौर में बातचीत करते समय बहुत सावधानी और जिम्मेदारी बरतनी जरूरी है। उन्होंने बताया, जब हर चीज रिकॉर्ड हो रही हो और कैमरे हर पल कैद कर रहे हों, तो खुलकर बात करना बहुत चुनौतीपूर्ण हो जाता है। टॉक शो 'रश्मि के दिल से दिल तक' की होस्ट ने कहा, यह बहुत मुश्किल है क्योंकि आप ऐसे लोगों से बात करते हैं, जिन्होंने अपनी जिंदगी में कई अनुभव झेले हैं। ऐसे में दूसरों के सामने खुलना आसान नहीं होता, खासकर जब कैमरे ऑन हों। एक बार बात निकल गई तो वह जेरॉक्स की तरह फैल जाती है। लोग छोटी-छोटी क्लिप उठा लेते हैं और अपनी मर्जी से उसका मतलब निकालते हैं। कभी-कभी एक बयान को लेकर पूरी बहस छिड़ जाती है और लोग अपनी-अपनी राय बनाने लगते हैं।रश्मि का मानना है कि आज के समय में सच्चाई और संवेदनशीलता के साथ बात करना सबसे बड़ी चुनौती और जरूरत दोनों है। उनका यह शो लोगों को न सिर्फ मनोरंजन देगा, बल्कि जीवन के कठिन मोड़ों पर भी हिम्मत और प्रेरणा प्रदान करेगा। सोशल मीडिया ने हर किसी को आवाज देने का प्लेटफॉर्म दे दिया है। आज की टेक्नोलॉजी और एआई के इस दौर में, दुनिया के किसी भी कोने में बैठा व्यक्ति अपनी राय भारत तक पहुंचा सकता है। ऐसे माहौल में स्पष्ट बातचीत करना बहुत जरूरी हो जाता है।

रश्मि ने बताया कि उनका शो इसी मकसद से बनाया गया है कि लोग दिल से खुलकर बात कर सकें। उन्होंने कहा, हम गेस्ट को सहज महसूस कराना चाहते हैं। हम किसी के दिमाग को कंट्रोल नहीं कर सकते, लेकिन हम उन्हें सुरक्षित और सम्मानजनक माहौल दे सकते हैं। जिंदगी में बदलाव लगातार आते रहते हैं, इन बदलावों को कैसे स्वीकार किया जाए, यह सीख हमारे दर्शकों के लिए भी प्रेरणा बनेगी। हमारा शो इसी पर आधारित है, असली जिंदगी के अनुभव, भावनाएं और उनसे सीखना, ये सबकुछ शो में शामिल है।

हक देख गदगद हुईं सामंथा, यामी की परफॉर्मेंस को बताया शब्दों से परे

यामी गौतम की हालिया रिलीज फिल्म 'हक' को दर्शकों और फिल्मी सितारों की खूब सराहना मिल रही है। फिल्म को मिल रही तारीफों का सिलसिला जारी है। करण जौहर और आलिया भट्ट ने हाल ही में यामी की एक्टिंग की जमकर वाहवाही की। अब अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने भी फिल्म और यामी के परफॉर्मेंस को दिल छू लेने वाला बताया। सामंथा ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर कहा कि हक की कहानी गहरी, संवेदनशील और बिना किसी पूर्वाग्रह के है, जिसे यामी ने इतनी शानदार तरीके से पर्दे पर निभाया है। सामंथा ने यामी गौतम की एक्टिंग की जमकर तारीफ करते हुए यामी की परफॉर्मेंस को शब्दों से परे बताया, उन्होंने लिखा, फिल्म देखते ही मुझे तुरंत यह लिखना पड़ा, क्योंकि मैं नहीं चाहती थी कि जो खूबसूरत एहसास मुझे मिला, वह कहीं खो जाए। सामंथा ने लिखा, ऐसी कहानियां बहुत कम मिलती हैं। इतनी गहरी, इतनी लेयर्ड और पूरी तरह जजमेंट या बायस से मुक्त। और यह और भी खास है जब इन्हें इतने शानदार एक्टर ने जीवंत किया हो। यामी गौतम आपकी परफॉर्मेंस ने मुझे इस तरह प्रभावित किया जिसे मैं पूरी तरह से बता नहीं सकती। मैंने एक साथ सब कुछ महसूस किया – प्यार, गुस्सा, ताकत, कमजोरी, उम्मीद। सामंथा ने निर्देशक के साथ ही पूरे टीम की सराहना की। उन्होंने लिखा, आपकी लिखाई खास छाप छोड़ने में सफल रही। साथ ही उन्होंने निर्देशक को बधाई देते हुए कहा, यह फिल्म सिनेमा की असली ताकत दिखाती है। यह सिनेमा है। यही वजह है कि हम जो करते हैं, करते हैं। यही कारण है कि हम हर उतार-चढ़ाव में यही रास्ता चुनते रहते हैं। हाल ही में करण जौहर ने यामी की तारीफ कहा कि शाजिया बानो की कहानी और उसकी जीत इतनी भावुक थी कि फिल्म खत्म होने पर वह रो पड़े और कुछ देर बोल नहीं पाए। उन्होंने जोर-जोर से तालियां बजाईं और अफसोस जताया कि सिनेमाघर में फिल्म नहीं देख पाए। करण ने कहा कि सालों बाद किसी ने उन्हें इतना प्रभावित किया। यामी का अभिनय सिर्फ शानदार नहीं, बल्कि असाधारण है।वहीं, आलिया भट्ट ने यामी गौतम की फिल्म 'हक' की जमकर तारीफ की। उन्होंने यामी को 'क्वीन' कहते हुए लिखा कि यह उनकी अब तक की सबसे शानदार परफॉर्मेंस है।

आज मकर संक्रांति

मकर संक्रांति पर बन रहा सर्वार्थ सिद्धि और अमृत सिद्धि योग का संयोग

हिंदू धर्म में मकर संक्रांति पर्व का विशेष महत्व है। जब सूर्य धनु राशि से निकलकर मकर राशि में प्रवेश करते हैं, तब मकर संक्रांति मनाई जाती है। नए साल का सबसे पहला पर्व मकर संक्रांति होता है। मकर संक्रांति हिंदू धर्म का प्रमुख त्योहार माना जाता है। इस दिन सूर्यदेव धनु राशि से निकलकर मकर में प्रवेश कर जाते हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि ग्रहों के राजा सूर्य 14 जनवरी को दोपहर में 3:13 मिनट पर मकर राशि में गोचर करेंगे। ऐसे में मकर संक्रांति 14 जनवरी 2026 को मनाई जाएगी। इस दिन महापुण्य काल दोपहर 3:13 मिनट से शाम 4:58 मिनट तक रहेगा। मकर संक्रांति का महा पुण्य काल 1 घंटा 45 मिनट का होगा। भारत के अलग-अलग राज्यों में मकर संक्रांति को विभिन्न नामों से जाना जाता है। मकर संक्रांति को गुजरात में उत्तरायण, पूर्वी उत्तर प्रदेश में खिचड़ी और दक्षिण भारत में इस दिन को पोंगल के रूप में मनाया जाता है। मकर संक्रांति का पर्व सूर्य के राशि परिवर्तन के मौके पर मनाया जाता है। धनुर्मास की संक्रांति समाप्त होते ही मकर राशि में सूर्य प्रवेश करते हैं, अलग-अलग प्रकारों से शास्त्रीय महत्व वाले दान पुण्य का अनुक्रम आरंभ हो जाता है। मकर संक्रांति के त्योहार को बड़े ही उत्साह के साथ पूरे देश में अलग-अलग नाम से मनाया जाता है। शास्त्रों के अनुसार जब सूर्य धनु राशि की अपनी यात्रा को समाप्त करते हुए मकर राशि में प्रवेश करते हैं तब मकर संक्रांति का त्योहार मनाया जाता है। इस दिन से सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण में आ जाते हैं। उत्तरायण को देवता का दिन कहा जाता है। मकर संक्रांति के साथ खरमास समाप्त हो जाता है और शुभ कार्यों की शुरुआत होती है।

इस बार मकर संक्रांति का त्योहार 14 जनवरी को मनाया जा रहा है। इस वर्ष मकर संक्रांति पर खास तरह के शुभ संयोग बन रहे हैं। शुभ संयोग होने से मकर संक्रांति पर दान, स्नान और जप करने का महत्व बढ़ जाता है। मकर संक्रांति के बाद ही सूर्य उत्तरायण हो जाता है। इस वजह से ठंड असर कम होना शुरू हो जाएगा और धीरे-धीरे गर्मी बढ़ने लगेगी। मकर संक्रांति पर तिल और गुड़ का सेवन खासतौर पर किया जाता है। मान्यता है कि मकर संक्रांति पर की गई सूर्य पूजा अक्षय पुण्य के साथ ही स्वास्थ्य लाभ भी मिलते हैं। मकर संक्रांति पर किसी पवित्र नदी में स्नान करने का विशेष महत्व है। नदी में स्नान करने के बाद सूर्य को अर्घ्य अर्पित करना चाहिए। नदी किनारे ही जरूरतमंद लोगों को धन, अनाज और तिल-गुड़ का दान करें। किसी गौशाला में हरी घास और गायों की देखभाल के लिए धन का दान करें। अभी ठंड का समय है तो जरूरतमंद लोगों को ऊनी वस्त्र या कंबल का दान जरूर करें।

भारत के अलग-अलग राज्यों में मकर संक्रांति को विभिन्न नामों से जाना जाता है। मकर संक्रांति को गुजरात में उत्तरायण, पूर्वी उत्तर प्रदेश में खिचड़ी और दक्षिण भारत में इस दिन को पोंगल के रूप में मनाया जाता है। मकर संक्रांति का पर्व सूर्य के राशि परिवर्तन के मौके पर मनाया जाता है। धनुर्मास की संक्रांति समाप्त होते ही मकर राशि में सूर्य प्रवेश करते हैं, अलग-अलग प्रकारों से शास्त्रीय महत्व वाले दान पुण्य का अनुक्रम आरंभ हो जाता है। मकर संक्रांति महापर्व काल के दौरान चावल, मूंग की दाल, काली तिल्ली, गुड, ताम्र कलश, स्वर्ण का दाना, ऊनी वस्त्र आदि का दान करने से सूर्य की अनुकूलता पितरों की कृपा भगवान नारायण की कृपा साथ ही महालक्ष्मी की प्रसन्नता देने वाला सुकर्मा योग भी सहयोग करेगा, क्योंकि ऐसी मान्यता है कि इन योगों में संबंधित वस्तुओं का दान पितरों को तृप्त करता है जन्म कुंडली के नकारात्मक प्रभाव को भी दूर करता है और धन-धान्य की वृद्धि करता है।

शुभ संयोग

संक्रांति के दिन दो शुभ योग बनने वाले हैं। इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग सुबह 07:15 बजे से शुरू होगा, जो अगले दिन तड़के 03:03 बजे तक रहेगा। वहीं, अमृत सिद्धि योग भी सुबह 07:15 बजे से 15 जनवरी को सुबह 03:03 बजे तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग में किया गया स्नान और दान पुण्य फलदायी होगा।

मकर संक्रांति शुभ मुहूर्त

मकर संक्रांति का पुण्य काल 2 घंटे 32 मिनट तक रहेगा। उस दिन पुण्य काल दोपहर में 3:13 मिनट पर शुरू होगा और शाम को 5:45 मिनट तक मान्य होगा। मकर संक्रांति के दिन स्नान और दान का बहुत महत्व माना जाता है। इस दिन ब्रह्म मुहूर्त प्रातःकाल में 05:27 बजे से 06:21 बजे तक है। मकर संक्रांति पर महा पुण्य काल में स्नान करना शुभ माना जाता है।

मकर संक्रांति पूजा विधि

मकर संक्रांति के दिन सुबह जल्दी उठकर किसी पवित्र नदी में जाकर स्नान करें। फिर इसके बाद साफ वस्त्र पहनकर तांबे के लोटे में पानी भर लें और उसमें काला तिल, गुड़ का छोटा सा टुकड़ा और गंगाजल लेकर सूर्यदेव के मंत्रों का जाप करते हुए अर्घ्य दें। इस दिन सूर्यदेव को अर्घ्य देने के साथ ही शनिदेव को भी जल अर्पित करें। इसके बाद गरीबों को तिल और खिचड़ी का दान करें।

मकर संक्रांति के दिन करें ये उपाय

मकर संक्रांति के दिन पानी में काली तिल और गंगाजल मिला कर स्नान करें। इससे सूर्य की कृपा होती है और कुंडली के ग्रह दोष दूर होते हैं। ऐसा करने से सूर्य और शनि दोनों की कृपा मिलती है, क्योंकि इस दिन सूर्य अपने पुत्र शनि के घर मकर में प्रवेश करते हैं। ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार, मकर संक्रांति के दिन सूर्य देव को अर्घ्य देना बेहद शुभ होता है। इस दिन तांबे के लोटे में जल लेकर उसमें काला तिल, गुड़, लाल चंदन, लाल पुष्प, अक्षत आदि डालें और फिर 'ॐ सूर्याय नमः' मंत्र का जाप करते हुए सूर्य को अर्घ्य दें। मकर संक्रांति पर तिल और गुड़ का सेवन खासतौर पर किया जाता है। मान्यता है कि मकर संक्रांति पर की गई सूर्य पूजा अक्षय पुण्य के साथ ही स्वास्थ्य लाभ भी मिलते हैं। मकर संक्रांति पर किसी पवित्र नदी में स्नान करने का विशेष महत्व है। नदी में स्नान करने के बाद सूर्य को अर्घ्य अर्पित करना चाहिए। नदी किनारे ही जरूरतमंद लोगों को धन, अनाज और तिल-गुड़ का दान करें। किसी गौशाला में हरी घास और गायों की देखभाल के लिए धन का दान करें। अभी ठंड का समय है तो जरूरतमंद लोगों को ऊनी वस्त्र या कंबल का दान जरूर करें।

खिचड़ी के फायदे

मकर संक्रांति के दिन प्रसाद के रूप में खाए जाने वाली खिचड़ी सेहत के लिए काफी फायदेमंद होती है। खिचड़ी से पाचन क्रिया सुचारु रूप से चलने लगती है। इसके अलावा आगर खिचड़ी मटर और अदरक मिलाकर बनाएं तो शरीर के लिए काफी फायदेमंद होता है। यह शरीर के अंदर रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाती है साथ ही बैक्टिरिया से भी लड़ने में मदद करती है।

मकर संक्रांति से बदलता है वातावरण

मकर संक्रांति के बाद नदियों में वाष्पन की प्रक्रिया शुरू हो जाती है, जिससे कई सारी शरीर के अंदर की बीमारियां दूर हो जाती हैं। इस मौसम में तिल और गुड़ खाना काफी फायदेमंद होता है। यह शरीर को गर्म रखता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि उत्तारायण में सूर्य के ताप शीत को कम करता है।

मकर संक्रांति का महत्व

मकर संक्रांति के दिन गंगा और यमुना जैसी पवित्र नदियों में स्नान और दान करने से व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है। मकर संक्रांति पर्व के दिन तिल-गुड़ और खिचड़ी खाना शुभ होता है। देश के कुछ राज्यों में यह भी मान्यता है कि चावल, दाल और खिचड़ी का दान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। मकर संक्रांति के दिन सूर्य देव की पूजा करना भी बहुत फलदायी माना जाता है। महाभारत युद्ध में भीष्म पितामह ने भी प्राण त्यागने के लिए इस समय अर्थात सूर्य के उत्तरायण होने तक प्रतीक्षा की थी। सूर्योदय के बाद खिचड़ी आदि बनाकर तिल के गुड़वाले लड्डू प्रथम सूर्यनारायण को अर्पित करना चाहिए बाद में दानादि करना चाहिए। अपने नहाने के जल में तिल डालने चाहिए। ओम नमो भगवते सूर्याय नमः या ओम सूर्याय नमः का जाप करें। माघ माहात्म्य का पाठ भी कल्याणकारी है। सूर्य उपासना कल्याण कारी होती है। इस दिन सूर्य को जल अवश्य अर्पित करना चाहिए।

मकर संक्रांति पर दान

तिल और गुड़

तिल शुद्धि का प्रतीक है। तिल का दान करने से स्वास्थ्य लाभ और शांति मिलती है। इस दिन कई लोग तिल और गुड़ के बने लड्डू भी दान करते हैं। मकर संक्रांति पर तिल-गुड़ के दान से कुंडली में शनि और सूर्य दोष का निवारण होता है। गुड़ का दान मधुरता और सकारात्मकता लाता है। मकर संक्रांति पर गुड़ दान करना आपके जन्म कुण्डली में सूर्य की स्थिति मजबूत करता है।

अनाज और खिचड़ी

चावल, गेहूँ, दाल और बाजरा जैसे अन्न का दान करना शुभ माना जाता है। गरीबों और जरूरतमंदों को अन्न दान करने से धन-धान्य की वृद्धि होती है। मकर संक्रांति पर खिचड़ी का दान करना शुभ माना गया है। इस दिन काला उड़द का दान भी धन-धान्य बढ़ाता है।

कंबल और वस्त्र

ठंड के मौसम को ध्यान में रखते हुए कंबल, गर्म वस्त्र और ऊनी कपड़ों का दान अत्यंत पुण्यदायक है। विशेषकर गरीब और जरूरतमंद लोगों को वस्त्र दान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। अन्न और वस्त्र का दान समृद्धि और खुशहाली लाता है।

धातु के पात्र

सोना, चाँदी, तांबे के पात्र या बर्तन दान करना शुभ माना जाता है। यह व्यक्ति की समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाता है।

गाय और गौदान

गाय का दान (गौदान) हिंदू धर्म में सर्वोच्च पुण्य कर्म माना गया है। यदि गाय का दान संभव न हो, तो गौशाला में चारा या धन दान कर सकते हैं।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

पुण्यतिथी पर विशेष

जीवन चरित्र

श्री बाबा जयरामदासजी महाराज

14 जनवरी 2026श्री 1008 अनन्त विभूषित, ब्रह्मलीन, परम सिद्ध परमहंस श्री बाबा जयरामदास महाराज का हरियाणा में स्थित पाली जिला महेन्द्रगढ़ क्षेत्र में विक्रम संवत् 1919 तिथी शरद पूर्णिमा के शुभ दिन किसान ठाकुर श्याजी सिंह के घर अवतरण हुआ।बाबा ने जीवन पर्यन्त पीपल के पेड़ के नीचे खटिया पर निवास किया। गांव के पास दोहन बरसाती नदी बहती है। गांव के पास दोहन बरसाती नदी बहती है। महंतो, ब्राह्मणों द्वारा निर्मित जोहड (नदी) एवं पास में विशाल पीपल का वृक्ष तथा आसपास कई अन्य पेड़ो के झुरमुट है। जोहड़ (नदी) की पाल के पास बाबा श्री जयरामदास जी के निर्वाण के पश्चात एक भक्त द्वारा मंदिर का निर्माण करवाया गया। अ यहां पर श्रद्धालुओं की असीम भीड़ होती है। श्रद्धालुओं द्वारा यहां सभी सुविधाओं युक्त कई धर्मशालाओं का निर्माण करवाया गया है। मंदिर में बाबा की संगमरमर की एक भव्य मूर्ती स्थापित है। बाबा की मूर्ती सभी दर्शनार्थियों को मंत्रमुग्ध करती है। लगभग 300-400 भक्त सदा बाबा के दर्शनार्थ आते हैं। इस मंदिर में बाबा का सुंदर पलंग मोर पंख से सुशोभायमान है। यहां श्रद्धालु अपना माथा टेक कर बाबा की कृपा से अपने मनोरथ पूर्ण कर वापस जाते हैं। मंदिर भी आभा भी आध्यात्मिक चेतना का आभास करवाती है।बाबा यह विशाल मंदिर सभी का मन मोह लेता है। एक बार आया हुआ श्रद्धालु बार-बार आने की कामना करता हुआ ही लौटता है।

बाबा रामचन्द्र दास महाराज ने बाबा जयरामदास महाराज के परम सेवक रहने का सौभाग्य पाया है। सर्व प्रथम महाराजजी के भंडारे का आयोजन उन्ही के कर कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ।एक र एक असहाय व्यक्ति बाबा के चरणों पर गिरकर प्राथना करनेलगा बाबा मैं अत्यन्त गरी हूं, घर में खाने के लिए एवं पहनने के लिए कुछ भी नहीं है। कृपा कीजिए। बाबा तुनक उठे एवं बोले का सासुका नाज (अनाज) में दबकर मरेगा। कहते है कि कुछ समय बाद वह असहाय व्यक्ति धनवान हो गया।बाबा के वरदान से कई भक्तों को पुत्र रत्न भी प्राप्ति हुई एवं कई भक्तों के असाध्य कष्टों का भी निवारण हुआ।बाबा की कोई भाषा नहीं थी। उनकी भाषा को समझना कोई आसान काम नहीं था। जो कुछ कहते श्रद्धालु उसे आशीर्वाद स्वरूप ग्रहण करते एवं उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती थी।बाबा को कोई भी सज्जन कुछ भेंट करके आते, बाबा उसे गृहण नहीं करते थे।

एक बार बाबा हरियाणा की कड़कती ठण्ड में विश्राम कर रहे थे। एक भक्त ने नई रजाई उढ़ाई एवं आगे चला गया। बाबा प्रातः उठे एवं रजाई को छोड़कर बाबा भी चले गए। कई बार ऐसी घटनाएं हुईं।एक समय आया जब ा बा ने अपनी लीला को समेटना प्रारम्भ कर दिया । अ बाबा अपने भौतिक शरीर को पंचतत्व में लीन करवाना चाहते थे, उस समय सूर्यनारायण भगवान उत्तरायण में आ गए थे। बाबा ने इसे अपना अनुकूल समय पाया एवं माघ कृष्ण एकादशी विक्रम संवत् 1999 के शुभ दिन बाबा का पंच भौतिक शरीर पंचतत्व में विलीन हो गया।उस दिन से आज तक पाली ग्राम में उनकी पुण्यतिथि माघ कृष्ण एकादशी के दिन, हर वर्ष बाबा कीसमाधी पर एक भव्य मेले का आयोजन होता है। लाखों की संख्या में भक्त बाबा को श्रद्धा सुमन भेंटकरने देश विदेश से आते हैं एवं बाबा का आशीर्वाद लेकर अपनी मनोकामनाएं पूर्ण कर धन्य-धन्य हो जाते हैं। इसी स्थान पर जगह जगह काफ़ी भण्डारे (प्रसाद) भी होते हैं।पाली ग्राम इस समय सांक्रात गांव बन गया है। महेन्द्रगढ़ (हरियाणा) से आठ किमी दूर नारनौल - दादरी मुख्य राज्य पथ पर है। हरियाणा राज्य परिवहन की बसें रात दिन सेवारत है। अन्य वाहनों की भी अत्यन्त सुविधा है।

- महावीर प्रसाद शर्मा
11-1-941 सीतारामबाग, हैदराबाद,
फोन : 9398784163

आज दो शुभ संयोग में रखा जाएगा षट्तिला एकादशी व्रत

षट्तिला एकादशी माघ महीने के कृष्ण पक्ष की एकादशी को कहते हैं। इस दिन भक्त छह तरीकों से तिल का उपयोग करके भगवान विष्णु की पूजा करते हैं। षट्तिला का अर्थ ही छह तिल है। इसलिए इस एकादशी का नाम षट्तिला एकादशी पड़ा। इस व्रत में तिल का विशेष महत्व है। माघ माह में आने वाली षटतिला एकादशी का खास महत्व है। षटतिला एकादशी के दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा करने से व्यक्ति की हर मनोकामना पूरी होती है और उसे जीवन में वैभव प्राप्त होता है। इसके साथ ही षटतिला एकादशी का व्रत करने से सुख-सौभाग्य, धन-धान्य में वृद्धि होती है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्य एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि षट्तिला एकादशी माघ महीने में पड़ती है और इस साल यह तिथि 14 जनवरी की है। इस दिन विशेष योग जैसे सर्वार्थ सिद्धि और अमृत सिद्धि योग बन रहे हैं। इन योगों में पूजा करने से साधक को दोगुना पुण्य प्राप्त होता है और व्रत का फल अत्यंत शुभ माना जाता है। इस दिन षट्तिला एकादशी का व्रत रखा जाएगा और भगवान विष्णु की विधि विधान से पूजा की जाएगी। षटतिला एकादशी के दिन भक्त छह प्रकार से तिल का उपयोग करते हैं - तिल से स्नान, तिल से तर्पण, तिल का दान, तिल युक्त भोजन, तिल से हवन और तिल मिश्रित जल का सेवन। यह व्रत भगवान विष्णु को प्रसन्न करने और मोक्ष की प्राप्ति के लिए किया जाता है।

हिंदू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार एकादशी तिथि भगवान विष्णु को बेहद प्रिय है। पौराणिक मान्यता के अनुसार इस व्रत की महिमा स्वयं श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर को बताई थी। एकादशी व्रत के प्रभाव से जातक को मोक्ष मिलता है और सभी कार्य सिद्ध हो जाते हैं, दरिद्रता दूर होती है। अकाल मृत्यु का भय नहीं सताता, शत्रुओं का नाश होता है, धन, ऐश्वर्य, कीर्ति, पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता रहता है। एकादशी का व्रत सभी व्रतों में सर्वोच्च माना गया है। ऐसा कहा जाता है कि इस व्रत को करने से व्यक्ति जन्म मरण के बंधन से मुक्त हो जाता है और उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है। साथ ही उसे सभी पापों से मुक्ति मिलती है। एकादशी का व्रत करने से व्यक्ति को पापों से मुक्ति मिलती है और पुण्य की प्राप्ति होती है। जो व्यक्ति सच्ची श्रद्धा और भक्ति से इस व्रत को करते हैं उसकी सभी परेशानियों से उसे छुटकारा मिलता है। साल भर में आने वाली सभी एकादशियों का फल अलग-अलग मिलता है। सालभर में कुल 24 एकादशी आती हैं। हर महीने एक कृष्ण पक्ष की एकादशी और दूसरी शुक्ल पक्ष की एकादशी आती है। इसी के साथ कुल एकादशी की संख्या सालभर में 24 होती है।

षट्तिला एकादशी की तिथि

वैदिक पंचांग के अनुसार वैदिक पंचांग के अनुसार माघ माह की कृष्ण पक्ष की षटतिला एकादशी 13 जनवरी 2026 को दोपहर 3:16 बजे शुरू होगी और 14 जनवरी 2026 को शाम 5:53 बजे समाप्त होगी। धार्मिक ग्रंथों और उदयातिथि के अनुसार इस एकादशी का व्रत 14 जनवरी को ही किया जाएगा।

सर्वार्थ सिद्धि और अमृत सिद्धि योग

इस दिन विशेष योग जैसे सर्वार्थ सिद्धि और अमृत सिद्धि योग बन रहे हैं। इन योगों में पूजा करने से साधक को दोगुना पुण्य प्राप्त होता है और व्रत का फल अत्यंत शुभ माना जाता है। इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग सुबह 07:15 बजे से शुरू होगा, जो अगले दिन तड़के 03:03 बजे तक रहेगा। वहीं, अमृत सिद्धि योग भी सुबह 07:15 बजे से 15 जनवरी को सुबह 03:03 बजे तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग में किया गया स्नान और दान पुण्य फलदायी होगा।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्य एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

यज्ञ से भी ज्यादा फल देता है एकादशी व्रत

पुराणों के मुताबिक, एकादशी को हरी वासर यानी भगवान विष्णु का दिन कहा जाता है। विद्वानों का कहना है कि एकादशी व्रत यज्ञ और वैदिक कर्म-कांड से भी ज्यादा फल देता है। पुराणों में कहा गया है कि इस व्रत को करने से मिलने वाले पुण्य से पितरों को संतुष्टि मिलती है। स्कंद पुराण में भी एकादशी व्रत का महत्व बताया गया है। इसको करने से जाने-अनजाने में हुए पाप खत्म हो जाते हैं।

स्कंद पुराण में है एकादशी व्रत का जिक्र

हिन्दी पंचांग में एक वर्ष में कुल 24 एकादशियां आती हैं और जिस साल अधिक मास रहता है, उस साल में कुल 26 एकादशियां हो जाती हैं। स्कंद पुराण के वैष्णव खंड में सालभर की सभी एकादशियों का महत्व बताया गया है। भगवान श्रीकृष्ण ने पांडव पुत्र युधिष्ठिर को एकादशियों के बारे में जानकारी दी थी। जो भक्त एकादशी व्रत करते हैं, उन्हें भगवान श्रीहरि की कृपा मिलती है। नकारात्मक विचार दूर होते हैं। अक्षय पुण्य मिलता है। घर-परिवार में सुख-समृद्धि और शांति बनी रहती है। एकादशी पर भगवान विष्णु के मंत्र ॐ नमो भगवते वासुदेवाय का जप करना चाहिए। भगवान विष्णु के साथ ही देवी लक्ष्मी का भी अभिषेक करें। दोनों देवी-देवता को पीले चमकीले वस्त्र अर्पित करें। फूलों से श्रृंगार करें। तुलसी के पत्तों के साथ मिठाई और मौसमी फलों का भोग लगाएं।

तिल का महत्व

पद्म पुराण के अनुसार, षट्तिला एकादशी पर भगवान विष्णु की पूजा और तिल का भोग महत्वपूर्ण है। इस दिन तिल दान करने से पापों से मुक्ति मिलती है। षट्तिला एकादशी का व्रत रखकर तिलों से स्नान, दान, तर्पण और पूजन किया जाता है। इस दिन तिल का उपयोग स्नान, प्रसाद, भोजन, दान और तर्पण में होता है। तिल के अनेक उपयोगों के कारण ही इसे षट्तिला एकादशी कहते हैं। मान्यता है कि जितने तिल दान करेंगे, उतने ही पापों से मुक्ति मिलेगी। षटतिला एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा करने से सुख, समृद्धि और ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। इस दिन तिल का दान भी अत्यंत शुभ माना जाता है। तिल का दान करने से अक्षय पुण्य मिलता है। षट का अर्थ है छः और तिला का अर्थ है तिल। इस एकादशी में तिल का छः प्रकार से उपयोग किया जाता है-

तिल का स्नान - शरीर और मन को पवित्र करने के लिए।
तिल का उबटन - सौंदर्य और स्वास्थ्य लाभ के लिए।
तिल का हवन - पवित्र आहुति देने से घर में सुख-शांति बनी रहती है।
तिल का तर्पण - पूर्वजों को समर्पित करके पुण्य लाभ।
तिल का भोजन - संतुलित आहार और स्वास्थ्य के लिए।
तिल का दान - गरीबों और जरूरतमंदों को देने से अक्षय पुण्य प्राप्त होता है।

इन सभी क्रियाओं को करने से जीवन में संपन्नता, समृद्धि और स्थायी सुख की प्राप्ति होती है।

षट्तिला एकादशी का महत्व

षट्तिला एकादशी भगवान विष्णु की प्रिय एकादशी तिथियों में से एक मानी जाती है। इसका व्रत रखने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और घर में सुख-समृद्धि आती है। इस व्रत को करने से दरिद्रता और दुखों से मुक्ति मिलती है। यहां तक कि अगर आप व्रत नहीं कर सकते तो सिर्फ कथा सुनने से भी वाजपेय यज्ञ के बराबर पुण्य मिलता है। यह व्रत वाचिक, मानसिक और शारीरिक तीनों तरह के पापों से मुक्ति दिलाता है। इस व्रत का फल कन्यादान, हजारों सालों की तपस्या और यज्ञों के बराबर माना गया है।

एकादशी के दिन इन बातों का रखें ध्यान

एकादशी के दिन चावल खाना वर्जित होता है तो इस दिन चावल से बनी चीजों का भी सेवन न करें। एकादशी के दिन भगवान विष्णु के साथ माता लक्ष्मी की भी पूजा करें। एकादशी के दिन तुलसी को स्पर्श न करें और न ही जल अर्पित करें। एकादशी के दिन वाद-विवाद न करें और न ही किसी के लिए मन में बुरे ख्याल लेकर आएं। एकादशी के दिन तामसिक चीजों से दूर रहें।

पुराणों और स्मृति ग्रंथ में एकादशी व्रत

स्कन्द पुराण में कहा गया है कि हरिवासर यानी एकादशी और द्वादशी व्रत के बिना तपस्या, तीर्थ स्थान या किसी तरह के पुण्याचरण द्वारा मुक्ति नहीं होती। पद्म पुराण का कहना है कि जो व्यक्ति इच्छा या न चाहते हुए भी एकादशी उपवास करता है, वो सभी पापों से मुक्त होकर परम धाम वैकुंठ धाम प्राप्त करता है। कात्यायन स्मृति में जिक्र किया गया है कि आठ साल की उम्र से अस्सी साल तक के सभी स्त्री-पुरुषों के लिए बिना किसी भेद के एकादशी में उपवास करना कर्तव्य है। महाभारत में श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर को सभी पापों और दोषों से बचने के लिए 24 एकादशियों के नाम और उनका महत्व बताया है।

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दें

संपादकीय

हिंदू मानस की राजनीति

देश के शहर-शहर हिंदू सम्मेलन आयोजित किए गए। उनसे पहले हिंदुओं की प्रभात फेरियां गलियों से गुजरी। आजादी के लंबे 74 सालों के बाद सोमनाथ का संघर्ष, गर्व, गौरव और सनातन का स्वाभिमान भी याद आ गया। सोमनाथ मंदिर ही नहीं, आराध्य महादेव का प्रथम ज्योतिर्लिंग भी है। वहां किसी आयोजन पर किसी को भी आपत्ति नहीं है। बीते 11 साल से अधिक समय से मोदी देश के पीएम हैं। अभी याद क्यों आया कि सोमनाथ का भी कोई स्वाभिमान है। उसके विध्वंस और पुनर्निर्माण का इतिहास 1000 साल पुराना है। देश के प्रथम पीएम की सोच और धर्मनिरपेक्ष राजनीति क्या थी, आज वह बिल्कुल बेमानी और अप्रासंगिक है। फिर पीएम मोदी ने सोमनाथ की आड़ में हिंदुओं की एकजुटता और तुष्टिकरण का मुद्दा उछाल कर हिंदुओं को एक होने का आह्वान क्यों किया। पीएम चुनावों में भी यह मुद्दा उठाते रहे हैं। बीजेपी को फायदा भी मिलता है। क्या मान लिया जाए कि पीएम ने सोमनाथ के बहाने देश का मानस बदलने की राजनीति की है। उनका लक्ष्य है कि 2047 को विकसित हिंदू राष्ट्र घोषित किया जा सके। संविधान और दस्तावेज में बदलाव बाद में भी किया जा सकता है। प्रधानमंत्री ही नहीं, सरसंघचालक मोहन भागवत ने भी हिंदू एकजुटता का आह्वान किया है। उन्होंने यह भी विश्वास जताया है कि यदि हिंदू एक हो गए, तो आगामी 20-30 सालों में भारत को विश्व गुरु बनने से कोई रोक नहीं सकता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर 'बंटेंगे तो कटेंगे' का नारा उछाला और हिंदू एकजुटता की बात कही। गली-गली, शहर-शहर जो सम्मेलन किए गए हैं, उनमें भी 'हिंदू एक' की हुंकार गूंजती रही। हम स्पष्ट कर दें कि हमारा हिंदुत्व से कोई विरोध नहीं है। बेशक भारत में करीब 80 फीसदी हिंदू आबादी है, लेकिन यह 'हिंदू राष्ट्र' नहीं है। भारत में मुसलमान, सिख, ईसाई, पारसी, यहूदी, जैन, बौद्ध सरीखे अन्य समुदाय भी हैं। बेशक इनमें से कुछ समुदाय मानसिक तौर पर खुद को हिंदू मानते और घोषित करते हैं, लेकिन वे हिंदू नहीं हैं। विविधता ही भारत की खूबसूरती है। संघ परिवार को संविधान की नहीं, मानस की चिंता है। यदि सत्ता और संसद में भाजपा की शक्ति बरकरार रही, तो संविधान में कभी भी संशोधन किया जा सकता है, लेकिन हमें यह आसान नहीं लगता। देश के एक और विभाजन का खतरा या संभावनाएं भी मौजूद नहीं हैं, लेकिन देश में आज भी गंभीर समस्याएं हैं जो चिंतित करती हैं। बेशक हम विश्व में चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं, लेकिन प्रति व्यक्ति आय के संदर्भ में भारत 216 देशों की सूची में 140 वें स्थान पर है। हमारी प्रति व्यक्ति आय 2.65 लाख रुपए ही है। जिस जापान को हमने पछाड़ा है, उसकी यह आय करीब 30 लाख रुपए है। देश पर 225 लाख रुपए का कर्ज है। बेरोजगारी की दर करीब 7 फीसदी है। जिस इंटर्नशिप योजना की घोषणा बजट में गाजे बाजे के साथ की गई थी, उसका भद्दा सच यह है कि सिर्फ 95 युवाओं को ही ऑफर लेटर दिए गए हैं। 6618 युवाओं ने बीच में ही इंटर्नशिप छोड़ दी। यदि सामाजिक स्तर पर देखें, तो देश में 70 फीसदी से ज्यादा लोग विषाक्त पानी पीने को विवश हैं। ऐसी कई समस्याएं हैं, जो हिंदू-मुसलमान करने से हल नहीं होंगी। बेशक राष्ट्र और धर्म अपनी-अपनी जगह महत्वपूर्ण हैं, लेकिन एक राजनीतिक और वैचारिक अभियान के लिए कमोबेश देश की एकता, अखंडता, धर्मनिरपेक्षता की बलि नहीं दी जा सकती। देश में कई खामियां हैं, जिन्हें अर्थव्यवस्था की आड़ में छुपाया नहीं जा सकता। यकीनन अर्थव्यवस्था का विस्तार हमारी अभूतपूर्व सफलता और उपलब्धि है, लेकिन आज भी हम शिक्षा और स्वास्थ्य पर बजट का उतना हिस्सा खर्च नहीं कर पाते, जितना अपेक्षित है। लिहाजा स्कूल और अस्पतालों में जर्जर हालात हैं।

आजादी के लंबे 74 सालों के बाद सोमनाथ का संघर्ष, गर्व, गौरव और सनातन का स्वाभिमान भी याद आ गया। सोमनाथ मंदिर ही नहीं, आराध्य महादेव का प्रथम ज्योतिर्लिंग भी है। वहां किसी आयोजन पर किसी को भी आपत्ति नहीं है। बीते 11 साल से अधिक समय से मोदी देश के पीएम हैं। अभी याद क्यों आया कि सोमनाथ का भी कोई स्वाभिमान है। उसके विध्वंस और पुनर्निर्माण का इतिहास 1000 साल पुराना है। देश के प्रथम पीएम की सोच और धर्मनिरपेक्ष राजनीति क्या थी, आज वह बिल्कुल बेमानी और अप्रासंगिक है। फिर पीएम मोदी ने सोमनाथ की आड़ में हिंदुओं की एकजुटता और तुष्टिकरण का मुद्दा उछाल कर हिंदुओं को एक होने का आह्वान क्यों किया। पीएम चुनावों में भी यह मुद्दा उठाते रहे हैं। बीजेपी को फायदा भी मिलता है। क्या मान लिया जाए कि पीएम ने सोमनाथ के बहाने देश का मानस बदलने की राजनीति की है। उनका लक्ष्य है कि 2047 को विकसित हिंदू राष्ट्र घोषित किया जा सके। संविधान और दस्तावेज में बदलाव बाद में भी किया जा सकता है। प्रधानमंत्री ही नहीं, सरसंघचालक मोहन भागवत ने भी हिंदू एकजुटता का आह्वान किया है। उन्होंने यह भी विश्वास जताया है कि यदि हिंदू एक हो गए, तो आगामी 20-30 सालों में भारत को विश्व गुरु बनने से कोई रोक नहीं सकता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर 'बंटेंगे तो कटेंगे' का नारा उछाला और हिंदू एकजुटता की बात कही। गली-गली, शहर-शहर जो सम्मेलन किए गए हैं, उनमें भी 'हिंदू एक' की हुंकार गूंजती रही। हम स्पष्ट कर दें कि हमारा हिंदुत्व से कोई विरोध नहीं है। बेशक भारत में करीब 80 फीसदी हिंदू आबादी है, लेकिन यह 'हिंदू राष्ट्र' नहीं है।

कुछ अलग

आई क्यू बम बनाम घंटा

विश्व गुरू में आजकल कॉमन सेंस की बजाय धर्मकांड का डंका, क्षमा करें घंटा बज रहा है। धर्म की अफीम चाट कर देश के स्वर्णिम अतीत में खोई जनता अपने नेताओं की आईक्यू (बुद्धि लब्धि) पर बलिहारी है और आईंस्टीन सरीखी आईक्यू से लबरेज नेता समस्याओं के निराकरण के नाम पर जनता को घंटा दिखा रहे हैं। लोग सवाल पूछना भूल चुके हैं। कभी एक दुर्घटना पर मोमबत्ती जुलूस निकालने वाले संगठन, नेताओं की उच्चतम आईक्यू के जलते दीपक के प्रकाश में मोमबत्तियां ढूंढ रहे हैं। सत्ता के हाथों धन के अखाड़े में धोबीपाट से चित्त पत्रकारिता, तर्क और तथ्य को फटके लगाते हुए फटकारिता में बदल चुकी है। भूख हर युग का सत्य है- भूखे पेट न होय भजन गोपाला। पत्रकारिता भी उसी समाज से आती है जिससे सर्वोच्च आईक्यू, राष्ट्रभक्ति और संवेदनशीलता से अंतरतम तक कूट-कूट कर भरे नेता, कानूनदान, अफसर और छद्म बुद्धिजीवी आते हैं। सो वाया फटकारिता, घंटकारिता में बदल चुकी पत्रकारिता अब चौबीस गुणा सात सत्ता चालीसा के घंटे बजाने में व्यस्त है। जनहित और देशहित के उठते समसामयिक प्रश्न और ट्रंप द्वारा दिन-रात बजाये जा रहे विश्व गुरू की बेइज्जती के भोंपू की आवाज सत्ता चालीसा के घंटों की इसी आवाज में खोकर रह गई है। घंटा युग में भी अपनी रीढ़ बचा कर रखने वाले पत्रकार अनुराग द्वारी ने, ट्रिपल एंजिन सरकार द्वारा देश के सबसे स्वच्छ घोषित शहर इन्दौर में सीवरेज का पानी पीने से करीब दो दर्जन से अधिक लोगों के मरने के बाद जब एक संवेदनशील घंटा मंत्री से घटना से जुड़ा आसान सवाल पूछा तो वह घंटा दिखाते हुए आगे निकल लिए।

पिछली सदी के अस्सी के दशक में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के प्रमुख देंग झिआओपिंग ने आर्थिक खुलेपन की नींव रखी

चीन से क्या हम भाषायी बोध सीख सकते हैं

उमेश चतुर्वेदी

भारत और चीन के सितंबर महीने के भाषायी उत्साह में एक अंतर रहेगा, राष्ट्रभाषा बनाने की आस में हिंदी के राजभाषा ओहदे को याद किया जाएगा, जबकि चीन अपनी मंदारिन भाषा को बाकायदा राष्ट्रभाषा के तौर पर और आगे बढ़ाने की ओर अग्रसर होगा। भाषायी चिंतन और व्यवहार को लेकर भारत और चीन को लेकर तकरीबन एक ही सोच है। भारत में एक मानस ऐसा है, जिसे हिंदी की कीमत पर भी पर अंग्रेजी स्वीकार्य है। यह धारा मानती है कि वेगवान आर्थिक विकास की वजह से चीन का भाषायी व्यवहार भी इसी भारतीय मानस की तरह बदल चुका है। बेशक चीन ने अंग्रेजी सीखने-सिखाने की दिशा में भरपूर निवेश किया है। अपनी आर्थिक ताकत के चलते पश्चिम के नामी विश्वविद्यालयों में चीनी सत्ता प्रतिष्ठान अपने लिए अध्ययन पीठ स्थापित कर चुका है। गौर करने की बात है कि उसने यह सब अलग और अतिरिक्त अनुशासन और ज्ञान के साधन के तौर पर किया है, भारत की तरह अपनी भाषा, विशेषकर हिंदी की कीमत पर ऐसा नहीं किया है।

हिंदी के संदर्भ में देखें तो राजभाषा और राष्ट्रभाषा के बीच शाब्दिक ही नहीं, भावात्मक फर्क भी है। फिर भी एक बड़ा वर्ग हिंदी को राष्ट्रभाषा भी मानता है। यही वजह है कि हर साल ग्रेगोरियन कैलेंडर के नौवें महीने की दस्तक के साथ ही, हर सरकारी दफ्तर राजभाषा पखवाड़े या महीने को लेकर उत्साह से भर उठता है। कुछ ऐसा ही पड़ोसी चीन में भी अब होता नजर आ रहा है। अब वहां सितंबर का तीसरा सप्ताह 'राष्ट्रीय सामान्य भाषा और लिपि' को समर्पित होगा। भारत और चीन के सितंबर महीने के भाषायी उत्साह में एक अंतर रहेगा, राष्ट्रभाषा बनाने की आस में हिंदी के राजभाषा ओहदे को याद किया जाएगा, जबकि चीन अपनी मंदारिन भाषा को बाकायदा राष्ट्रभाषा के तौर पर और आगे बढ़ाने की ओर अग्रसर होगा। भाषायी चिंतन और व्यवहार को लेकर भारत और चीन को लेकर तकरीबन एक ही सोच है। भारत में एक मानस ऐसा है, जिसे हिंदी की कीमत पर भी पर अंग्रेजी स्वीकार्य है। यह धारा मानती है कि वेगवान आर्थिक विकास की वजह से चीन का भाषायी व्यवहार भी इसी भारतीय मानस की तरह बदल चुका है। बेशक चीन ने अंग्रेजी सीखने-सिखाने की दिशा में भरपूर निवेश किया है। अपनी आर्थिक ताकत के चलते पश्चिम के नामी विश्वविद्यालयों में चीनी सत्ता प्रतिष्ठान अपने लिए अध्ययन पीठ स्थापित कर चुका है। गौर करने की बात है कि उसने यह सब अलग और अतिरिक्त अनुशासन और ज्ञान के साधन के तौर पर किया है, भारत की तरह अपनी भाषा, विशेषकर हिंदी की कीमत पर ऐसा नहीं किया है। अंग्रेजी का पहला वैश्विक विस्तार ब्रिटिश उपनिवेशीकरण के दौर में हुआ और दूसरी बार उसका प्रसार रीगन-थैचर की जोड़ी के आर्थिक उदारीकरण के बढ़ते कदमों के साथ हुआ। इस संदर्भ में चीन और भारत के भाषायी चिंतन और व्यवहार फर्क साफ नजर आता है। पिछली सदी के अस्सी के दशक में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के प्रमुख देंग झिआओपिंग ने आर्थिक खुलेपन की नींव रखी। यह 1978 का साल था। इसके ठीक दो साल बाद भारत में इंदिरा गांधी की सत्ता में वापसी हुई और उन्होंने भी धीरे-धीरे इंस्पेक्टर राज कम करने की शुरूआत की। उनकी उदारीकरण की सोच को राजीव गांधी ने परवान चढ़ाया। 1991 के आम चुनावों के घोषणा पत्र में कांग्रेस ने पहली बार समाजवादी आर्थिक नीतियों के बरक्स उदारीकरण का वादा किया। तब से अब तक की दोनों देशों की आर्थिक विकास यात्रा को देखें तो अंतर साफ नजर आता है। चीन आज अमेरिका के बाद दुनिया की दूसरी बड़ी आर्थिक महाशक्ति है। उसकी तेज आर्थिक यात्रा के समानांतर अंग्रेजी का विस्तार नहीं दिखता। जबकि भारत में इसके ठीक उलट नजारा दिखता है। उदारीकरण के बरक्स दोनों देशों के भाषायी चिंतन में भी फर्क नजर आता है। यह फर्क ही है कि चीन अब अपनी मंदारिन भाषा और उसकी लिपि को लेकर सितंबर महीने के तीसरे हफ्ते को समर्पित कर रहा है। चीन की सर्वोच्च विधि निर्माता संस्था 'राष्ट्रीय जन प्रतिनिधि सभा' की स्थाई

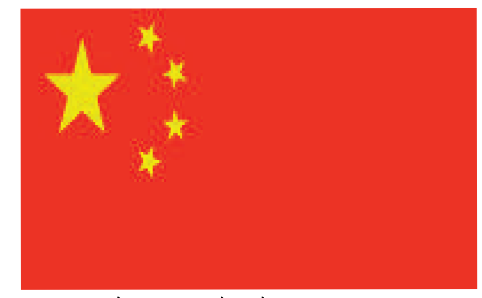

समिति द्वारा बीते 27 दिसंबर को इससे जुड़ा कानून पारित करना इसी सोच का प्रतीक है। इस कानून में हर वर्ष सितंबर के तीसरे सप्ताह को 'राष्ट्रीय सामान्य भाषा और लिपि संवर्धन एवं प्रचार सप्ताह' के रूप में मनाना तय किया गया है। यह कानून पुराने राष्ट्रीय भाषा कानून में संशोधन के बाद आया है। चीन में दो तरह की मंदारिन का प्रयोग होता है, एक लिखित और दूसरी मौखिक। इस कानून में दोनों तरह की भाषाओं का ध्यान रखा गया है। चीन अपनी भाषा और लिपि को अपने राष्ट्र का प्रतीक मानता है। चीन में इन दिनों प्रौद्योगिकी और डिजिटल जगत में लगातार प्रगति हो रही है। यहां ऑडियो-विजुअल प्रोग्रामिंग और गेमिंग भी बढ़ी है। चीन का भाषायी कानून इन सबमें इस्तेमाल होने वाली भाषा के साथ कदमताल करने का प्रयास है। कहा जा सकता है कि चीनी राष्ट्रभाषा और लिपि कानून में यह संशोधन तेजी से विकसित हो रही संचार प्रौद्योगिकियों और ऑनलाइन सामग्री के विस्तार के बीच भाषा के मानकीकरण को मजबूत करने की कोशिश है। इस कानून में साइबरस्पेस प्रशासन को लेकर भी व्यवस्था की गई है। इसके तहत अब ऑनलाइन सांस्कृतिक कार्यक्रमों, वेब सीरीज, ऑनलाइन फिल्मों, ऑनलाइन गेम और अन्य डिजिटल प्रकाशनों में मानक चीनी भाषा यानी मंदारिन और मानकीकृत चीनी अक्षरों को मूल भाषा के रूप में उपयोग करना जरूरी होगा। इसके साथ ही चीन में होने वाली अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों, कॉन्फ्रेंस, इवेंट्स आदि के साइनबोर्ड, लेबल या प्रमोशनल मैटीरियल में विदेशी भाषाओं के साथ ही मानक चीनी भाषा भी शामिल करने पर जोर दिया गया है। इसकी तुलना में भारतीय राष्ट्रभाषा और आधुनिक प्रौद्योगिकी संग उसके तालमेल पर नजर डालें साफ फर्क नजर आता है। भारत अब भी राष्ट्रभाषा से दूर है। हिंदी को राष्ट्रभाषा मानने वाली ताकतों के सुर भी अब धीमे पड़ते जा रहे हैं। लेकिन चीन अपने आर्थिक उदारीकरण के बावजूद अपनी भाषा की ओर लौटता नजर आ रहा है। इसके साथ ही चीन के भाषायी आंकड़ों पर भी नजर डालना जरूरी है। यहां की करीब 80 प्रतिशत से ज़्यादा आबादी मंदारिन बोल सकती है। चीन में करीब 97.33 प्रतिशत लोग साक्षर हैं। इनमें करीब 95 प्रतिशत से ज़्यादा लोग मानक चीनी अक्षरों का प्रयोग करते हैं।

चाइना इंटरनेट नेटवर्क इन्फॉर्मेशन सेंटर की ताजा रिपोर्ट के अनुसार बीते जून तक चीन में एक अरब 12 करोड़ से ज़्यादा इंटरनेट यूज़र थे। इसी रिपोर्ट के अनुसार, चीन में इंटरनेट इस्तेमाल की दर 79.7 प्रतिशत तक पहुँच गई है। भाषायी कानून में इन आंकड़ों के मद्देनजर सरकारी और पब्लिक सर्विस वेबसाइट और मोबाइल एप्लिकेशन के लिए भी सरकारी नियमों और मानकों के अनुसार, राष्ट्रीय मानक भाषा का इस्तेमाल जरूरी हो गया है। इस कानून का लक्ष्य ₹चीनी राष्ट्र के प्रति मजूबत सामुदायिक भावना का विकास ₹और ₹सांस्कृतिक आत्मविश्वास की मज़बूती₹ है। कानून इस बात पर भी ज़ोर देता है कि बोली और लिखी जाने वाली मानक चीनी भाषा के इस्तेमाल का मकसद राष्ट्रीय संप्रभुता, एकता और जातीय एकजुटता बनाना होना चाहिए। यह कानून शिक्षा में भी मानक चीनी भाषा की भूमिका पर ज़ोर देता है। कानून के अनुसार, शिक्षण और पाठ्य सामग्री में मानक मंदारिन ही बुनियादी भाषा होगी। यह भारत की नई शिक्षा नीति जैसा ही है, जिसमें प्राथमिक स्तर पर भारतीय भाषाओं के जरिए शिक्षण पर जोर दिया गया है। इस कानून के तहत संस्कृति, पर्यटन और ट्रांसपोर्ट जैसे सेक्टर में सर्विस देने वाले कर्मचारियों के लिए मानक मंदारिन जानना जरूरी होगा। इस कानून में मानक चीनी सीखने या प्रयोग में बाधा डालने पर सजा का प्रावधान भी है। हालांकि पहले उन्हें इसके लिए आगाह किया जाएगा। यहां ध्यान देने की जरूरत है कि भारत में भाषा को नकारने को लेकर कोई सजा का प्रावधान नहीं है। वैसे इस कानून के दुरूपयोग की चिंता भी जताई जा रही है। चीनी संविधान और जातीय स्वायत्तता व्यवस्था के तहत, स्वायत्त क्षेत्रों मसलन, तिब्बत, शिनजियांग, इनर मंगोलिया, गुआंग्शी, निंग्शिया आदि को क्षेत्रीय स्वायत्तता कानूनों के अनुसार, सरकारी कार्यों, शिक्षा और रोज़मर्रा की ज़िंदगी में राष्ट्रीय भाषा के साथ-साथ एक या अधिक स्थानीय भाषाओं के इस्तेमाल का प्रावधान है। लेकिन शी चिनफिंग के शासन में ये प्रावधान कमज़ोर होते गए हैं। इसका असर तिब्बत में दिखता है, जहां कई सालों से चल रहे मातृभाषा आंदोलन और सांस्कृतिक शिक्षा का दमन किया गया। इसकी वजह से वहां निजी स्कूल बंद कर दिए गए और उनके संस्थापक गिरफ्तार कर लिए गए। तिब्बतियों को आशंका है कि इस कानून के तहत उनके खिलाफ दमन का एक और चक्र शुरू हो सकता है। साल 1994 में फ्रांस ने अपने यहां अंग्रेजी के बिलावजह प्रयोग को कानून के जरिए रोक लगाई थी। अब चीन का अपनी मानक भाषा को स्थापित करने का कानून आया है। यह सब देखते हुए भी भारत की मौजूदा राजनीतिक हालात के मद्देनजर ऐसे कानून का सुझाव देना भी संभव नहीं लगता। लेकिन चीन के इस भाषायी बोध के बहान अपेक्षा तो की ही जा सकती है कि एक दिन भारत में भी ऐसी सोच जरूर विकसित होगी।

देश दुनिया से

राजनीति का शिकार सबसे महत्त्वपूर्ण प्रोजेक्ट

भारत में हाई स्पीड रेल परिवहन की दिशा में 15 अगस्त 2027 एक ऐतिहासिक दिन साबित होने वाला है जब अहमदाबाद-मुंबई हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के सूरत-बिलिमोरा खंड में पहली बार 320 किमी प्रति घंटे की गति से दौडने वाली 'बुलेट ट्रेन' का आवागमन शुरू होगा। इस सुविधा के साथ भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में शामिल हो जाएगा, जहां पर यह सुविधा उपलब्ध होगी। हिमाचल प्रदेश के लिए भी यह वर्ष इसलिए महत्वपूर्ण कहा जा सकता है क्योंकि चिर प्रतीक्षित भानुपल्ली-बिलासपुर-बेरी रेलमार्ग पर भी इसी वर्ष रेल यातायात की शुरुआत होने की संभावना है। देखा जाए तो 68000 किमी रेल ट्रैक के साथ भारत के पास दुनिया का चौथा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है। देश के कुल क्षेत्रफल का 1.7 फीसदी हिस्सा हिमाचल के पास होने के कारण अगर तुलना की जाए तो इस समय तक प्रदेश के पास लगभग 1156 किमी का रेल ट्रैक होना चाहिए था, पर इसे भेदभाव कहें या फिर राजनीतिक इच्छा शक्ति का अभाव कि अभी तक हिमाचल प्रदेश में कुल मिलाकर लगभग 376 किलोमीटर ही रेल ट्रैक है जिसमें 96 किमी की हेरिटेज नैरो गेज लाइन कालका-शिमला और 113 किमी की पठानकोट-जोगिंद्रनगर भी शामिल हैं। इसे प्रदेश के राजनीतिज्ञों की असफलता ही कहा जाएगा कि प्रदेश का सबसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट 16 वर्ष बीत जाने के बाद भी पूरा नहीं हो पा रहा है। केन्द्र सरकार द्वारा हिमाचल प्रदेश में रेल नेटवर्क बढ़ाने की दिशा में वर्ष 2008-09 में 63 किमी भानुपल्ली-बिलासपुर-बेरी नई रेल लाइन परियोजना को लागत-साझेदारी के आधार पर स्वीकृत किया गया था। कुल 6753 करोड़ रुपए से बनने वाली इस रेल लाइन में प्रदेश की 25 फीसदी और केंद्र की हिस्सेदारी 75 प्रतिशत तय की गई थी जिसमें 1617 करोड़ रुपए की भूमि अधिग्रहण लागत भी शामिल थी। इसमें एक शर्त यह भी थी कि 70 करोड़ रुपए से अधिक की भूमि अधिग्रहण की पूरी लागत हिमाचल प्रदेश द्वारा वहन की जाएगी। प्रदेश की वित्तीय स्थिति को देखते हुए यह शर्त आज हिमाचल प्रदेश के लिए गले की फांस बन चुकी है। इस परियोजना के लिए कुल 124 हेक्टेयर जमीन चाहिए जिसमें से 82 हेक्टेयर जमीन प्रदेश सरकार द्वारा उपलब्ध करवाई जा चुकी है। परंतु बिलासपुर से बेरी तक अधिग्रहण प्रक्रिया पूरी न हो पाने के कारण यह जमीन अभी तक प्रदेश सरकार ने रेलवे को नहीं सौंपी है। इस परियोजना पर अब तक कुल व्यय 5252 करोड़ रुपए हो चुका है, जिसमें से 2711 करोड़ रुपए हिमाचल को चुकाने थे, पर हिस्सेदारी के रूप में प्रदेश ने अभी तक केवल 847 करोड़ रुपए ही जमा किए हैं और 1863 करोड़ रुपए का बकाया है जिसे चुकाने में वर्तमान प्रदेश सरकार ने असमर्थता व्यक्त कर दी है जिससे इस परियोजना के वर्ष 2024 में पूरा होने के प्रस्तावित लक्ष्य को वर्ष 2027 में भी पूरा होने को लेकर संशय बना हुआ है। हिमाचल प्रदेश के लिए इस रेल लाइन की उपयोगिता को

हिमाचल प्रदेश के लिए भी यह वर्ष इसलिए महत्वपूर्ण कहा जा सकता है क्योंकि चिर प्रतीक्षित भानुपल्ली-बिलासपुर-बेरी रेलमार्ग पर भी इसी वर्ष रेल यातायात की शुरुआत होने की संभावना है। देखा जाए तो 68000 किमी रेल ट्रैक के साथ भारत के पास दुनिया का चौथा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है। देश के कुल क्षेत्रफल का 1.7 फीसदी हिस्सा हिमाचल के पास होने के कारण अगर तुलना की जाए तो इस समय तक प्रदेश के पास लगभग 1156 किमी का रेल ट्रैक होना चाहिए था, पर इसे भेदभाव कहें या फिर राजनीतिक इच्छा शक्ति का अभाव कि अभी तक हिमाचल प्रदेश में कुल मिलाकर लगभग 376 किलोमीटर ही रेल ट्रैक है जिसमें 96 किमी की हेरिटेज नैरो गेज लाइन कालका-शिमला और 113 किमी की पठानकोट-जोगिंद्रनगर भी शामिल हैं। इसे प्रदेश के राजनीतिज्ञों की असफलता ही कहा जाएगा कि प्रदेश का सबसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट 16 वर्ष बीत जाने के बाद भी पूरा नहीं हो पा रहा है।

इस बात से समझा जा सकता है कि सीमायी जिला ऊना, कांगड़ा और बिलासपुर के कुछ हिस्सों को छोड़ दिया जाए तो शेष हिमाचल के पास कोई भी ब्राडगेज रेल लाईन ही नहीं है। विशेषकर मध्य हिमाचल तो रेल नेटवर्क से कोसों दूर है। इस लाईन के बनने से मध्य हिमाचल तो रेल नेटवर्क से जुड़ेगा ही, साथ में अगले चरण में 13100 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से बनने वाली बेरी-मंडी-मनाली-लेह रेल लाईन के सामरिक महत्व का प्रोजेक्ट घोषित होने के कारण इसके लिए प्रदेश को कोई खर्च भी वहन नहीं करना पड़ेगा और समस्त धनराशि केंद्र सरकार द्वारा ही खर्च की जाएगी। नई रेल लाइन केवल परिवहन का साधन नहीं होगी, बल्कि ये पर्यटन, बागवानी सहित आर्थिक विकास और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के लिए एक शक्तिशाली माध्यम बनने वाली है। इस रेल लाइन के बनने से पहला बड़ा लाभार्थी पर्यटन क्षेत्र तो दूसरा सबसे ज्यादा लाभ बागवानों और सब्जियां उगाने वाले किसानों को होगा। मंडी, कुल्लू, पांगी, लाहौल और स्पीति सहित शिमला के बहुत बड़े हिस्से के लिए अपने उत्पादों को देश भर में पहुंचाने के लिए नजदीक रेल लाइन मिल जाएगी। सस्ती ढुलाई के कारण सीमेंट उद्योग नयी उंचाईयां छुएगा जो रोजगार के साथ प्रदेश की आय सृजन में सहायक सिद्ध होगा। इस परियोजना का लाभ इसके आरंभ होते ही मिलना शुरू हो जाए, इसके लिए सरकार को अभी से तैयारी करनी चाहिए। परियोजना के अगले चरण जिसमें यह रेल लाईन मण्डी और मनाली तक पहुंचेगी, उसे शुरू होने में समय लगेगा। तब तक बेरी ही इस रेल लाइन का मुख्य केंद्र होगा। यहां बेतरतीब निर्माण न हो इसके लिए सरकार को चाहिए कि वह बेरी में उपयुक्त स्थान का अधिग्रहण करके एक बड़ी सब्जी मंडी, पर्यटक केंद्र व आधुनिक बस व टैक्सी स्टैंड आदि आधारभूत ढांचे का निर्माण समय से शुरू करे। इसी के साथ बरमाणा-सुन्नी-लुहरी-रामपुर डबल लेन सडक़ का निर्माण आगामी दो वर्षों के भीतर किया जाए क्योंकि स्पीति, किन्नौर, रामपुर, कोटगढ़, आनी, निरमंड, करसोग जैसे फल उत्पादक क्षेत्रों के लिए सबसे नजदीक रेल लाइन बेरी ही होगी, जिसके चलते वह परवाणू या चंडीगढ़ जाने के बजाय बेरी को प्राथमिकता देंगे। यह कयास लगाए जाते हैं कि इस रेल लाईन के बनने से ट्रक ऑप्रेटरों को नुक्सान उठाना पड़ेगा, पर सच्चाई इसके विपरीत है। सतलुज नदी घाटी चूना पत्थरों से भरी पड़ी है और नए सीमेंट उद्योग ट्रक ऑप्रेटरों की समस्या का उपयुक्त समाधान है। मध्य हिमाचल में रेल लाइन का पहुंचना न केवल एक सपने के पूरा होने जैसा है बल्कि प्रदेश की आर्थिकी को नयी दिशा देने में सक्षम है। ऐसे में प्रदेश सरकार को इस परियोजना को जल्दी पूरा करने के लिए हरसंभव प्रयास करने चाहिए।

आप का नज़रिया

पेट को कब्र न बनाएं

पहाड़ी जीवन शैली के विपरीत भागते हिमाचल ने खुद को चिकित्सा चुनौतियों के नजदीक पहुंचा दिया है। राज्य के बीस लाख लोग अगर मोटापे के शिकार हैं, तो यह अन्न और धन का सही इस्तेमाल तो नहीं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के नतीजे हिमाचल को एक तरह से चेतावनी दे रहे हैं। सर्वेक्षण पर गौर फरमाएं तो प्रदेश की 53 फीसदी महिलाएं अनीमिया की शिकार हैं, तो पांच साल तक के 55.4 प्रतिशत बच्चे भी इसी व्याधि से ग्रस्त हैं। इतना ही नहीं, 13 प्रतिशत हिमाचली डायबिटीज की गिरफ्त में हैं। यानी राष्ट्रीय औसत के पैमानों से बाहर हिमाचल ने अपने रोगों का दायरा बढ़ा लिया है। विचित्र स्थिति तो यह कि हिमाचल के ट्राइबल इलाकों में भी जीवन शैली के विरोधाभास में ऐसे रोग पैदा हो रहे हैं, जो पहले देखे ही नहीं गए। मसलन टांडा मेडिकल कालेज के एक सर्वेक्षण में पाया गया था कि भरमौर जैसे इलाकों में लोग हृदय रोग की बीमारियों से ग्रस्त हो रहे हैं। संभवतः पहाड़ के जीवन और नागरिकों की खुराक का एक संतुलन था, जिसे तरक्की के विभिन्न पहलुओं ने नजरअंदाज कर दिया। दिनचर्या बदल गई, बदल गया सामुदायिक-सामूहिक व्यवहार भी। किराने का बाजार खाने का बाजार हो गया, तो घर का चूल्हा भी बाजार के दोस्ताने में जल गया। हिमाचली क्या खाते थे, इससे इतर अब खाने का व्यापार बढ़ गया। ऑनलाइन आर्डर की खुशबू में घर का डाइनिंग टेबल भी परेशान सा है, क्योंकि मोहल्ले में अब खाना भी मेहमान बन गया। कुछ अर्ज हिमाचल की धाम से भी है, जहां खाते हुए नब्ज बदल रही है। चंबा के राजमाह के मदरे में तैरता देशी घी, बिलासपुर के धुले माह की दाल में घी की डुबकियां और कांगड़ा के तैलिए माह में खाली होते तेल के कनस्तर बता रहे हैं कि धाम को हमने इतना समृद्ध कर दिया कि अब ऐसे आयोजन पूरे शरीर को हिलाते हैं। दिव्य हिमाचल मीडिया समूह ने करीब पंद्रह साल पहले दस व्यक्तियों का शूगर लेबल धाम खाने के पहले और बाद में जांचा था, तो निष्कर्ष यह निकला था कि ऐसा शाही खाना रक्त तक शूगर की मात्रा को चेतावनी के साथ बढ़ा देता है। जाहिर तौर पर हिमाचल में खाने के विकार बढ़ रहे हैं। दीर्घकालीन स्थितियों में गहन स्वास्थ्य देखभाल के बिना मधुमेह, आंत्र सिंड्रोम, कैंसर, गठिया, हृदय रोग और अस्थमा जैसी बीमारियां भी उपज रही हैं। आईसीएमआर गाइडलाइंस के मुताबिक 39 प्रतिशत लोगों में पोषक तत्वों की कमी है। हिमाचल में चाइनीज के नाम पर जो कुछ परोसा जा रहा है, उसमें जहर सरीखे तत्व भी मौजूद हैं। अलग-अलग तरह के सॉल्ट, तेल व फ्रोजन वस्तुओं की बढ़ती मांग ने भी पेट को कब्र बना दिया है। अकेले मोमो के सेवन ने इसे हिमाचल का प्रिय व्यंजन बना दिया है, जबकि फास्ट फूड के ठेलों ने तो सीधे शिक्षण संस्थानों पर आक्रमण कर दिया है। ऐसी खाद्य सामग्री को पचाना अति मुश्किल है। मोमोज की ऊपरी परत पर चढ़ा हुआ मैदा पचने में काफी समय लेता है और इससे कब्ज, गैस, एसिडिटी तथा भारीपन ही महसूस नहीं होता, बल्कि लिवर की प्रणाली में हानिकारक प्रभाव पड़ता है। दरअसल आज की पीढ़ी ने मुख्य भोजन की परिभाषा को तुरत फुरत खाने से जोड़ लिया है। इस तरह जंक फूड की सारी खामियां हिमाचल की खाने की प्लेट पर जमा हो गई हैं। यदा कदा सरकारें कुछ फैसले लेती भी हैं, लेकिन हिमाचल में बच्चों के खानपान पर हो रहे प्रतिकूल प्रभाव को रोकने के लिए चेतना तथा सतर्कता चाहिए। अभी तो हम मोटापे, डायबिटीज तथा खून की कमजोरी तक ही सर्वेक्षण कर रहे हैं। चिकित्सा अनुसंधान की खास परिपाटी से हिमाचल की जीवन शैली, खानपान में आ रहे परिवर्तन तथा सामाजिक जीवन में छा रहे अकेलेपन पर अध्ययन की जरूरत है। प्रदेश ने जिस प्रकार सीबीएसई पाठ्यक्रम से संचालित स्कूल खोल कर शिक्षा को नई दिशा दी है, उसी तरह कुछ अस्पतालों को रोग विशेष के राज्य स्तरीय संस्थान बनाकर चिकित्सा के साथ-साथ जीवन की चुनौतियों, खानपान तथा मानव विकास के साथ बढ़ते दबाव के हल के लिए भी काउंसिलिंग उपलब्ध हो। बीस लाख हिमाचली मोटापे से दूर कैसे हों, यह एक शारीरिक और मानसिक प्रयोग होगा, जो अलग से एक विशिष्ट अस्पताल के दक्ष डाक्टर ही कर पाएंगे।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के नतीजे हिमाचल को एक तरह से चेतावनी दे रहे हैं। सर्वेक्षण पर गौर फरमाएं तो प्रदेश की 53 फीसदी महिलाएं अनीमिया की शिकार हैं, तो पांच साल तक के 55.4 प्रतिशत बच्चे भी इसी व्याधि से ग्रस्त हैं। इतना ही नहीं, 13 प्रतिशत हिमाचली डायबिटीज की गिरफ्त में हैं। यानी राष्ट्रीय औसत के पैमानों से बाहर हिमाचल ने अपने रोगों का दायरा बढ़ा लिया है। विचित्र स्थिति तो यह कि हिमाचल के ट्राइबल इलाकों में भी जीवन शैली के विरोधाभास में ऐसे रोग पैदा हो रहे हैं, जो पहले देखे ही नहीं गए। मसलन टांडा मेडिकल कालेज के एक सर्वेक्षण में पाया गया था कि भरमौर जैसे इलाकों में लोग हृदय रोग की बीमारियों से ग्रस्त हो रहे हैं। संभवत: पहाड़ के जीवन और नागरिकों की खुराक का एक संतुलन था, जिसे तरक्की के विभिन्न पहलुओं ने नजरअंदाज कर दिया। दिनचर्या बदल गई, बदल गया सामुदायिक-सामूहिक व्यवहार भी। किराने का बाजार खाने का बाजार हो गया, तो घर का चूल्हा भी बाजार के दोस्ताने में जल गया। हिमाचली क्या खाते थे, इससे इतर अब खाने का व्यापार बढ़ गया। ऑनलाइन आर्डर की खुशबू में घर का डाइनिंग टेबल भी परेशान सा है, क्योंकि मोहल्ले में अब खाना भी मेहमान बन गया। कुछ अर्ज हिमाचल की धाम से भी है, जहां खाते हुए नब्ज बदल रही है।

दृष्टि कोण

गिरता रुपया और तेज जीडीपी ग्रोथ

1947 में आजादी के बाद से, भारतीय रुपए की अमरीकी डॉलर के मुकाबले धीरे-धीरे कमजोर होने की प्रवृत्ति रही है। 2024 में 3.30 रुपए प्रति अमरीकी डॉलर से गिरता हुआ 2025 के मध्य तक 83.4 रुपए और दिसंबर 2025 तक लगभग 90 रुपए प्रति अमरीकी डॉलर हो गया। रुपए की कमजोरी की रफ्तार दशकों में अलग-अलग रही है, जो घरेलू पॉलिसी और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक हालात दोनों को दिखाती है। शुरुआती सालों (1947-1966) में, ब्रिटिश पाउंड से जुड़े स्थिर विनिमय दर के तहत रुपया लगभग 4.4 फीसदी वार्षिक की दर से गिरा। 1966 और 1976 के बीच, 1966 के अवमूल्यन और कड़े नियमन के बाद अवमूल्यन सालाना 1.8 फीसदी तक धीमा हो गया। 1976-1986 के बीच तेल के झटकों और आर्थिक दबाव की वजह से हर साल 3.5 प्रतिशत की थोड़ी ज्यादा गिरावट देखी गई, जबकि 1986-1996 में सबसे ज्यादा 10.9 फीसदी सालाना गिरावट देखी गई, जो भुगतान शेष संकट और बाजार निर्धारित विनिमय दर की वजह से हुई। उदारीकरण के बाद, 1996 के बाद से, रुपए की गिरावट में कमी आई। 1996-2004 के दौरान हर साल 3.0 प्रतिशत, 2004-2014 में हर साल 2.9 फीसदी और 2014-2024 तक हर साल 3.3 प्रतिशत। कुल मिलाकर, जबकि गिरावट संरचनात्मक है, 1990 के दशक के बाद नीति सुधारों और आर्थिक स्थिरता ने इस प्रवृत्ति को स्थायित्व प्रदान किया। हालांकि, पिछले एक साल में रुपए में 4.7 प्रतिशत की ज्यादा तेजी से गिरावट आई है, यह एक अल्पकालिक घटना लगती है। यह एक आम धारणा है कि एक मजबूत अर्थव्यवस्था का मतलब है कि उस मुद्रा की ताकत भी मजबूत होगी। लेकिन वर्तमान समय में यह धारणा गलत साबित हो रही है। हम देखते हैं कि पिछले लगभग एक दशक में भारत की अर्थव्यवस्था अन्य बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में तेज गति से बढ़ रही है, और पिछले लगभग पांच वर्षों से इसे दुनिया की सबसे तेजी से बढने वाली अर्थव्यवस्था होने का गौरव

प्राप्त है। भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार (जीडीपी) 2014 में 2.07 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से बढक़र 2025 में 4.18 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है। इस दौरान प्रति व्यक्ति आय भी 1554 अमेरिकी डॉलर से बढक़र 2878 अमेरिकी डॉलर हो गई है। अगर हम वर्तमान मूल्यों पर जीडीपी देखें, तो यह 2014-15 में 106.6 लाख करोड़ रुपए से तीन गुना से भी अधिक बढक़र 2024-25 में 331.03 लाख करोड़ रुपए हो गई है। दिलचस्प बात यह है कि पिछले दो सालों में, रुपए-डॉलर विनिमय दर में उतार-चढ़ाव एक जैसा नहीं रहा है। अप्रैल 2023 और 2025 के मध्य के बीच तुलनात्मक रूप से स्थिर विनिमय दर के बाद, विनिमय दर में उतार-चढ़ाव आया और सिर्फ 6 महीनों में रुपए में 6 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई है। दिलचस्प बात यह है कि पिछली तिमाही में, भारत की जीडीपी ग्रोथ 8.2 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जिसे संघर्षों और युद्धों के कारण भूराजनीतिक तनाव और अमरीका के राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा शुरू किए गए अभूतपूर्व टैरिफ युद्ध के कारण अस्त-व्यस्त वैश्विक अर्थव्यवस्था के बीच काफी अच्छा माना जाता है। तेज आर्थिक ग्रोथ से आम तौर पर किसी देश की करेंसी मजबूत होनी चाहिए। लेकिन भारत अक्सर एक विरोधाभास का अनुभव करता है जहां जीडीपी ग्रोथ ज्यादा होने पर भी उसकी करेंसी काफी कम हो जाती है। इस विरोधाभास को समझने की जरूरत है, क्योंकि विनिमय दर में उतार-चढ़ाव जीडीपी ग्रोथ से तय नहीं होता है, बल्कि कई तत्वों से तय होता है, जिनका असर विदेशी मुद्रा की मांग और पूर्ति पर पड़ता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज दिन अच्छा है दिन भर उत्साह बना रहेगा. आप अपने प्रियजनों के साथ कहीं बाहर जाने का प्रोग्राम बनेगा अपने प्रिय की ख़ामियों को ढूंढने में समय बर्बाद न करें. अविवाहित लोगों को विवाह या प्रेम प्रस्ताव मिल सकते हैं. परिवार में वैचारिक मतभेद खत्म हो सकता हैं. पड़ोस में कोई विवाद होने पर आप स्वयं सकारात्मक रहें.व्यायाम करें स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज धरती को प्रणाम करें कर दर्शन करें , दिन बढीया बितेगा . आप अपने कारोबार में अत्यधिक सफल होंगे और ग्राहकों के साथ स्थायी संबंध बनाएंगे. आप अपनी योग्यता को साबित करने के लिए बेहतर अवसरों का लाभ उठाएंगे. आपके सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. आप बच्चों से खुश रहेंगे और अपने जीवनसाथी के साथ संतोषप्रद जीवन का लाभ उठाएंगे. स्वास्थ्य के सन्दर्भ में आज आप चिड़चिड़े हो सकतें हैं.दिन के पीछले भाग मे कुछ आराम का व्यवहार करें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज आमदनी मे बढोतरी होगी पैसों की स्थिति में सुधार हो सकता है. इनकम बढ़ाने के कुछ अच्छे मौके भी आपको मिल सकते हैं. जिनसे आप खुद भी हैरान हो सकते हैं. हाल ही में कुछ नए दोस्त मिल सकते हैं. आप अपनी पसंद या मनमर्जी के कामों के लिए उत्सुक होंगे. जिस स्थिति का सामना कर रहे हैं, उससे आपको फायदा ही होगा. जो खास बात है उसे गंभीरता से ही लें. आज अपनी सोच पॉजिटिव रखें कार्यशैली मे बदलाव करें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज काम का बोझ़ ज्यादा रहेगा लेकिन शाम तक पूरा काम आसानी से निपटा लेंगे.साथ ही काम पूरा करने में आपको किसी सहकर्मी की मदद भी मिल सकती है.आपके करियर में अचानक बदलाव आ सकता है, जिससे आपको धन लाभ का अवसर प्राप्त होगा.आज आपके कुछ नए दोस्त बन सकते हैं. वैवाहिक जीवन खुशहाल बना रहेगा.आज आपको कुछ चीज़ों का खास ध्यान रखना चाहिए और जोखिम भरे काम को करने से बचना चाहिए.शिवजी पर काले तिल चढाए ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

लोगों से व्यवहार करते समय चौकन्ना रहने की जरुरत हैं उन्नति का कोई बढ़िया अवसर आपको मिल सकता है. स्वास्थ्य बेहतर बना रहेगा. घर में परेशानियाँ पैदा हो सकती हैं लेकिन अपने साथी को छोटी–छोटी बातों के लिए ताने देने से बचें. आज के दिन अधिकांश समय ख़रीदारी और दूसरी गतिविधियाँ में जाएगा. सामान्य रूप से आज आपका दिन मिलाजुला रहेगा. परिवार के बड़े लोगों का आपको आज सहयोग मिलेगा.खर्चा ज्यादा होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

दिन मिलाझुला रहेगा लेन–देन और निवेश के मामलों में नई नीति अपना होगा . आपके आसपास चहल–पहल भी रहेगी. आपकी एकाग्रता चरम पर होगी और एक साथ कई काम भी संभालने पड़ सकते हैं. लोगों से मिलने या परिवार के साथ कहीं जाने का कार्यक्रम बन सकता है. काम और मेहनत दोनों ज्यादा रहेंगे फिर भी सिद्धि मिलेगी।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज लाभ मिलेगा चिंता मुक्त होंगे किन्तु यदि आप आर्थिक लाभ हेतु आसान तरीकों की तलाश करते हैं तो मुश्किलें ही आएगी काम नही होंगे चलती हुई व्यापारिक गतिविधियों से आपको अच्छा लाभ हो सकता है. वित्तीय मामलों में आपको सावधान रहना चाहिए ख अविवाहितों के जीवन में आज प्रेम का प्रवेश हो सकता है ख छात्रों के लिए समय अनुकूल हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आप के काम बनेंगे आप की प्रशंसा होगी कुछ लोग आपसे प्रभावित भी हो सकते हैं.आपकी ऊर्जा बढ़ी हुई रहेगी .उधार दिया हुआ पैसा आज आपको वापस मिल सकता है.धन लाभ के नए रास्ते खुले नज़र आ सकते हैं.आज का दिन खुद में बदलाव लाने वाला है.इससे आपको सफलता मिलेगी । कामकाजी महिलाओं को कोई छोटा उद्योग शुरू करने में घर वालों का सहयोग प्राप्त हो सकता है.गाय को गेहूं गुड और नंदी को भूसा खिलाए ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज सूर्य उपासना करें आरोग्यता मिलेगी सूर्य अष्टक का पाठ करें आने वाले खर्चों के प्रबंध को लेकर आपको मिल जुलकर आगे बढने का प्लान बनाना होगा. आज आप अपने जीवनसाथी के साथ सैर–सपाटे का मज़ा ले सकते हैं. साथ में समय गुज़ारने का यह बढ़िया मौक़ा है. आज अपने व्यापार में विस्तार करने के लिए उत्तम दिन है. अगर आप नौकरी करते हैं तो आज ट्रांसफर के योग हैं आज आप गुस्से और व्यवहार मे बदलाव बहुत जरुरी हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज व्यापार मे और कार्य शैली मे साथ ही साथ बिजनेस में कुछ बदलाव करना पड सकता हैं किसी खास मामले को लेकर परिवार से बातचीत हो सकती है. ऑफिस के काम या अपने किसी शौक के कारण आप व्यस्त हो सकते हैं . कुछ जिम्मेदारियां और जरूरी काम आपको निपटाने पड़ सकते हैं. निवेश करने या किसी को आर्थिक मदद देने के पहले सलाह कर लें. नए जमीन और वाहन खरीदने का विचार बन रहा है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आय के स्त्रोत खुले रहेंगे वित्तीय मोर्चे पर आज अच्छा लाभ संभव है. आप इस चरण में कई गतिविधियों में शामिल होंगे. व्यापार के कारण यात्रा सम्भव हैं नए संपर्कों से भी लाभ होगा जो भविष्य में फायदेमंद साबित होगा. व्यावसायिक व्यक्ति अपने प्रतिद्वंद्वियों को बहुत पीछे छोड़ देंगे. भूमि , वाहन आदि की बिक्री और खरीद के लिए समय अनुकूल हैं आप सुखी वैवाहिक जीवन का आनंद लेंगे दाम्पत्यजीवन सुखमय बीतेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज बडे बुजुर्गों का आशीर्वाद लेकर काम आरंभ करें कार्य सिद्ध होंगे जीवनसाथी के साथ रिश्ते बेहतर होंगे.आर्थिक पक्ष आज पहले से मजबूत रहेगा..सोचे हुए काम पूरे हो सकते हैं. आपके मन में नए–नए विचार आ सकते हैं.जिनको आप अपने जीवन में उतारने में कामयाब रहेंगे.सीनियर आपके कामों की प्रशंसा करेंगे.जो लोग स्वास्थ्य के क्षेत्र से जुड़े हैं, उन्हें कार्यक्षेत्र में पदोन्नति और प्रशंसा मिल सकती है.दोस्तों के साथ मौज–मस्ती में आपका दिन बीत सकता है.शिवजी पर दूध जल चढाए।

आज का पंचांग

दिनांक : 14 जनवरी 2026 , बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : माघ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : एकादशी सायं 05:55 तक
नक्षत्र : अनुराधा रात्रि 03:04 तक
योग : गण्ड रात्रि 07:55 तक
करण : बालव सायं 05:55 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 06:49 , सूर्यास्त 06:00 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:45 , सूर्यास्त 06:11 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:39 , सूर्यास्त 06:02 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:39, सूर्यास्त 05:53 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : मकर संक्रांति सायं 03:06 से , षट्तिला एकादशी व्रत, संक्रांति पुण्यकाल सायं 03:06 से सूर्यास्त तक , बुधानुराधा अमृत सिद्धि योग, गण्डमूल रात्रि 03:04 से, शुक्र तारा अस्त है ।

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सशक्त उद्योगों से ही विकसित राजस्थान का निर्माण प्रदेश बन रहा निवेशकों की पहली पसंद : शर्मा

जयपुर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सशक्त उद्योगों से ही विकसित राजस्थान का निर्माण होगा। राज्य सरकार निवेश प्रक्रियाओं में सरलता, पारदर्शिता एवं नीतियों में दीर्घकालीन स्थिरता लाने के साथ ही व्यवसाय की लागत में कमी की प्राथमिकताओं पर प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। उन्होंने आश्वस्त किया कि विभिन्न हितधारकों से प्राप्त सुझावों को आगामी राज्य बजट 2026–27 में शामिल करने के हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में उद्योग, सेवा क्षेत्र, व्यापार, कर सलाहकार एवं युवा प्रोफेशनल्स के साथ बजट पूर्व चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उद्योगों की समृद्धि से ही विकास को नई गति मिलती है। एमएसएमई, पर्यटन, लॉजिस्टिक्स, नवीकरणीय ऊर्जा और तकनीकी सेवाओं सहित विभिन्न क्षेत्रों में उद्यमशीलता ने प्रदेश के आर्थिक परिदृश्य में बड़ा बदलाव लाया है। राजस्थान निवेशकों की पहली पसंद बन रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के लिए कई नीतियों, योजनाओं के साथ–साथ अहम निर्णय किए हैं। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान हस्ताक्षरित लगभग 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू में से 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक की ग्राउंड ब्रेकिंग राजस्थान को इन्वेस्टमेंट फ्रेंडली राज्य के रूप में स्थापित करती है। राज्य सरकार ने जोधपुर–पाली–मारवाड़ इंडस्ट्रियल एरिया, पचपदरा रिफाइनरी के साथ ही प्रदेश में औद्योगिक क्षेत्रों के विकास को अभूतपूर्व गति प्रदान की है। वहीं, पर्यटन के क्षेत्र में प्रदेश में असीम संभावनाएं हैं।

शर्मा ने कहा कि स्थानीय व्यापारियों ने राजस्थान की देश–दुनिया में नई पहचान बनाई है। वे युवा उद्यमियों को उद्योग–व्यापार में निवेश करने के लिए अधिक से अधिक प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उद्योगों को पर्याप्त बिजली सहित आवश्यक सुविधाएं एवं सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। व्यापारियों के विभिन्न विषयों के निराकरण के लिए राज्य सरकार हर संभव कदम उठाएगी।

इस दौरान उद्योग, सेवा क्षेत्र, व्यापार, कर सलाहकार एवं युवा प्रोफेशनल्स से जुड़े विभिन्न संगठनों ने निवेश केन्द्रित नीतियों एवं प्रयासों के लिए मुख्यमंत्री की सराहना की। बैठक में लघु उद्योग भारती, कन्फेडेरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज, राजस्थान चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, फोर्टी, एसोचैम, फिक्की, इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया, एसोसिएशन ऑफ टैक्स पेयर्स एण्ड प्रोफेशनल्स, दलित इंडियन चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, फैडरेशन ऑफ माइंस एसोसिएशन ऑफ राजस्थान, राजस्थान खाद्य पदार्थ व्यापार संघ, होटल एण्ड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान, इंडियन हैरिटेज होटल एसोसिएशन, राजस्थान एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स, वेयरहाउस एसोसिएशन ऑफ राजस्थान, राजस्थान स्टील चैम्बर सहित विभिन्न सेक्टर्स के संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

इस अवसर पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव उद्योग शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गालरिया सहित संबंधित अधिकारीगण मौजूद रहे।

राजस्थान में विशेष गहन पुनरीक्षण–2026 की प्रगति की समीक्षा

जयपुर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार राजस्थान में विशेष गहन पुनरीक्षण–2026 का कार्य सुव्यवस्थित, पारदर्शी एवं समयबद्ध रूप से संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को सचिवालय में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त विशेष रोल पर्यवेक्षक द्वारा राज्य में चल रही पुनरीक्षण प्रक्रिया की विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि विशेष रोल पर्यवेक्षक सुश्री अदिति सिंह (खड) ने सचिवालय में आयोजित बैठक में विशेष गहन पुनरीक्षण–2026 की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में राज्य के मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में पुनरीक्षण की विभिन्न गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की गई। महाजन ने बताया कि इस व्यापक अभियान में 41 जिला निर्वाचन अधिकारी, 200 निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, 854 से अधिक सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, 6,373 बीएलओ पर्यवेक्षक, 61,404 बीएलओ, 2.03 लाख से अधिक स्वयंसेवक तथा 1.06 लाख से अधिक बीएलए सक्रिय रूप से सहभागी हैं। राज्य में यह विशेष गहन पुनरीक्षण 41 जिलों की 200 विधानसभा क्षेत्रों में संचालित किया जा रहा है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण–2026 के अंतर्गत पूर्व–गणना चरण में मतदाताओं को उनकी जन्मतिथि एवं वर्ष 2002 की अंतिम विशेष गहन पुनरीक्षण मतदाता सूची के आधार पर चार श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया। राज्य स्तर पर डाटाबेस आधारित मैपिंग की गई तथा बीएलओ को आवश्यक प्रशिक्षण एवं संसाधन उपलब्ध कराए गए। वर्ष 2002 की मतदाता सूचियाँ सत्यापन हेतु उपलब्ध कराई गईं तथा अंतर–विधानसभा एवं अंतर–राज्य समन्वय स्थापित किया गया। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप गणना चरण से पूर्व ही लगभग 70 प्रतिशत मतदाताओं की सफल मैपिंग सुनिश्चित की गई।उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 27 अक्टूबर 2025 को 199 विधानसभा क्षेत्रों (अन्ता विधानसभा क्षेत्र को छोड़कर) में विशेष गहन पुनरीक्षण की घोषणा की गई। कुल 5.46 करोड़ मतदाताओं को गणना प्रपत्र जारी किए गए, जिनमें से 5.04 करोड़ मतदाताओं के नाम प्रारूप मतदाता सूची में सम्मिलित किए गए। इनमें से 98.36 प्रतिशत मतदाताओं की वर्ष 2002 की मतदाता सूची से सफल मैपिंग की गई।

महाजन ने बताया कि 16 दिसंबर 2025 को प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया गया। इसके बाद अंता विधानसभा क्षेत्र की प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन 12 जनवरी 2026 को किया गया। इस दौरान मतदान केन्द्रों का युक्तिकरण करते हुए उनकी संख्या 52,469 से बढ़ाकर 61,404 की गई, जिससे मतदाताओं को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराई जा सके।

जनता के सुझावों का परीक्षण कर जनभावना के अनुरूप बनाया जाएगा बजट : राठौड़

दौसा, 13 जनवरी (एजेंसियां)। दौसा जिला प्रभारी मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने सोमवार को सिकराय की पांचोली ग्राम पंचायत में आयोजित रात्रि चौपाल में ग्रामीणों की समस्याएं सुनी और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों, हितधारकों एवं आमजन के साथ संवाद कर राज्य बजट के संबंध में सुझाव लिए। उन्होंने कहा कि आमजन के प्रति संवेदनशील राज्य सरकार जनता के सुझाव प्राप्त कर जनभावना के अनुरूप बजट बना रही है। जिला प्रभारी मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आमजन के हित और पसंद का बजट पेश करने की पहल की, जिसके तहत सांसद फील्ड में जाकर विभिन्न हितबद्ध समूहों, विशेषज्ञों एवं आम लोगों से सुझाव लेते हैं और फिर उनका बजट में समावेश होता है। इसी से प्रेरित होकर राज्य सरकार ने भी गत दो बजट लोक भावना के अनुरूप प्रस्तुत किए। इसी मंशा को ध्यान में रखते हुए आगामी बजट के लिए सरकार लोगों से सुझाव ले रही है, उनकी समस्याएं सुन रही है और समाधान कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश एवं स्थानीय जरूरतों के अनुसार आज यहां बहुत महत्वपूर्ण सुझाव आए हैं, जिन्हें मुख्यमंत्री एवं संबंधित विभाग के स्तर तक पहुंचाया जाएगा।

कांग्रेस केवल नाम, जबकि भाजपा का काम में विश्वास : सुभाष बराला

जींद, 13 जनवरी (एजेंसियां)। देश की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस 'विकसित भारत–जी राम जी' (वीबी–जी राम जी) का विरोध कर रही है और भाजपा सरकार पर मनरेगा को खत्म करके गरीब वर्ग से रोजगार की गारंटी का अधिकार छीनने का गंभीर आरोप लगा रही है, जबकि भाजपा इसे सुधारात्मक प्रक्रिया बता रही है। इस बीच मंगलवार को भाजपा सांसद सुभाष बराला ने कांग्रेस पर तीखा हमला किया। हरियाणा से राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कहा कि कांग्रेस केवल नाम में विश्वास करती है, जबकि भाजपा काम में विश्वास करती है। जब भी देश में अच्छे काम शुरू होते हैं, कांग्रेस विरोध करने का काम करती है। बराला ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि 'वीबी–जी राम जी' अधिनियम, 2025 के तहत मनरेगा योजना में सुधार किया गया है। पुरानी मनरेगा में 100 दिनों का रोजगार था, अब नए कानून में 125 दिनों का काम देने का फैसला किया गया है। न्यूनतम मजदूरी 400 रुपए देने की बात कही गई है, लेकिन कांग्रेस को विकास की बात हजम नहीं होती।

उन्होंने आरोप लगाया कि 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने संविधान बदलने की झूठी बातें फैलाईं और कहा कि मोदी आए तो संविधान खतरे में है। कांग्रेस के ही नेता मनरेगा खत्म करने की झूठी अफवाहें फैलाते थे। बराला ने कहा, कांग्रेस ने जवाहरलाल नेहरू के समय मनरेगा जैसी योजना शुरू की, तब नाम बदलने पर कोई आपत्ति नहीं थी, अब क्यों? राज्यसभा सांसद ने बताया कि भाजपा ने आजीविका के संसाधनों को बनाए रखने और नए रोजगार स्थापित करने का संकल्प लिया है। नए अधिनियम के तहत भैंस पालन, डेयरी काम, गांव के अंदर तालाबों का सौंदर्यीकरण जैसे कार्य किए जा सकते हैं। यह ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी आजीविका और बुनियादी ढांचे को मजबूत करेगा। बराला ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष मनरेगा के नाम पर राजनीति कर रहा है, जबकि मोदी सरकार ने योजना को आधुनिक और प्रभावी बनाया है। पुरानी योजना में भ्रष्टाचार और कमियां थीं, नए कानून से पारदर्शिता बढ़ेगी और ग्रामीण मजदूरों को ज्यादा फायदा होगा।

हरियाणा में बिगड़ती कानून–व्यवस्था सरकार की विफलता का प्रमाण : सैलजा

चंडीगढ़, 13 जनवरी (एजेंसियां)। सिरसा की सांसद, कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री कुमारी सैलजा ने कहा है कि हरियाणा में लगातार बढ़ रही चेन स्नैचिंग, चोरी, बैंक डकैती और गुंडागर्दी की घटनाएं प्रदेश की कानून–व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रही हैं। हिसार में बैंक में हुई बड़ी सेंधमारी हो या प्रदेश के अन्य हिस्सों में बढ़ते अपराध यह साफ दर्शाता है कि भाजपा सरकार आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में पूरी तरह विफल रही है। प्रदेश में भय का माहौल है और अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। फरीदाबाद की हालिया घटना भाजपा सरकार के तथाकथित नशा–मुक्त हरियाणा अभियान की जमीनी हकीकत को उजागर करती है। नशा बेचने से रोकने पर खुलेआम पथराव, दो गुटों में हिंसा और एक युवती सहित 10 नागरिकों का घायल होना इस बात का प्रमाण है कि अवैध नशा कारोबारियों में कानून का कोई भय नहीं है। यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है और सरकार की गंभीर नाकामी को दर्शाती है। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा सरकार के नशा–मुक्ति और सख्त कानून–व्यवस्था के दावे केवल कागजों और प्रचार तक सीमित हैं। ज़मीन पर नशा माफिया बेलगाम है, अपराध लगातार बढ़ रहे हैं और आम नागरिक खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है। यह स्थिति भाजपा सरकार की नीतिगत विफलता और कमजोर प्रशासन का प्रत्यक्ष प्रमाण है। उन्होंने चिंता जताई कि सिरसा जैसे शांत और सौहार्दपूर्ण नगरों में भी जिस प्रकार कानून–व्यवस्था को खुलेआम चुनौती दी जा रही है, वह अत्यंत गंभीर विषय है। हाल के दिनों में फरीदाबाद सहित प्रदेश के अनेक हिस्सों में कानून हाथ में लेने की घटनाएं सामने आई हैं, जो यह दर्शाती हैं कि शासन–प्रशासन का नियंत्रण कमजोर पड़ चुका है। कुमारी सैलजा ने राज्य सरकार से मांग की कि वह कानून–व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए तत्काल प्रभावी कदम उठाए, नशा माफिया और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे तथा आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि हरियाणा को भय नहीं, बल्कि भरोसे, न्याय और सुरक्षित वातावरण की आवश्यकता है और सरकार को अपनी यह संवैधानिक जिम्मेदारी निभानी ही होगी।

जेजेपी के संगठन में विस्तार

50 युवा हलका अध्यक्ष और ब्लॉक अध्यक्ष घोषित

चंडीगढ़, 13 जनवरी (एजेंसियां)। जननायक जनता पार्टी ने अपने संगठन में विस्तार करते हुए कई महत्वपूर्ण नियुक्तियां की है। जेजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय सिंह चौटाला, पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला, जेजेपी प्रदेश अध्यक्ष बृज शर्मा, राष्ट्रीय संगठन सचिव राजेंद्र लितानी, युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला व अन्य वरिष्ठ नेताओं ने विचार–विमर्श करके 50 युवा हलका अध्यक्ष और ब्लॉक अध्यक्ष की नियुक्तियों की सूची जारी की। दिग्विजय चौटाला ने बताया कि जेजेपी युवा प्रकोष्ठ में नारायणगढ़ हलके में मोहित बड़ौली, अंबाला सिटी में सिमरन अंतिल, अंबाला कैंट में दलजीत बाच्छल और मुलाना में कुलदीप माजरा को युवा हलका बनाया गया हैं। भिवानी में अमन रंगा को ग्रामीण और आशु वाल्मीकि को शहरी, बवानी खेड़ा में प्रदीप सरपंच को ग्रामीण और मनीष राणा को शहरी युवा हलका अध्यक्ष घोषित किया है। लोहारू में दिनेश सुरपुरा, दादरी में विजय धनखड़ और बाढड़ा हलके में सन्नी श्योराण को बाढड़ा ब्लॉक अध्यक्ष और विकास धांगड को झोझू ब्लॉक अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

हरियाणा लोक भवन में लोहड़ी मनाई गई

राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने शुभकामनाएं दीं

चंडीगढ़, 13 जनवरी (एजेंसियां)। मंगलवार को हरियाणा लोक भवन में पारंपरिक उत्साह और सांस्कृतिक उमंग के साथ लोहड़ी मनाई गई, जो फसल उत्सव से जुड़ी समृद्ध विरासत और एकजुटता की भावना को दर्शाती है। इस अवसर पर, हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई दीं। राज्यपाल ने कहा: लोहड़ी फसल, गर्मजोशी और एकजुटता का उत्सव है, जो प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और सामुदायिक भावना का प्रतीक है। इस अवसर पर लेडी गवर्नर मित्रा घोष, राज्यपाल के सचिव डीके बेहेरा, राज्यपाल के एडीसी स्क्वाड्रन लीडर मोहन कृष्ण पी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने इस बात पर जोर दिया कि लोहड़ी न केवल फसल के मौसम का प्रतीक त्योहार है, बल्कि भारत के गहरे सांस्कृतिक मूल्यों की अभिव्यक्ति भी है, जहाँ लोग समृद्धि, सद्भाव और आपसी सम्मान का जश्न मनाने के लिए एक साथ आते हैं।

लोहड़ी एकता को सुदृढ़ करती है और समाज को उसकी जड़ों से जोड़ती है : सैनी

चंडीगढ़, 13 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मंगलवार को अपनी धर्मपत्नी सुमन सैनी के साथ चंडीगढ़ स्थित अपने आवास संत कबीर कुटीर में लोहड़ी का पर्व धूमधाम से मनाया। इस दौरान उन्होंने लोहड़ी एवं मकर संक्रांति के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं भी दीं। लोहड़ी समारोह के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि यह त्यौहार भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और प्राचीन परंपराओं का प्रतीक है। इस मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल कौशिक भी उपस्थित रहे। समारोह के दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पूजा अर्चना कर लोहड़ी की अग्नि प्रज्वलित की और साथ ही हरियाणा वासियों के सुख और समृद्धि की कामना भी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोहड़ी केवल लकड़ी जलाने का पर्व नहीं है, बल्कि यह समाज को उसकी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का अवसर भी है। उन्होंने कहा, ऐसे पर्व सामाजिक समरसता को मजबूत करते हैं और हमें हमारी परंपराओं एवं मूल्यों की याद दिलाते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पर्व एकता, समानता और समावेशिता को बढ़ावा देता है, क्योंकि समाज के सभी वर्गों के लोग समान उत्साह और भाईचारे की भावना के साथ इसे मनाते हैं।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी नागरिकों के सुख, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हुए आशा व्यक्त की कि ये पर्व हरियाणा में शांति और प्रगति लेकर आएंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण कुमार गुप्ता, हरियाणा भाजपा संगठन महामंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, मुख्यमंत्री के ओएसडी बी.बी. भारती एवं डॉ. प्रभलीन सिंह, अभिनेत्री सतींदर कौर सत्ती सहित अन्य वरिष्ठ पार्टी नेता एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

जम्मू-कश्मीर : आतंकियों से रिश्तों पर सख्त कार्रवाई सरकार ने 5 कर्मचारियों को किया बर्खास्त

जम्मू-कश्मीर,13 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में आतंकी संबंधों के आरोप में एलजी मनोज सिन्हा के नेतृत्व वाली सरकार ने पांच सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया है। इनमें शिक्षक, लाइनमैन के साथ ही स्वास्थ्य विभाग का एक ड्राइवर भी शामिल है।

बर्खास्त किए गए कर्मचारियों में शिक्षक मोहम्मद इश्तियाक, प्रयोगशाला तकनीशियन तारिक अहमद शाह, सहायक लाइनमैन बशीर अहमद मीर, वन विभाग में फील्ड वर्कर फारूक अहमद भट और स्वास्थ्य विभाग में ड्राइवर मोहम्मद यूसुफ शामिल हैं। मोहम्मद इश्तियाक एक शिक्षक था और उसे रेहबर-ए-तालीम के रूप में नियुक्त किया गया था तथा 2013 में उसे शिक्षक के रूप में स्थायी किया गया था। जांचकर्ताओं ने पाया कि वह पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के लिए काम करता था और लश्कर कमांडर मोहम्मद अमीन उर्फ अबू खुबैब, जो भारत सरकार द्वारा नामित एक व्यक्तिगत आतंकवादी है और पाकिस्तान से काम करता है, उसके साथ नियमित संपर्क में था।

अप्रैल 2022 में उसे जम्मू-कश्मीर पुलिस ने मरीन में एक घटना को अंजाम देने से पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। उसके साथी से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया था।

लैब टेक्नीशियन तारिक अहमद राह को 2011 में एक संविदा लैब टेक्नीशियन के रूप में नियुक्त किया गया था और 2016 में सब-डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल, बिजबेहरा, अनंतनाग में स्थायी किया गया था। वह शुरू में हिजबुल मुजाहिदीन के प्रभाव में आया। तारिक के लिंक उसके चाचा अमीन बाबा के 2005 में पाकिस्तान भागने की राज्य जांच एजेंसी की जांच के दौरान सामने आए।

तारिक ने अमीन बाबा को अनंतनाग में रहने की सुविधा दी और अटारी-वाघा सीमा तक उसके परिवहन की व्यवस्था की। सूत्रों ने बताया, तारिक ने एक वांछित आतंकवादी के देश से बाहर निकलने को सुनिश्चित किया, जिससे अमीन बाबा इस्लामाबाद पहुंचा और वहां आतंकियों को प्रशिक्षण देने में सफल हुआ।

सहायक लाइनमैन बशीर अहमद मीर 1988 में पीएचई में शामिल हुआ और 1996 में नियमित हुआ। अपनी भूमिका के बावजूद, वह गुरेज, बांदीपोरा में लश्कर-ए-तैयबा का एक सक्रिय ऑन-ग्राउंड वर्कर बन गया, जो आतंकवादी गतिविधियों का मार्गदर्शन करता था, लॉजिस्टिक्स या पनाह देता था तथा सुरक्षा बलों की जानकारी साझा करता था।

उसकी भूमिका सितंबर 2021 में सामने आई, जब पुलिस ने इनपुट के आधार पर उसके घर पर एक एंटी-टेरर ऑपरेशन चलाया, जिसमें दो लश्कर आतंकवादियों को मार गिराया गया और दो एके-47 व गोला-बारूद बरामद किए गए। इसके बाद उसे गिरफ्तार किया गया।

वन विभाग के फील्ड वर्कर फारूक अहमद भट ने पहले अनंतनाग में काम किया और हिजबुल मुजाहिदीन का सक्रिय रूप से समर्थन किया। उसने अनौपचारिक रूप से एचएम से जुड़े एक पूर्व विधायक की मदद की। जांचकर्ताओं ने कहा कि उसने तारिक अहमद राह को अमीन बाबा के पाकिस्तान भागने की योजना बनाने में मदद की, अपनी सरकारी आईडी का इस्तेमाल कर चेकपोस्टों को बाईपास किया और उसे अंतरराष्ट्रीय सीमा तक छोड़ा।

स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग में ड्राइवर मोहम्मद यूसुफ 2009 में नियुक्त हुआ और बेमिना, श्रीनगर में तैनात रहा। यूसुफ आतंकवादियों के साथ नियमित संपर्क में था, खासकर पाकिस्तान स्थित हिजबुल मुजाहिदीन हैंडलर बशीर अहमद भट के साथ।

बशीर के निर्देशों पर उसने अपनी आधिकारिक ड्राइवर की स्थिति का उपयोग करते हुए गांदरबल में हथियारों की खरीद, फंड ट्रांसपोर्ट और अन्य लॉजिस्टिक्स के लिए हिजबुल ऑपरेटिव्स से संपर्क किया। उसने पाकिस्तान से बातचीत के लिए जेल में बंद आतंकवादियों को फोन उपलब्ध कराने वाले नेटवर्क की भी मदद की।

20 जुलाई 2024 को पुलिस ने उसके सहयोगी ईशान हामिद के साथ उसके वाहन को रोका, जिसमें से एक पिस्तौल, गोला-बारूद, ग्रेनेड और पांच लाख रुपए बरामद हुए। पूछताछ में पुष्टि हुई कि यह खेप उसके हैंडलर के निर्देश पर एक आतंकवादी के लिए थी।

संजय राउत का बड़ा बयान, कहा- मराठी मानुष को भाजपा से सबसे बड़ा खतरा

मुंबई ,13 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में नगर निगम चुनावों से पहले राजनीतिक माहौल लगातार गर्म होता जा रहा है। 15 जनवरी को राज्य के 29 नगर निगमों में होने वाले मतदान से पहले सभी राजनीतिक दल पूरी ताकत से मैदान में उतर चुके हैं। इसी बीच शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राउत के एक बयान ने सियासी हलकों में हलचल मचा दी है। मंगलवार को मुंबई में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में संजय राउत ने फर्जी और डुप्लीकेट मतदाताओं का मुद्दा उठाते हुए तीखा बयान दिया। उन्होंने दावा किया कि शिवसेना (यूबीटी) ने ऐसे मतदाताओं पर नजर रखने के लिए करीब 5,000 लोगों की एक टीम तैयार की है। संजय राउत ने कहा कि जहां भी फर्जी मतदाता दिखाई देंगे, वहां से उन्हें सूचना मिलेगी और पार्टी कार्यकर्ता मौके पर पहुंचेंगे। शिवसेना और मनसे की टीमें हर जगह मौजूद हैं और वे फर्जी मतदान को बर्दाश्त नहीं करेंगे। संजय राउत ने आरोप लगाया कि फर्जी मतदान गैरकानूनी है और चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने की साजिश का हिस्सा है। इसके साथ ही उन्होंने भाजपा और एकनाथ शिंदे गुट पर पैसे बांटने का आरोप भी लगाया।

राउत ने कहा कि जहां शिंदे गुट के लोग पैसे बांट रहे हैं, वहां भाजपा के लोग उनसे निपट रहे हैं, और जहां भाजपा के लोग पैसे बांट रहे हैं, वहां शिंदे गुट के लोग कार्रवाई कर रहे हैं।

उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि इस समस्या से निपटने की जिम्मेदारी उन्होंने उन्हीं पर छोड़ दी है और मानो यह काम आउटसोर्स कर दिया गया है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान संजय राउत भाजपा नेता के. अन्नामलाई के एक बयान पर भी नाराज नजर आए। अन्नामलाई द्वारा मुंबई को 'बॉम्बे' कहे जाने पर राउत ने कड़ी प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने कहा कि अगर अन्नामलाई को मुंबई को बॉम्बे कहना है, तो उन्हें तमिलनाडु वापस चले जाना चाहिए। राउत ने सवाल उठाया कि अन्नामलाई कौन हैं और उन्हें तो तमिलनाडु में भी शायद ही कोई जानता हो। इसके अलावा संजय राउत ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर भी निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि शिवसेना की स्थापना को 60 साल हो चुके हैं और इतने ही वर्षों से यह मुद्दा पूरे महाराष्ट्र में चलता आ रहा है। राउत ने आरोप लगाया कि देवेंद्र फडणवीस, हिंदू हृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे को चुनौती दे रहे हैं। अगर मराठी मानुष को कोई सबसे बड़ा खतरा है, तो वह भाजपा से है और यह लड़ाई सीधे तौर पर शिवसेना और भाजपा के बीच है।

मध्य प्रदेश के शिक्षकों के लिए चतुर्थ समयमान वेतनमान को कैबिनेट की मंजूरी

भोपाल,13 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार की कैबिनेट ने मंगलवार को राज्य के शिक्षकों के लिए बड़ा फैसला लिया है। इसके मुताबिक शिक्षकों को चतुर्थ समयमान वेतनमान दिया जाएगा। सरकार की कैबिनेट की बैठक में लिए गए फैसले से राज्य के लगभग सवा लाख शिक्षक लाभान्वित होंगे। राज्य के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला ने कैबिनेट में लिए गए फैसलों की जानकारी देते हुए संवाददाताओं को बताया कि कैबिनेट की बैठक में शिक्षक वर्ग के शिक्षकों के लिए चतुर्थ समयमान वेतनमान को कैबिनेट में मंजूरी दे दी है, जिससे सहायक शिक्षक, शिक्षक और नवीन संवर्ग के शिक्षकों को उसका लाभ मिलेगा। यह शिक्षकों के लिए बहुत बड़ी राहत की खबर है।

इस फैसले से समयमान वेतनमान से 322 करोड़ का भार सरकार पर आएगा। जानकारों का कहना है कि सरकार के फैसले से राज्य के लगभग सवा लाख शिक्षक लाभान्वित होंगे और उनके वेतन में 5000 रुपए प्रति माह तक की बढ़ोतरी हो सकती है। वहीं संदीपनी विद्यालय को लेकर भी बड़ा फैसला हुआ है। दूसरे चरण में 200 विद्यालय को कैबिनेट मंजूरी दी है। इस पर लगभग 3660 करोड रुपए का खर्च आएगा। इससे पहले 275 विद्यालय स्वीकृत हुई थी। दूसरे चरण में 200 विद्यालय की स्वीकृति दी गई है।

इस तरह प्रत्येक विद्यालय पर 17 से 18 करोड़ रुपए खर्च होंगे। राज्य सरकार ने दो बड़े व्यापार मेलों को लेकर भी फैसला लिया है। ग्वालियर के व्यापार मेले और उज्जैन के विक्रम महोत्सव व्यापार मेले 26 को ऑटोमोबाइल विक्रय पर मोटर यान कर पर 50 प्रतिशत की छूट की मंजूरी कैबिनेट की ओर से दी गई है। उपमुख्यमंत्री शुक्ला ने बताया है कि कैबिनेट की बैठक में तीन सिंचाई परियोजनाओं को भी मंजूरी दी गई है, जिससे कई इलाकों की सिंचाई क्षमता में विस्तार होगा और किसानों को लाभ होगा।

भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए नितिन नबीन 19 को भरेंगे नामांकन, 20 को होगी घोषणा

नई दिल्ली, 13 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में एक अहम संगठनात्मक बदलाव होने वाला है, क्योंकि इसके राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन 19 जनवरी को राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन फाइल करने वाले हैं। नामांकन प्रक्रिया के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावक के तौर पर मौजूद रहने की उम्मीद है, जो पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के बीच नबीन के नेतृत्व में मजबूत समर्थन और विश्वास को दिखाता है। प्रधानमंत्री की मौजूदगी को भाजपा की संगठनात्मक और वैचारिक दिशा में निरंतरता और स्थिरता पर जोर देने के तौर पर देखा जा रहा है।नामांकन प्रक्रिया भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को चुनने के लिए उसके स्थापित आंतरिक संगठनात्मक ढांचे का हिस्सा है। कई वरिष्ठ नेता, केंद्रीय नेतृत्व के सदस्य और प्रमुख पदाधिकारी इस कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं, जिससे यह पार्टी के संगठनात्मक कैलेंडर में एक हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम बन जाएगा।नामांकन प्रोसेस पूरा होने के बाद, नए भाजपा अध्यक्ष की औपचारिक घोषणा 20 जनवरी को होने वाली है।उम्मीद है कि इस घो-षणा से आने वाली चुनावी चुनौतियों से पहले पार्टी के नेतृत्व संरचना के बारे में स्पष्टता मिलेगी और राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा की संगठनात्मक रणनीति को आकार मिलेगा।राजनीतिक जानकार इन घटनाक्रमों पर करीब से नजर रख रहे हैं, क्योंकि यह नियुक्ति ऐसे अहम समय पर हो रही है जब भाजपा अपनी संगठनात्मक ताकत को मजबूत करने और अपनी नेतृत्व को लंबे समय के शासन और चुनावी लक्ष्यों के साथ जोड़ने पर ध्यान दे रही है। 20 जनवरी को आधिकारिक घोषणा के बाद और जानकारी सामने आने की उम्मीद है।बिहार के पांच बार के विधायक नितिन नबीन को 14 दिसंबर को भाजपा का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया था, लेकिन खरमास (अशुभ समय) के कारण पार्टी अध्यक्ष के तौर पर उनका औपचारिक पदभार ग्रहण रुका हुआ था, जो 14 जनवरी को खत्म हो रहा है।

दिल्ली विधानसभा ने पंजाब पुलिस को दिया नोटिस, 15 जनवरी तक मांगा जवाब

नई दिल्ली, 13 जनवरी (एजेंसियां)। सिख गुरु के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी से उपजे विवाद के बीच दिल्ली विधानसभा सचिवालय ने पंजाब पुलिस को नोटिस का जवाब देने के लिए 15 जनवरी तक का समय दिया है। विधानसभा के सचिव रंजीत सिंह ने इस बाबत जालंधर पुलिस कमिश्नर और पंजाब के डायरेक्टर जनरल को पत्र लिखा है।

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने स्पष्ट किया है कि पंजाब पुलिस को अब और समय नहीं दिया जा सकता है। इसके बाद दिल्ली विधानसभा पूरे मामले में आगे की कार्रवाई करेगी। इससे पहले दिल्ली विधानसभा सचिवालय ने आम आदमी पार्टी की नेता और सदन में नेता प्रतिपक्ष आतिशी की वीडियो क्लिप के आधार पर पंजाब पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआईआर पर कड़ा रुख अपनाते हुए नोटिस जारी किया। इसके बाद पंजाब पुलिस ने दिल्ली विधानसभा सचिवालय को पत्र लिखकर 10 दिन की मोहलत मांगी थी।

दिल्ली विधानसभा के विशेषाधिकारों के उल्लंघन के लिए पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी), विशेष डीजीपी (साइबर अपराध) और जालंधर के पुलिस आयुक्त को नोटिस जारी किए गए।

दिल्ली के कानून मंत्री कपिल मिश्रा और कुछ अन्य भाजपा नेताओं ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया था जिसमें दावा किया गया था कि इस वीडियो में आतिशी ने दिल्ली विधानसभा के सत्र के दौरान सिख गुरु श्री गुरु तेग बहादुर जी के प्रति अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया है। यह बहस दिल्ली विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान हुई थी।

इसके बाद पंजाब की जालंधर पुलिस ने एक स्थानीय नेता इकबाल सिंह की शिकायत पर इस मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। पुलिस का दावा है कि फॉरेंसिक जांच में यह पाया गया कि वीडियो के साथ छेड़छाड़ की गई थी और आतिशी ने 'गुरु' शब्द का वह अपमानजनक संदर्भ में उपयोग नहीं किया था जैसा कैप्शन में दिखाया गया था।

दिल्ली विधानसभा सचिवालय की ओर से मांगे गए जवाब पर अब डायरेक्टर जनरल पंजाब और जालंधर के पुलिस कमिश्नर ने दिल्ली विधानसभा के सचिव को पत्र लिखकर जवाब देने के लिए और समय मांगा है।

राम मंदिर जाएंगे राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद तनुज पुनिया ने दी जानकारी

लखनऊ, 13 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी से कांग्रेस सांसद तनुज पुनिया ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जल्द ही अयोध्या के राम मंदिर जाएंगे और रामलला के दर्शन करेंगे। तनुज पुनिया ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा कि जब राम मंदिर का उद्घाटन हुआ था, उस समय राहुल गांधी ने खुद कहा था कि मंदिर का निर्माण अभी पूरा नहीं हुआ है, इसलिए वे अधूरे मंदिर में पूजा के लिए नहीं जाएंगे। उन्होंने कहा था कि जब मंदिर पूरी तरह तैयार हो जाएगा, ध्वज और शिखर स्थापित हो जाएंगे और नियमित पूजा शुरू हो जाएगी, तब वे दर्शन करेंगे। चूंकि अब मंदिर का ध्वज लग चुका है, शिखर स्थापित हो गया है और पूजा-अर्चना भी शुरू हो चुकी है, ऐसे में राम मंदिर को पूर्ण माना जा सकता है। इसी कारण राहुल गांधी अब अयोध्या जाकर रामलला के दर्शन करेंगे। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि राहुल गांधी अपने समय और सुविधा के अनुसार ही मंदिर जाएंगे।

कांग्रेस सांसद ने यह भी स्पष्ट किया कि राहुल गांधी भगवान श्रीराम में आस्था रखते हैं और सभी देवी-देवताओं का सम्मान करते हैं।

उन्होंने कहा कि संसद में दिए गए राहुल गांधी के भाषणों को सुना जाए तो साफ पता चलता है कि उन्होंने भगवान महादेव और भगवान शिव का भी उल्लेख किया है। राहुल गांधी हिंदू धर्म में विश्वास रखते हैं और उसकी परंपराओं का सम्मान करते हैं।

इस दौरान यूपी की राजनीति से जुड़े अन्य सवालों पर भी तनुज पुनिया ने प्रतिक्रिया दी। 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर प्रियंका गांधी की भूमिका पर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी एक राष्ट्रीय नेता हैं। पूरा देश उनका सम्मान करता है। वह केरल से सांसद हैं और उनके पारिवारिक रिश्ते रायबरेली, अमेठी और पूरे उत्तर प्रदेश से जुड़े हुए हैं। ऐसे में उन्हें किसी एक राज्य तक सीमित करके देखना उचित नहीं है।

वहीं, वरुण गांधी को लेकर पूछे गए सवाल पर तनुज पुनिया ने कहा कि कांग्रेस पार्टी में उनका पूरे दिल से स्वागत है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने वरुण गांधी को टिकट तक नहीं दिया गया। अगर वे कांग्रेस में आना चाहते हैं तो पार्टी के दरवाजे उनके लिए खुले हैं।

तनुज पुनिया के इस बयान के बाद राहुल गांधी के अयोध्या दौरे और उत्तर प्रदेश की राजनीति को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

प्रगति नए भारत की कार्यसंस्कृति का प्रतीक यूपी बना इंफ्रास्ट्रक्चर ग्रोथ इंजन : योगी

लखनऊ, 13 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्रो-एक्टिव गवर्नेंस एंड टाइमली इम्प्लीमेंटेशन (प्रगति) केवल बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की समीक्षा का मंच नहीं, बल्कि नए भारत की नई कार्यसंस्कृति और परिणामोन्मुख शासन का सशक्त उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इंटेंट, टेक्नोलॉजी और अकाउंटेबिलिटी के समन्वय से शासन में ठोस और समयबद्ध परिणाम सुनिश्चित हो रहे हैं। मंगलवार को आयोजित एक विशेष प्रेस वार्ता में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रगति उस प्रशासनिक मॉडल का विस्तार है, जिसकी नींव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए रखी थी और वर्ष 2014 के बाद इसे राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती दी गई। उन्होंने कहा कि डिजिटल गवर्नेंस और कोऑपरेटिव फेडरलिज्म को सशक्त बनाते हुए प्रगति ने जटिल परियोजनाओं और प्रशासनिक अड़चनों के समाधान को सरल और तेज बनाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रगति केवल एक रिव्यू मैकेनिज्म नहीं, बल्कि एक व्यापक गवर्नेंस रिफॉर्म है, जिसने शासन को फाइल-केंद्रित संस्कृति से निकालकर फील्ड-आधारित परिणामों की दिशा में अग्रसर किया है। इसके माध्यम से निर्णय प्रक्रिया में तेजी आई है, समय और लागत की बर्बादी रुकी है और केंद्र व राज्य सरकारों के बीच बेहतर समन्वय के साथ स्पष्ट जवाबदेही सुनिश्चित हुई है।

उन्होंने बताया कि प्रगति मॉडल की अवधारणा वर्ष 2003 में गुजरात में 'स्वागत' (स्टेट वाइड अटेंशन ऑन गवर्नेंस बाई एप्लिकेशन) के रूप में शुरू हुई थी, जिसका उद्देश्य नागरिक शिकायतों के त्वरित निस्तारण में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना था। यही मॉडल आगे चलकर प्रगति के राष्ट्रीय स्वरूप के रूप में विकसित हुआ।

राष्ट्रीय स्तर पर प्रगति के प्रभाव का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके माध्यम से अब तक 86 लाख करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं को गति मिली है। इसमें 377 प्रमुख परियोजनाओं की प्रत्यक्ष समीक्षा प्रधानमंत्री द्वारा की जाती है, जबकि 3162 में से 2958 मुद्दों का समाधान किया जा चुका है।

उत्तर प्रदेश के संदर्भ में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रगति मॉडल राज्य के लिए एक गेम-चेंजर साबित हुआ है। आज उत्तर प्रदेश देश के प्रमुख इंफ्रास्ट्रक्चर ग्रोथ इंजन के रूप में उभर रहा है। एक्सप्रेसवे नेटवर्क, देश का सबसे बड़ा रेलवे नेटवर्क, सर्वाधिक शहरों में मेट्रो सेवाएं, एयर कनेक्टिविटी, देश की पहली रैपिड रेल, अंतर्देशीय जलमार्ग और रोपवे परियोजनाओं को समयबद्ध ढंग से आगे बढ़ाने में प्रगति की अहम भूमिका रही है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश के पास 10.48 लाख करोड़ रुपये की लागत की 330 इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं का पोर्टफोलियो है, जो देश में सबसे बड़ा है। इनमें से 2.37 लाख करोड़ रुपये की 128 परियोजनाएं (करीब 39 प्रतिशत) पूरी होकर कमीशन हो चुकी हैं, जबकि 8.11 लाख करोड़ रुपये की 202 परियोजनाएं निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्रगति पर हैं। सरकार की प्राथमिकता गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करते हुए सभी प्रशासनिक और तकनीकी अड़चनों का समाधान करना है, ताकि परियोजनाएं तय समय में धरातल पर उतर सकें।

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय
MINISTRY OF YOUTH AFFAIRS AND SPORTS
सत्यमेव जयते

खेल मंत्रालय ने राष्ट्रीय खेल महासंघों को मेक इन इंडिया इन स्पोर्ट्स और अंतरराष्ट्रीय संबंध समितियां गठित करने की दी सलाह

नई दिल्ली,13 जनवरी (एजेंसियां)।

केंद्रीय खेल एवं युवा मामलों के मंत्रालय ने देश के सभी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल महासंघों को अपने-अपने संगठन में अंतरराष्ट्रीय संबंध समिति और मेक इन इंडिया इन स्पोर्ट्स समिति गठित करने की सलाह दी है।

मंत्रालय के अनुसार इन समितियों के गठन से भारत की वैश्विक खेल सहभागिता और खेल कूटनीति को मजबूती मिलेगी, साथ ही आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य के अनुरूप खेल क्षेत्र में स्वदेशी क्षमताओं को बढ़ावा मिलेगा।

अंतरराष्ट्रीय संबंध समिति की भूमिका - अंतरराष्ट्रीय संबंध समिति का उद्देश्य संबंधित अंतरराष्ट्रीय खेल महासंघों और महाद्वीपीय महासंघों में हो रहे बदलावों पर नजर रखना होगा। इसमें प्रतियोगिता नियमों, संरचना, शासन व्यवस्था, चुनाव प्रक्रिया और एथलीट-केंद्रित कार्यक्रमों से जुड़े अपडेट शामिल होंगे।

यह समिति द्विपक्षीय और बहुपक्षीय समझौता ज्ञापनों, संयुक्त प्रशिक्षण शिविरों, एक्सचेंज प्रोग्राम, ज्ञान साझा करने की पहल और भारत में अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी से जुड़े अवसरों को लेकर एक मध्यम अवधि की अंतरराष्ट्रीय सहयोग योजना भी तैयार करेगी। साथ ही यह सुनिश्चित करेगी कि सभी अंतरराष्ट्रीय गतिविधियां भारत सरकार की नीतियों, ओलंपिक चार्टर और अंतरराष्ट्रीय महासंघों के नियमों के अनुरूप हों तथा सुशासन, एंटी-डोपिंग अनुपालन और खिलाड़ियों की सुरक्षा के सिद्धांतों का पालन किया जाए।

मेक इन इंडिया इन स्पोर्ट्स समिति की जिम्मेदारी- मेक इन इंडिया इन स्पोर्ट्स समिति भारतीय निर्माताओं, स्टार्ट-अप्स, शोध संस्थानों और परीक्षण व मानकीकरण निकायों के साथ समन्वय कर संबंधित खेलों के लिए स्वदेशी उत्पादों के विकास, परीक्षण और प्रमाणन को बढ़ावा देगी। इसका लक्ष्य घरेलू खेल विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त बनाना है। यह समिति समय-समय पर रिपोर्ट तैयार कर स्वदेशी समाधानों को अपनाने में हुई प्रगति, सामने आई चुनौतियों और आवश्यक सिफारिशों को प्रस्तुत करेगी, जिससे मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्यों में योगदान सुनिश्चित हो सके।

न्यूज ब्रीफ

एसए20 लीग में रदरफोर्ड के शतक से जीती प्रिटोरिया कैपिटल्स

सेंचुरियन। शेरफेन रदरफोर्ड के शतक से दक्षिण अफ्रीका में जारी एसए 20 क्रिकेट लीग में प्रिटोरिया कैपिटल्स ने मुंबई केपटाउन को 53 रन से हरा दिया। प्रिटोरिया कैपिटल्स ने इस मैच में टास हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 185 रन बनाए थे। वहीं इसके जवाब में मुंबई केपटाउन 20 ओवर में 7 विकेट पर 132 रन बना पायी। प्रिटोरिया की टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। सलामी बल्लेबाज शाई होप केवल 7 रन ही बना पाये। इसके बाद अन्य बल्लेबाज भी असफल रहे। इसके बाद डेवाल्ड ब्रेविस और शेरफेन रदरफोर्ड ने पांचवें विकेट के लिए 69 रन बनाकर पारी को संभालने का प्रयास किया। ब्रेविस 34 रन बनाकर आउट हुए। वहीं रदरफोर्ड ने 53 रन बनारक टीम को 185 रनों तक पहुंचाया। वहीं 186 रनों का लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई केपटाउन 20 ओवर में 7 विकेट पर 132 रन बना पायी और उसे 53 रनों से हार का सामना करना पड़ा। उसकी ओर से केवल रिजा हेंड्रिक्स ही 68 रन बना पाये। वहीं अन्य बल्लेबाज असफल रहे। वहीं प्रिटोरिया की ओर से गिडोन पीटर्स ने 4 ओवर में 32 रन देकर 3 विकेट लिए। इस जीत के साथ ही कैपिटल्स अंकतालिका में पहले स्थान पर चली गई है।

रियल मैड्रिड ने ज़ाबी अलोंसो से किया करार समाप्त, अल्वारो आर्बेलोआ बने नए मुख्य कोच

मैड्रिड। स्पेन के दिग्गज फुटबाल क्लब रियल मैड्रिड ने अपने मुख्य कोच ज़ाबी अलोंसो से आपसी सहमति के तहत अलग होने की घोषणा कर दी है। क्लब ने सोमवार को यह जानकारी दी। अलोंसो की जगह क्लब ने अपनी कास्टिला (बी टीम) के कोच अल्वारो आर्बेलोआ को पहली टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। यह फैसला रविवार को खेले गए स्पेनिश सुपर कप फाइनल में चिर-प्रतिद्वंद्वी बार्सिलोना के खिलाफ 2-3 की हार के बाद लिया गया। मौजूदा समय में ला लीगा अंक तालिका में रियल मैड्रिड शीर्ष पर मौजूद बार्सिलोना से चार अंक पीछे है। ज़ाबी अलोंसो ने 1 जून 2025 को रियल मैड्रिड की कमान संभाली थी। इससे पहले वह जर्मन क्लब बायर लेवरकुज़ेन के साथ शानदार कार्यकाल पूरा कर चुके थे, जहां उन्होंने 2023-24 सत्र में घरेलू डबल (लीग और कप) जीता और टीम को यूरोपा लीग फाइनल तक पहुंचाया था। रियल मैड्रिड के साथ अलोंसो की शुरुआत भी प्रभावशाली रही। क्लब वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल तक टीम को पहुंचाने के बाद उन्होंने अगले 14 मैचों में से 13 में जीत दर्ज की। इस दौरान एकमात्र बड़ी हार एटलेटिको मैड्रिड के खिलाफ डर्बी मुकाबले में मिली। हालांकि, 4 नवंबर को चैंपियंस लीग में लिवरपूल के खिलाफ हार के बाद टीम के प्रदर्शन में गिरावट देखने को मिली। इसके बाद रियल मैड्रिड आठ मैचों में सिर्फ दो जीत दर्ज कर सका। भले ही अलोंसो की अगुवाई में पांच मैचों की जीत की लकीर ने कुछ समय के लिए राहत दी, लेकिन यह क्लब प्रबंधन को उन्हें लंबे समय तक बनाए रखने के लिए राज़ी करने के लिए पर्याप्त नहीं रही। इस बीच, क्लब ने कास्टिला टीम के कोच अल्वारो आर्बेलोआ पर भरोसा जताते हुए उन्हें रियल मैड्रिड की पहली टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया है।

पडिक्कल विजय हजारे ट्राफी : दो बार 700 से अधिक रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने पडिक्कल

नई दिल्ली। कर्नाटक के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल ने विजय हजारे ट्राफी के क्वार्टर फाइनल में मुम्बई के खिलाफ 81 रनों की पारी खेलने के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। इसी के साथ ही पडिक्कल ने विजय हजारे ट्राफी में दूसरी बार 700 से अधिक रन बनाये। ये उपलब्धि हासिल करने वाले वह पहले खिलाड़ी हैं। इससे पहले अब तक मयंक अग्रवाल, पृथ्वी शा, नारायण जगदीशन और करुण नायर ने ही विजय हजारे ट्राफी के एक सत्र में 700 से ज्यादा रन बनाए थे। वहीं पडिक्कल अकेले ऐसे बल्लेबाज हैं जिन्होंने दो बार एक सत्र में 700 से अधिक रन बनाए हैं। पडिक्कल को 700 रन क्लब में शामिल होने के लिए केवल 60 रनों की जरुरत थी जो उन्होंने मुम्बई के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में बना लिए। उन्होंने पारी के 24वें ओवर में शम्स मुलानी की गेंद पर रन लेने के साथ ही अपने 700 रन पूरे किये। इस बल्लेबाज ने सत्र में चार शतक और दो अर्धशतक लगाये हैं। वहीं अब वह अगले मैच में 17 रन और बना लेते हैं तो 2020-21 विजय हजारे ट्राफी में अपने पिछले सर्वश्रेष्ठ 737 रन के आंकड़े से आगे निकल जाएंगे। गौरतब है कि विजय हजारे ट्राफी के एक सत्र में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकार्ड जगदीशन के नाम है। इससे पहले 2022-23 विजय हजारे ट्राफी सत्र में जगदीशन ने तमिलनाडु की ओर से आठ मैचों में 830 रन बनाए थे।

पेरिस एफसी ने किया बड़ा उलटफेर, फ्रेंच कप से डिफेंडिंग चैंपियन पीएसजी बाहर

पेरिस,13 जनवरी (एजेंसियां)।

फ्रेंच फुटबाल कप में बड़ा उलटफेर देखने को मिला, जहां पेरिस एफसी ने मौजूदा चैंपियन और रिकार्ड 16 बार की विजेता पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) को 1-0 से हराकर टूर्नामेंट के अंतिम-16 में प्रवेश कर लिया। यह मुकाबला सोमवार रात पार्स दे प्रिंस स्टेडियम में खेला गया।

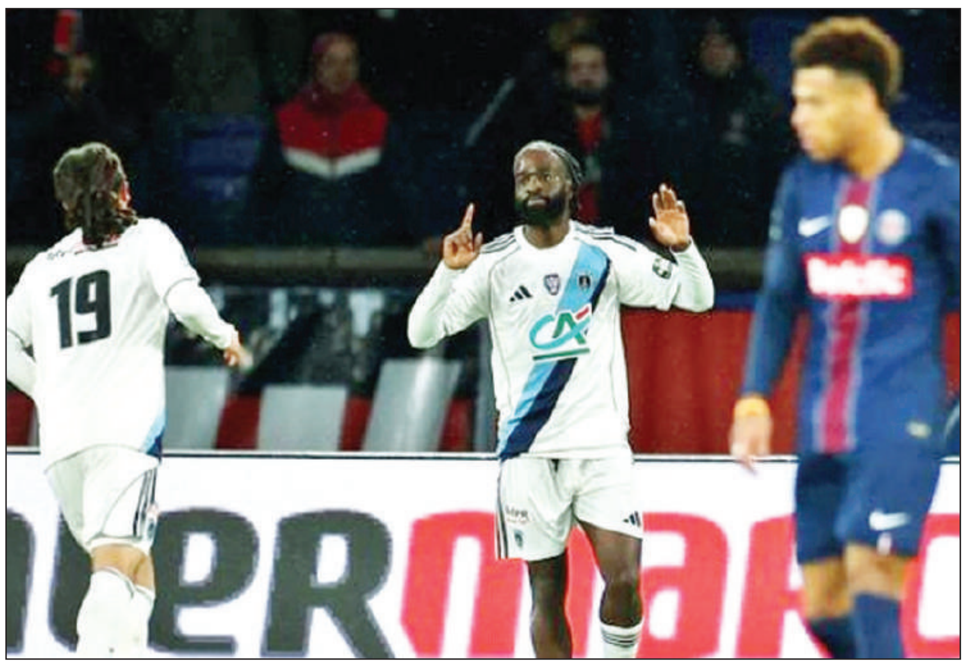

मैच के हीरो रहे पीएसजी अकादमी के पूर्व खिलाड़ी जोनाथन इकोने, जिन्होंने सब्स्टीट्यूट के तौर पर उतरने के बाद अंतिम 20 मिनट में विजयी गोल दागकर अपनी पुरानी टीम को चौंका दिया। इस हार के साथ पीएसजी को 2022 के बाद पहली बार फ्रेंच कप में घरेलू मैदान पर शिकस्त झेलनी पड़ी, जबकि 2014 के बाद यह उसकी अंतिम-32 चरण में पहली हार रही।

गोल करने के बाद इकोने ने फ्रांस टेलीविज़न से कहा, हम बहुत खुश हैं। हमने शानदार डिफेंस किया। अपने गोल से मैं बेहद खुश हूं, यह मेरे लिए खुशी का पल है और उम्मीद करता हूं कि यह मेरा आखिरी गोल नहीं होगा।

मैच से पहले पीएसजी के पूर्व कप्तान मामादू साको ने मैदान पर ही संन्यास की घोषणा की। साको ने अपने करियर की शुरुआत पेरिस एफसी अकादमी से की थी और बाद में पीएसजी का रुख किया था।

दोनों टीमें इसी महीने की शुरुआत में भी भिड़ी थीं, जब 1990 के बाद पहली बार शीर्ष डिवीजन में पेरिस डर्बी खेला गया था। उस मुकाबले में डिज़ायरे दूए और उस्मान डेम्बेले के गोल से पीएसजी ने 2-1 से जीत दर्ज की थी। इसके बाद पीएसजी ने कुवैत में खेले गए मुकाबले में मार्सेई को पेनल्टी शूटआउट में हराकर फ्रेंच चैंपियंस ट्राफी भी अपने नाम की थी।

नव-प्रोमोटेड पेरिस एफसी, जिसे लग्ज़री ब्रांड एलवीएमएच और रेड बुल का समर्थन प्राप्त है, फिलहाल लीग-1 तालिका में 15वें स्थान पर है और रेलिगेशन प्ले-आफ से दो अंक ऊपर है।

मैच की बात करें तो पीएसजी ने पहले हाफ में दबदबा बनाए रखा। जार्जिया के ख्विचा क्वारात्सखेलिया ने कई मौके बनाए, लेकिन गोल नहीं कर सके। वहीं, पेरिस एफसी के लिए अलीमामी गोरी को शुरुआती दौर में सबसे अच्छा मौका मिला, जिन्हें हाफटाइम से पांच मिनट पहले इकोने से बदला गया।

दूसरे हाफ के 10वें मिनट में पेरिस एफसी के सेंटर-बैक मुस्तफा एमबो की खराब पासिंग ने पीएसजी को बड़ा मौका दिया, लेकिन गोलकीपर ओबेद नकाम्बादियो ने गोंसालो रामोस के शानदार शाट को पंच कर बाहर कर दिया।

खेल के अंतिम 15 मिनट में, जब पीएसजी लगातार दबाव बना रहा था, तभी पेरिस एफसी ने काउंटर अटैक किया और इकोने ने मौके का फायदा उठाते हुए गोल दाग दिया। सात मिनट के इंजरी टाइम में डिज़ायरे दूए का हेडर बराबरी के बेहद करीब गया, जबकि नकाम्बादियो ने वितिन्हा के लान्ग-रेंज शाट पर शानदार बचाव कर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की।

इस राउंड के आखिरी मुकाबले में मार्सेई छठे डिवीजन की टीम बायो के खिलाफ खेलेगा। यह मैच नार्मंडी में काएन के स्टेड मिशेल-डार्नानो में खचाखच भरे दर्शकों के सामने होगा। बायो, जो सदियों पुरानी टेपेस्ट्री के लिए प्रसिद्ध है, टूर्नामेंट में बची सबसे निचली रैंक की टीम है। अंतिम-16 का ड्रा इस मुकाबले से पहले आयोजित किया जाएगा।

शनिवार को, वुल्व्स के पूर्व कोच गैरी ओनील ने स्ट्रासबर्ग के नए कोच के रूप में अपने कार्यकाल की शुरुआत चौथे डिवीजन की एव्रांश टीम पर 6-0 की बड़ी जीत के साथ की।

भारत सीरीज़ के बाद क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेंगी आस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा हीली

मेलबर्न,13 जनवरी (एजेंसियां)।

आस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम की कप्तान और दिग्गज विकेटकीपर-बल्लेबाज़ एलिसा हीली ने घोषणा की है कि वह भारत के खिलाफ आगामी घरेलू बहु-प्रारूप श्रृंखला (फरवरी-मार्च) के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लेंगी। हालांकि, वह इस सीरीज़ के टी20 मुकाबलों में हिस्सा नहीं लेंगी, लेकिन वनडे और पर्थ में होने वाले एकमात्र डे-नाइट टेस्ट मैच में आस्ट्रेलिया की कप्तानी करती नजर आएंगी।

टी20 विश्व कप 2026 की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए हीली ने टी20 इंटरनेशनल से दूरी बनाने का फैसला किया है। आस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज विकेटकीपर इयान हीली की भतीजी एलिसा हीली ने 2010 में 19 वर्ष की उम्र में न्यूजीलैंड के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था। अपने करियर के अंत तक वह आस्ट्रेलिया के लिए 162 टी20, 126 वनडे और 11 टेस्ट मैच खेल चुकी होंगी। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनके नाम रिकार्ड 126 डिसमिसल दर्ज हैं।

मेग लैनिंग के संन्यास के बाद 2023 में एलिसा हीली ने आस्ट्रेलिया की पूर्णकालिक कप्तानी संभाली। कप्तान के रूप में उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि इंग्लैंड के खिलाफ 16-0 से एशेज की ऐतिहासिक क्लीन स्वीप जीत रही। उनके नेतृत्व में आस्ट्रेलिया ने 2024 महिला टी20 विश्व कप और 2025 महिला वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल तक का सफर तय किया। महिला क्रिकेट की सबसे विस्फोटक बल्लेबाज़ों और बेहतरीन विकेटकीपरों में शुमार एलिसा हीली आठ आईसीसी वर्ल्ड कप विजेता अभियानों (छह टी20 और दो वनडे) का हिस्सा रहीं। उनके नाम वर्ल्ड कप फाइनल में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर और महिला टी20ई में विकेटकीपर द्वारा सबसे अधिक डिसमिसल जैसे कई रिकार्ड दर्ज हैं। वह 2022 कामनवेल्थ गेम्स में आस्ट्रेलिया की स्वर्ण पदक विजेता टीम की भी सदस्य रहीं। व्यक्तिगत पुरस्कारों की बात करें तो हीली को 2019 में बेलिंडा क्लार्क अवार्ड से नवाज़ा गया था, जबकि 2018 और 2019 में वह आईसीसी महिला टी20 क्रिकेटर आफ द ईयर भी रहीं। घरेलू क्रिकेट में एलिसा हीली ने सिडनी सिक्सर्स का प्रतिनिधित्व करते हुए विमेंस बिग बैश लीग के 11 सीज़न में 3,000 से अधिक रन बनाए और दो खिताब जीते।

आईसीसी ने बांग्लादेश की विश्वकप मैचों के आयोजन स्थल बदलने की मांग ठुकरायी

ICC

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) से साफ कह दिया है कि उसके टी20 विश्वकप मैच किसी अन्य देश में नहीं रखे जाएंगे। आईसीसी ने बीसीबी के इस दावे को भी खारिज कर दिया कि उसके खिलाड़ियों की सुरक्षा को भारत में खतरा है। वहीं इससे पहले बीसीबी ने आईसीसी से कहा था कि भारत में उसके खिलाड़ियों की सुरक्षा को खतरा है, इसलिए उसके मैच श्रीलंका में स्थानांतरित कर दिये जाएं। इससे साथ ही ये भी धमकी दी कि ऐसा नहीं होने पर वह मैचों का बायकाट कर सकता है। वहीं आईसीसी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त विशेषज्ञों द्वारा की गई स्वतंत्र सुरक्षा जांच में भारत में खेलने पर बांग्लादेश टीम के लिए किसी प्रकार का खतरा नहीं पाया गया। इन जांचों में कोलकाता और मुंबई में बांग्लादेश टीम, अधिकारियों या मैच स्थलों के लिए कोई विशेष खतरा नहीं पाया गया। आईसीसी ने यह भी कहा कि कई बार आकस्मिक योजना बनायी जाती है पर उसे कभी जोखिम नहीं माना जा सकता है। ये पेशेवर जांच का हिस्सा होती है पर इसे कई बार गलत समझा जाता है। ये किसी प्रकार के वास्तविक खतरे को नहीं दिखाती है। वहीं बांग्लादेश के राष्ट्रीय खेल सलाहकार, आसिफ नजरुल ने दावा किया था कि आईसीसी ने 2026 टी20 विश्व कप से पहले देश को संभावित सुरक्षा जोखिमों के बारे में आगाह किया था। नजरुल ने कहा कि आईसीसी की सुरक्षा टीम ने गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को टीम में शामिल करने को संभावित खतरे के रूप में बताया था। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में सार्वजनिक रूप से बांग्लादेशी प्रशंसकों द्वारा अपनी राष्ट्रीय जर्सी पहनने और देश में चुनाव के समय को लेकर चिंता जताई गई थी। आईसीसी की ओर से कहा गया कि उसने कभी भी यह सुझाव नहीं दिया कि टीमों को सुरक्षा कारणों से खिलाड़ियों का चयन या बहिष्कार करना चाहिए या समर्थकों को राष्ट्रीय रंग पहनने से बचना चाहिए, या टूर्नामेंट के लिए चुनाव या अन्य घरेलू प्रक्रियाओं में बदलाव करना चाहिए।

देहरादून के पार्थ का अंडर-14 क्रिकेट टीम में चयन

देहरादून,13 जनवरी (एजेंसियां)।

देहरादून के मियांवाला क्षेत्र में रहने वाले पार्थ परमार का उत्तराखंड अंडर 14 आयु वर्ग की क्रिकेट टीम में चयन होने से उनके घर में खुशी की लहर दौड़ पड़ी है। परिवार और क्षेत्रवासियों की ओर से उन्हें लगातार बधाई संदेश मिल रहे हैं।

क्रिकेट एसोसिएशन आफ उत्तराखंड ने गत वर्ष दिसंबर माह में छिद्दरवाला स्थित आयुष क्रिकेट अकादमी में अंडर-14 के ट्रायल आयोजित किए गए थे। इन ट्रायल्स में कुल 20 खिलाड़ियों का चयन उत्तराखंड अंडर-14 टीम के लिए किया गया, जिसमें देहरादून के मियांवाला निवासी पार्थ परमार का चयन एक बल्लेबाज और विकेट कीपर के रूप में हुआ है। पार्थ के पिता चंद्रपाल सिंह परमार एक मध्यमवर्गीय परिवार से ताल्लुक रखते हैं और मियांवाला में एक कन्फेक्शनरी की दुकान संचालित करते हैं। उन्होंने बताया कि पार्थ वर्ष 2018 से क्रिकेट खेल रहा है। टीम में चयन से पार्थ ने स्वयं का उत्साह बढ़ाने के साथ ही पूरे परिवार को भी गौरवान्वित किया है। पिता ने बताया कि पार्थ बचपन से ही विराट कोहली को अपना आदर्श क्रिकेटर मानता है। अब तक पार्थ लगभग 350 मैच खेल चुका है, जिसमें उसने 24 शतक लगाए हैं और 13,000 से अधिक रन बनाए हैं। उत्तराखंड अंडर-14 टीम में चयन का श्रेय पार्थ ने अपने माता-पिता को दिया है। पार्थ का कहना है कि माता-पिता ने हमेशा उसे खेल के प्रति पूरी स्वतंत्रता और समर्थन दिया, जिसके कारण उसे प्रदेश का नाम रोशन करने का अवसर मिला है। पार्थ ने कहा कि वह इस मंच पर अच्छा प्रदर्शन कर अधिक से अधिक रन बनाना चाहता है और टीम को जीत दिलाने में योगदान देना चाहता है। पार्थ ने जानकारी दी कि क्रिकेट एसोसिएशन आफ उत्तराखंड की अंडर-14 की टीम मंगलवार को 15 दिनों के लिए इंदौर रवाना होगी, जहां टीम राज सिंह डूंगरपुर ट्राफी में प्रतिभाग करेगी।

नार्वे चेस 2026 का आयोजन अब ओस्लो में, स्टावेंगर के बाद नए युग की शुरुआत

ओस्लो,13 जनवरी (एजेंसियां)।

विश्व के सबसे प्रतिष्ठित शतरंज टूर्नामेंटों में शामिल नार्वे चेस अब एक नए दौर में प्रवेश करने जा रहा है। 13 वर्षों तक स्टावेंगर में आयोजित होने के बाद वर्ष 2026 से नार्वे चेस और नार्वे चेस विमेंस टूर्नामेंट का आयोजन नार्वे की राजधानी ओस्लो में किया जाएगा। दोनों टूर्नामेंटों का मुख्य आयोजन स्थल डाइखमन ब्योर्विका होगा। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 25 मई से 5 जून तक खेली जाएगी, जिसमें विश्व शतरंज के दिग्गज खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन भी भाग लेंगे।

नार्वे चेस की शुरुआत वर्ष 2013 में हुई थी और तब से लेकर अब तक स्टावेंगर इस टूर्नामेंट का स्थायी घर रहा। इस शहर ने टूर्नामेंट को एक अलग पहचान दी और इसे अंतरराष्ट्रीय शतरंज कैलेंडर का एक अहम हिस्सा बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

नार्वे चेस के संस्थापक और सीईओ केजेल मैडलैंड ने स्टावेंगर शहर के योगदान की सराहना करते हुए कहा, स्टावेंगर के सभी राजनीतिक दलों के समर्थन और सहयोग के बिना नार्वे चेस जिस मुकाम पर है, वहां तक पहुंचना संभव नहीं था। खासतौर पर नार्वे चेस विमेंस के विकास में शहर की भूमिका ऐतिहासिक रही है, जहां पुरुषों के बराबर पुरस्कार राशि दी गई। हम अपने स्थानीय प्रायोजकों और स्वयंसेवकों के भी आभारी हैं, जिन्होंने मिलकर नार्वेजियन खेल इतिहास का एक अध्याय लिखा।

ओस्लो में आयोजन को लेकर नार्वे चेस की सीओओ बेनेडिक्टे वेस्ट्रे स्कोग ने कहा कि राजधानी में आने से टूर्नामेंट को और अधिक अंतरराष्ट्रीय पहचान मिलेगी। उन्होंने कहा, ओस्लो एक वैश्विक मिलन स्थल है और यहां नार्वे चेस की स्थापना से हम दर्शकों, भागीदारों और युवा शतरंज प्रेमियों तक और व्यापक रूप से पहुंच सकेंगे।

मैडलैंड ने आगे कहा कि स्टावेंगर हमेशा नार्वे चेस की पहचान का हिस्सा रहेगा, लेकिन टूर्नामेंट को विश्व स्तर पर और आगे ले जाने के लिए ओस्लो एक स्वाभाविक अगला कदम है।

डाइखमन ब्योर्विका लाइब्रेरी में नार्वे चेस 2026 के आयोजन को लेकर वहां की प्रमुख लाइब्रेरियन मेरिटे ली ने खुशी जताई। उन्होंने कहा, हमें गर्व है कि डाइखमन ब्योर्विका नार्वे चेस 2026 की मेजबानी करेगा। हम इस ऐतिहासिक भवन को शतरंज खिलाड़ियों, दर्शकों और जिज्ञासु आगंतुकों से भरने के लिए उत्साहित हैं।

विश्व के पूर्व नंबर-1 खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने नार्वे चेस 2026 में भाग लेने की आधिकारिक पुष्टि कर दी है। बाकी प्रतिभागियों के नाम आने वाले हफ्तों में घोषित किए जाएंगे, साथ ही नार्वे चेस विमेंस की लाइन-अप भी सामने आएगी। नार्वे चेस का यह 14वां संस्करण होगा, जबकि नार्वे चेस विमेंस तीसरी बार आयोजित किया जाएगा। मैग्नस कार्लसन अब तक नार्वे चेस के हर संस्करण में खेले हैं और सात बार खिताब अपने नाम कर चुके हैं।

जीआरई रीन्यू इनरटेक का आईपीओ लॉन्च, 21 जनवरी को होगी लिस्टिंग

नई दिल्ली,13 जनवरी (एजेंसियां) । सोलर एनर्जी सेक्टर में काम करने वाली कंपनी जीआरई रीन्यू इनरटेक का 39.56 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 16 जनवरी तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 19 जनवरी को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 20 जनवरी को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 21 जनवरी को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 100 रुपये से लेकर 105 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। जीआरई रीन्यू इनरटेक के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स दो लॉट यानी 2,400 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 2,52,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 37.68 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं। आईपीओ खुलने से एक कारोबारी दिन पहले 12 जनवरी को जीआरई रीन्यू इनरटेक ने 9 एंकर इनवेस्टर्स से 11.15 करोड़ रुपये जुटाए। इन एंकर इनवेस्टर्स में स्ट्रेटजिक सिक्स्थ सेंस कैपिटल फंड सबसे बड़ा इनवेस्टर रहा। इसने कंपनी से 176.40 लाख रुपये में 1.68 लाख शेयर खरीदे हैं। इसी तरह विनय ग्रोथ फंड 171.36 लाख रुपये में कंपनी से 1,63,200 शेयर खरीद कर दूसरा सबसे बड़ा एंकर इनवेस्टर बना है। इसके अलावा मैक ग्रोथ स्कीम, राजस्थान ग्लोबल सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड, नॉर्थ स्टार अपॉर्च्युनिटीज फंड, एसएमसी इंडिया अपॉर्च्युनिटीज फंड, ग्रोबिज एसएमई अपॉर्च्युनिटीज फंड, पीईएसबी अल्फा फंड और सीसीवी इमर्जिंग अपॉर्च्युनिटीज फंड जैसे प्रमुख नाम भी एंकर बुक में शामिल हुए हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 47.13 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 33.44 प्रतिशत हिस्सा, नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.33 प्रतिशत हिस्सा और मार्केट मेकर्स के लिए 5.10 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए शेयर इंडिया कैपिटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि मांशीतला सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। इस इश्यू के लिए शेयर इंडिया कैपिटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड ही कंपनी का मार्केट मेकर भी है।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में उतार चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 89 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 9.91 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का शुद्ध लाभ घट कर 7.03 करोड़ रुपये रह गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2025 में कंपनी को चार करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है।

न्यूज ब्रीफ

ग्राहकों की पहली पसंद बने रहने का रिकॉर्ड कायम रखा स्कार्पियो ने

नई दिल्ली। अपने मजबूत लुक, दमदार इंजन और भरोसेमंद परफॉर्मेंस के चलते महिंद्र की स्कॉर्पियो ने साल 2025 में भी ग्राहकों की पहली पसंद बने रहने का रिकॉर्ड कायम रखा। दिसंबर 2025 में इस एसयूवी की करीब 16 हजार यूनिट्स की बिक्री दर्ज की गई, जिसके साथ स्कॉर्पियो ने उस महीने टॉप सेलिंग एसयूवी का स्थान हासिल किया। जनवरी से दिसंबर 2025 के पूरे साल की बात करें तो महिंद्रा स्कॉर्पियो की कुल 1,76,988 यूनिट्स बिकीं। यह आंकड़ा कंपनी के किसी भी दूसरे मॉडल से ज्यादा है। बिक्री के मामले में स्कॉर्पियो ने थार, बोलेरो और एक्सयूवी 3गुणाह्न जैसी लोकप्रिय एसयूवीएस को भी पीछे छोड़ दिया। इससे साफ है कि भारतीय ग्राहकों के बीच स्कॉर्पियो की मांग लगातार बनी हुई है। महिंद्रा स्कॉर्पियो क्लासिक अपने दमदार और पहचान वाले डिजाइन के लिए जानी जाती है। इसमें सिग्नेचर टॉवरिंग बोनट, नए डुअल-टोन बंपर, एलईडी डीआरएलएस, नई ग्रिल और रिफ्रेश्ड अलॉय व्हील्स जैसे अपडेट्स मिलते हैं। केबिन के अंदर 9-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, ब्लूटूथ और यूएसबी कनेक्टिविटी, स्टीयरिंग-माउंटेड कंट्रोल्स, रिमोट कीलेस एंट्री और ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल जैसे फीचर्स दिए गए हैं। सेफ्टी के लिहाज से इसमें डुअल एयरबैग्स, एबीएस के साथ ईबीडी, रियर पार्किंग सेंसर, स्पीड अलर्ट और सीटबेल्ट रिमाइंडर जैसे फीचर्स मिलते हैं। महिंद्रा स्कॉर्पियो की एक्स-शोरूम कीमत 12.98 लाख से 16.70 लाख रुपये के बीच है।

दिसंबर 2025 में यात्री वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 27 फीसदी बढ़ीः सियाम

नई दिल्ली। यात्री वाहनों की थोक बिक्री में यूटिलिटी वाहनों की मजबूत मांग के दम पर दिसंबर 2025 में सालाना आधार पर 27 फीसदी बढ़ी है। उद्योग निकाय सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने मंगलवार को एक बयान में बताया कि दिसंबर में यात्री वाहनों की कुल बिक्री 3,99,216 इकाई रही, जो दिसंबर 2024 की 3,14,934 इकाई की तुलना में 26.8 फीसदी अधिक है। सियाम के मुताबिक दिसंबर महीने में दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री सालाना आधार पर 11,05,565 इकाई के मुकाबले 39 फीसदी की बढ़ोत्तरी के साथ 15,41,036 इकाई हो गई। वहीं, तिपहिया वाहनों की कुल बिक्री 61,924 इकाई रही है, जो दिसंबर 2024 की 52,733 इकाई की तुलना में 17 फीसदी अधिक है। सियाम ने बिक्री के परिदृश्य पर कहा कि वाहन उद्योग वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में मजबूत गति के साथ प्रवेश कर रहा है, क्योंकि 2025 के अंत में सभी वाहन खंडों में मजबूत दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की गयी।

नई फुल-साइज 7-सीटर एसयूवी जल्द होगी लॉन्च

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में फॉक्सवैगन अपनी नई फुल-साइज 7-सीटर एसयूवी जल्द ही लॉन्च करेगी। हाल ही में कंपनी ने एक टीजर वीडियो जारी किया है, जिससे साफ हो गया है कि यह अपकमिंग एसयूवी फॉक्सवैगन टेरॉन होगी। इसका सीधा मुकाबला टोयोटा फॉर्च्यूनर से माना जा रहा है, जबकि स्कोडा कोडियाक, एमजी ग्लोस्टर और जीप मेरिडियन जैसी एसयूवीएस को भी यह कड़ी टक्कर देगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फॉक्सवैगन टेरॉन को 2026 की पहली तिमाही में भारतीय बाजार में उतारा जा सकता है। फॉक्सवैगन टेरॉन असल में टिगुआन का 7-सीटर वर्जन है, जो ग्लोबल मार्केट में 2024 से बिक्री के लिए उपलब्ध है और टिगुआन ऑलस्पेस की जगह लेती है। सबसे पहले इसे चीन में लॉन्च किया गया था, इसके बाद यूरोप के कई बाजारों में इसे उतारा गया। साइज की बात करें तो टेरॉन की लंबाई 4,770 मिमी और व्हीलबेस 2,791 मिमी है, जिससे दूसरी और तीसरी रो में बैठने वाले यात्रियों को अच्छा लेगरूम मिलता है। तीनों रो के साथ इसका बूट स्पेस करीब 345 लीटर का बताया जा रहा है। डिजाइन के मामले में टेरॉन काफी हद तक टिगुआन जैसी दिखती है, लेकिन इसमें कुछ प्रीमियम और स्पोर्टी टच दिए गए हैं। सामने डुअल-पॉड एलईडी हेडलैंप्स के साथ फुल-विड्थ एलईडी लाइट स्ट्रिप और इल्यूमिनेटेड फाक्सवैगन लोगो मिलता है। पीछे की तरफ कनेक्टेड टेललैंप सेटअप दिया गया है।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला इंडो एसएमसी का आईपीओ, 16 जनवरी तक लगा सकते हैं बोली

नई दिल्ली,13 जनवरी (एजेंसियां) ।

इंडस्ट्रियल सेक्टर के लिए इलेक्ट्रिकल प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनी इंडो एसएमसी का 91.95 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 16 जनवरी तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 19 जनवरी को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 20 जनवरी को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 21 जनवरी को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 141 रुपये से लेकर 149 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। इंडो एसएमसी के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स दो को लॉट यानी 2,000 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 2,98,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 61.71 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं।

आईपीओ खुलने से एक कारोबारी दिन पहले 12 जनवरी को इंडो एसएमसी ने 11 एंकर इनवेस्टर्स से 26.16 करोड़ रुपये जुटाए। इन एंकर इनवेस्टर्स में बंगाल फाइनेंस एंड इनवेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड सबसे बड़ा इनवेस्टर रहा। इसने कंपनी से अपर प्राइस लिमिट 149 रुपये प्रति शेयर की दर से 3.05 लाख शेयर खरीदे हैं। इसी तरह 360 वन एलवीएफ ट्रेजरी सॉल्यूशंस फंड कंपनी से 1.18 लाख शेयर खरीद कर दूसरा सबसे बड़ा एंकर इनवेस्टर बना है।

इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 47.45 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 33.25 प्रतिशत हिस्सा, नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.29 प्रतिशत हिस्सा और मार्केट मेकर्स के लिए 5.01 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए जीवाईआर कैपिटल एडवाइजर्स प्रा.लि. को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजी लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं गिरिराज स्टॉक ब्रोकिंग प्रा.लि. और निकुंज स्टॉक ब्रोकर्स लिमिटेड कंपनी के मार्केट मेकर हैं।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में लगातार मजबूती आई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 46 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर तीन करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का शुद्ध लाभ उछल कर 15.44 करोड़ रुपये रह गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2025 में कंपनी को 11.46 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है।

इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी होती रही। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 7.30 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 28.06 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 138.78 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2025 में कंपनी को 112.62 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है।

इस अवधि में कंपनी के कर्ज में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 10.43 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 17.70 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 35.76 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही के अंत यानी 30 सितंबर तक कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ 49.35 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

इस अवधि में कंपनी के रिजर्व और सरप्लस में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में ये 52 लाख रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 5.06 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 19 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2025 तक ये 30.46 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमॉर्टाइजेशन) 2022-23 में 1.15 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 5.08 करोड़ रुपये हो गया। साल 2024-25 में कंपनी का ईबीआईटीडीए उछल कर 22.83 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही के अंत यानी सितंबर 2025 तक ये 17.19 करोड़ रुपये के स्तर पर था।

अश्विनी वैष्णव ने अमेरिका में खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं और एआई सहयोग पर जोर दिया

वैष्णव ने वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट द्वारा आयोजित खनिज आपूर्ति श्रृंखला मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लिया

नई दिल्ली,13 जनवरी (एजेंसियां) । रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अमेरिका में वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखला मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लिया। उन्होंने भारत की विनिर्माण और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षमता को मजबूत करने के लिए खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं की सुरक्षा को आवश्यक बताया। वैष्णव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए यह कदम अत्यंत महत्वपूर्ण है। बैठक में अमेरिका सहित ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, यूरोपीय संघ, फ्रांस और जर्मनी के वित्त मंत्री और उच्च अधिकारी मौजूद थे। अमेरिकी वित्त मंत्री बेसेंट ने कहा कि राष्ट्रों को विवेकपूर्ण जोखिम-निवारण उपाय अपनाकर आपूर्ति श्रृंखलाओं की कमजोरियों को दूर करना चाहिए।

अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने भी यह स्पष्ट किया कि उन्होंने पहले से किए गए निवेशों और योजनाओं के माध्यम से मजबूत, सुरक्षित और विविध आपूर्ति श्रृंखला बनाने के प्यास तेज कर दिए हैं। इस दौरान ष्णव ने व्हाइट हाउस में अमेरिकी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नीति कार्यालय के निदेशक माइकल क्रैट्सियोस और भारतीय राजदूत विनय क्वात्रा से मुलाकात की। बैठक में भारत में फरवरी 2026 में आयोजित होने वाले इंडिया एआई इम्पेक्ट समिट पर चर्चा हुई।

यह शिखर सम्मेलन ग्लोबल साउथ में होने वाला पहला वैश्विक एआई इवेंट होगा और इसका फोकस लोग, ग्रह और प्रगति पर होगा। बैठक से यह स्पष्ट हुआ कि भारत आर्थिक समृद्धि और तकनीकी विकास में वैश्विक साझेदारी को प्राथमिकता दे रहा है। खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं की सुरक्षा और एआई में वैश्विक नेतृत्व दोनों ही भारत के विकास और तकनीकी क्षमता विस्तार के लक्ष्य में अहम भूमिका निभाएंगे।

रेनो की प्रीमियम कूप-स्टाइल एसयूवी रेनो राफेल को देखा ऑन रोड

नई दिल्ली। कार निर्माता कंपनी रेनो की प्रीमियम कूप-स्टाइल एसयूवी रेनो राफेल को पहली बार भारतीय सड़कों पर देखा गया है। बताया जा रहा है कि यह मॉडल एक वन-ऑफ कंपनी इम्पोर्ट है, जिसे संभवतः रेनो इंडिया के किसी सीनियर अधिकारी के इंटरनल या एग्जीक्यूटिव इस्तेमाल के लिए भारत लाया गया है। इसके स्पाई शॉट्स ऑटोमोटिव फोटोग्राफर पोनसाम चार्ल्स ने शेयर किए हैं। फिलहाल कंपनी ने भारतीय बाजार में राफेल को लॉन्च करने को लेकर कोई आधिकारिक योजना साझा नहीं की है। रेनो राफेल को ग्लोबल मार्केट में ब्रांड के हेलो प्रोडक्ट के तौर पर पेश किया गया है। यह रेनो की नई फ्लैगशिप कूप-एसयूवी है, जिसका नाम और डिजाइन एविएशन से प्रेरित है। यह एसयूवी सीएमएफ -सीडी प्लेटफॉर्म पर आधारित है, जिसे ऑस्ट्रेल और एस्पेस जैसे मॉडल्स के साथ साझा किया गया है, हालांकि राफेल को अलग और ज्यादा स्पोर्टी कूप-सिल्हूट दिया गया है। डाइमेंशन के लिहाज से यह डी-एसयूवी सेगमेंट में आती है, जिसकी लंबाई करीब 4.71 मीटर और व्हीलबेस लगभग 2.74 मीटर है। डिजाइन की बात करें तो राफेल मौजूदा रेनो इंडिया लाइनअप से बिल्कुल अलग नजर आती है। इसमें शार्प एलईडी डीआरएलएस, पतले हेडलैंप, डायमंड पैटर्न ग्रिल और 17 डिग्री झुकी स्लोपिंग रूफलाइन दी गई है, जो इसे कूप लुक देती है। पीछे की ओर वाय-शेप एलईडी टेललैंप और इंटीग्रेटेड स्पॉइलर इसके प्रीमियम अंदाज को और निखारते हैं।

सोने में मुनाफावसूली से सुस्ती, चांदी में तेजी बरकरार

सोना 1,40,900 रुपए और चांदी लगभग 2,62,000 रुपए प्रति किलो

नई दिल्ली,13 जनवरी (एजेंसियां) । **रिकॉर्ड तेजी के बाद मंगलवार को सोने के वायदा कारोबार में सुस्ती जबकि चांदी मजबूती के साथ कारोबार देखा जा रहा है। सोमवार को दोनों कीमती धातुएं सार्वजनिक स्तर पर पहुंची थीं। मंगलवार को सोना करीब 1,40,900 रुपये और चांदी 2,62,000 रुपये के आसपास कारोबार कर रही थी। वैश्विक बाजार में सोने में हल्की नरमी, जबकि चांदी में तेजी देखी जा रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रेक्ट की शुरुआत गिरावट के साथ हुई।**

यह कॉन्ट्रेक्ट 185 रुपये की कमजोरी के साथ 1,41,847 रुपये पर खुला, जबकि पिछला बंद भाव 1,42,032 रुपये था।

इस समय सोना 292 रुपये की गिरावट के साथ 1,41,740 रुपये पर कारोबार कर रहा था। कारोबार के दौरान इसने 1,41,938 रुपये का उच्च और 1,41,660 रुपये का निचला स्तर छुआ। एमसीएक्स पर चांदी के बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट की शुरुआत मजबूती के साथ हुई। यह 731 रुपये की तेजी के साथ 2,69,701 रुपये पर खुली, जबकि पिछला बंद भाव 2,68,970 रुपये था। इस समय चांदी 110 रुपये की बढ़त के साथ 2,69,080 रुपये प्रति किलो पर कारोबार कर रही थी। अंतरराष्ट्रीय वायदा बाजार कॉमेक्स पर सोने की शुरुआत सुस्त रही। सोना 4,610 डॉलर प्रति औंस पर खुला, जबकि पिछला बंद भाव 4,614.70 डॉलर था। खबर लिखे जाने के समय यह 21.30 डॉलर की गिरावट के साथ 4,593.40 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। इस साल सोने ने 4,640.50 डॉलर का उच्चतम स्तर छुआ है। वहीं कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 85.36 डॉलर प्रति औंस पर खुले। पिछला बंद भाव 85.09 डॉलर था। इस समय चांदी 0.16 डॉलर की तेजी के साथ 85.25 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

पागलों के निशाने...

भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है, जिसमें पूजा स्थल में अवैध रूप से प्रवेश करने और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप शामिल हैं। आरोपी को रविवार को एक शहरी अदालत में पेश किया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल और प्रदर्शन

इस घटना ने भाजपा, हिंदू समर्थक संगठनों और भक्तों के प्रदर्शनों को जन्म दिया, जिन्होंने आरोपी पर मंदिर परिसर में मूत्र त्यागने का आरोप लगाया। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें कथित तौर पर कुछ व्यक्तियों को मंदिर के बाहर एक व्यक्ति को कथित कार्य के बारे में पूछताछ के बाद पीटते हुए दिखाया गया था। पुलिस ने कहा कि वे आरोपी की पृष्ठभूमि और पिछला इतिहास सत्यापित कर रहे हैं और आगे की कार्रवाई कानून के अनुसार सख्ती से की जाएगी।

राजनीतिक प्रतिक्रिया और विवाद

तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने भी मंदिर का दौरा किया और इस घटना को ''धार्मिक अपमान'' बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि तेलंगाना में सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी हिंदुओं पर हमलों में बांग्लादेश और पाकिस्तान से प्रतिस्पर्धा कर रही है। एक्स पर एक पोस्ट में, राव ने कहा था, ''यद्यपि मैं मानव अधिकारों का सम्मान करता हूं, लेकिन दूसरी ओर 'सर तन से जुदा' की भाषा बोली जाती है, इसलिए इस घटना में पवित्र कट्टा मैसम्मा मंदिर परिसर में मूत्र त्याग कर अपवित्र करने वाले व्यक्ति की एनकाउंटर की मांग की जाती है। मैं कांग्रेस, बीआरएस और छद्म धर्मनिरपेक्ष मीडिया की इस मुद्दे पर चुप्पी पर भी आश्चर्यचकित हूं।''उन्होंने आगे कहा था कि तेलंगाना में भाजपा मूकदर्शक नहीं बनेगी और हिंदू विश्वास, मंदिरों और गरिमा की रक्षा के लिए सड़कों पर लड़ेगी। उन्होंने कहा ''हिंदू चुप नहीं रहेंगे। विश्वास/आस्था से समझौता नहीं किया जाएगा''।

पुलिस की अपील और कानून-व्यवस्था

इस बीच, पुलिस ने जनता से अपील की है कि वे सोशल मीडिया या अन्य मंचों पर अफवाहों या असत्यापित जानकारी पर विश्वास न करें और उन्हें प्रसारित न करें। पुलिस ने जनता के सभी वर्गों से शांति, स्थिरता और सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने की अपील की है।

...तो मोंडा और...

'लश्कर जिला साधना समिति' ने 17 तारीख को होने वाली शांति रैली की अनुमति के लिए 5 तारीख को आवेदन दिया था। पिछले 10 दिनों से पुलिस विभाग इस आवेदन को एक कमिशनर ऑफिस से दूसरे कमिशनर ऑफिस भेज रहा है। हैदराबाद पुलिस इसे मलकाजगिरी का अधिकार क्षेत्र बता रही है, जबकि मलकाजगिरी पुलिस इसे वापस हैदराबाद भेज रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारी खुद भ्रमित हैं कि उनका अधिकार क्षेत्र कहाँ तक है। यह सब सरकार के एकतरफा फैसलों का परिणाम है, जो सिकंदराबाद के आत्मसम्मान और पहचान को चोट पहुँचा रहे हैं।

'लश्कर जिला' और अलग कॉर्पोरेशन की माँग

तलसानी ने चेतावनी दी कि यदि सिकंदराबाद के लिए अलग नगर निगम (कॉर्पोरेशन) का गठन नहीं हुआ, तो क्षेत्र को भारी नुकसान होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार सिकंदराबाद के 220 साल पुराने गौरवशाली इतिहास को मिटाने की साजिश रच रही है। उन्होंने क्षेत्र के सभी वर्गों से 17 तारीख की रैली में बड़ी संख्या में शामिल होने का आह्वान किया। बैठक में मेरु संघ, ऑटो यूनियन और विश्वकर्मा संघ जैसे विभिन्न संगठनों ने सिकंदराबाद कॉर्पोरेशन के गठन के आंदोलन को अपना पूर्ण समर्थन दिया।

इस बैठक में लश्कर जिला साधना समिति के अध्यक्ष गुर्रम पवन कुमार गौड़, कॉर्पोरेटर सामला हेमा, शैलजा, प्रसन्ना, सुनीता, पूर्व अध्यक्ष गज्जेला नागेश सहित कई वरिष्ठ नेता और विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 14 जनवरी, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

मिधानि में विश्व हिंदी दिवस 2026 का भव्य आयोजन

हास्य-व्यंग्य कवि सम्मेलन ने श्रोताओं को किया मंत्रमुग्ध

हैदराबाद, 13 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि), जो कि रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक प्रतिष्ठित सार्वजनिक उपक्रम है, में विश्व हिंदी दिवस समारोह 2026 का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राजभाषा कार्यान्वयन समिति (राभाकास) के तत्वावधान में संपन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता मिधानि के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. एस. वी. एस. नारायण मूर्ति ने की। अवसर पर उद्यम की निदेशक (वित्त) श्रीमती के. मधुबाला ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण हास्य-व्यंग्य कवि सम्मेलन रहा, जिसमें हिंदी के सुप्रसिद्ध कवियों ˉ डॉ. ऋषभदेव शर्मा, वेणुगोपाल भट्टड एवं वहीद क़ादरी पाशा ने अपनी ओजस्वी, हास्य-व्यंग्य से भरपूर एवं विचारोत्तेजक रचनाओं से श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। कवि सम्मेलन के दौरान सभागार ठहाकों, तालियों और हिंदी के जीवंत रस से गूंज उठा।

अवसर पर अपने अध्यक्षीय संबोधन में डॉ. एस. वी. एस. नारायण मूर्ति ने कहा कि हिंदी केवल संवाद की भाषा नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना की वाहक है। उन्होंने हिंदी के वैश्विक विस्तार, बढ़ते भाषिक प्रभाव और मिधानि में राजभाषा हिंदी के प्रभावी कार्यान्वयन की दिशा में किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आग्रह किया कि वे अपने दैनिक कार्यालयीन कार्यों में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करें।

अपने वक्तव्य में डॉ. ऋषभदेव शर्मा ने विश्व-मानचित्र के परिप्रेक्ष्य में हिंदी विषय पर विचार रखते हुए कहा कि किसी भाषा की शक्ति केवल उसके बोलने वालों की संख्या से नहीं, बल्कि उसके भौगोलिक विस्तार, सांस्कृतिक उपस्थिति और बहु-महाद्वीपीय स्वीकार्यता से भी आँकी जानी चाहिए। उन्होंने उल्लेख किया कि आज हिंदी जानने-समझने वालों की संख्या सौ करोड़ से अधिक है और यह एशिया, अफ्रीका, यूरोप, अमेरिका तथा ऑस्ट्रेलिया तक एक सशक्त संपर्क भाषा के रूप में स्थापित हो रही है। डॉ. शर्मा ने यह भी रेखांकित किया कि हिंदी केवल भारत तक सीमित भाषा नहीं रही, बल्कि यह वैश्विक भाषिक भूगोल में एक महत्वपूर्ण स्थान अर्जित कर चुकी है। उन्होंने कहा कि डिजिटल माध्यमों, सिनेमा, साहित्य और प्रवासी भारतीयों के प्रयासों से हिंदी का वैश्विक प्रभाव निरंतर बढ़ रहा है और यह भाषा भविष्य में विश्व की प्रमुख भाषाओं में अग्रणी भूमिका निभाने की क्षमता रखती है।

समारोह के दौरान मिधानि की राजभाषा गृह पत्रिका ङ्गसंकल्पफ के 31वें अंक (ई-पत्रिका का 11वाँ अंक) का विमोचन किया गया तथा हिंदी मासिक प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं मिधानि गीत के साथ हुआ। समारोह का समापन राष्ट्रगीत ङ्गवंदे मातरम्फ एवं धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।स्वागत-सत्कार से लेकर गृहपत्रिका लोकार्पण, काव्यपाठ और पुरस्कार वितरण तक समूचे आयोजन का संचालन डॉ. बी. बालाजी ने अत्यंत कुशलता से श्रोताओं को हँसाते-हँसाते किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में हिंदी अनुभाग की श्रीमती रत्नकुमारी, अवर कार्यपालक (हिंदी), डॉ. विकास आजाद, सहायक (अनुवाद) और डाक अनुभाग के कर्मचारी प्रेम व जयपाल का सक्रिय योगदान रहा। यह आयोजन मिधानि में राजभाषा हिंदी के प्रति बढ़ती प्रतिबद्धता, साहित्यिक चेतना और सांस्कृतिक समृद्धि का सशक्त उदाहरण सिद्ध हुआ।

अग्रवाल समाज मालकपेट युवा शाखा ने मालकपेट में भजन संध्या का आयोजन किया। इस अवसर पर अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष अनिरुद्ध कुमार अग्रवाल को सम्मानित किया।

महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद द्वारा निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन

हैदराबाद, 13 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद केंद्र द्वारा अपनी स्थायी परियोजना आई विजन सेंटर, आलेर कोल्लम पार्क में लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम आई हॉस्पिटल के सहयोग से एक निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया।यह निःशुल्क नेत्र जांच शिविर शांतिदेवी, दिलीप, लीना, सेजल एवं सिमरन सेठिया परिवार के सौजन्य से आयोजित किया गया।शिविर का संचालन चेयरमैन विनोद संचेती, प्रोजेक्ट कन्वेनर शील कुमार जैन तथा को-कन्वेनर अशोक खींचा के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुआ।शिविर में क्षेत्र के अनेक लोगों ने भाग लेकर अपनी आंखों की जांच करवाई और विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श प्राप्त किया। यह आयोजन समाज में नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रहा।इस सेवा कार्य में सहयोग प्रदान करने वालों मेंशीतल बरलोट, सीमा शील कुमार जैन तथा विनोद संचेती का विशेष योगदान रहा।

एनएमडीसी ने दोणिमलै में ठेकेदारों एवं सेवा प्रदाताओं की बैठक आयोजित की

हैदराबाद, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

एनएमडीसी ने 10 जनवरी 2026 को दोणिमलै में ठेकेदार सह सेवा प्रदाता बैठक का आयोजन किया। इस बैठक में ठेकेदारों, सेवा प्रदाताओं तथा वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया और निविदा प्रक्रिया तथा दैनिक परिचालन से जुड़े मुद्दों पर खुली एवं सार्थक चर्चा की।

बैठक का आयोजन श्री एस. बी. सिंह, अधिशासी निदेशक के मार्गदर्शन में किया गया, जिनके प्रोत्साहन से यह पहल परस्पर विचार-विमर्श के साथ एक सफल कार्यक्रम का रूप ले सकी। बैठक का उद्देश्य अनुभव साझा करने, व्यावहारिक चुनौतियों के समाधान पर चर्चा करने तथा निविदा प्रस्तुत करने और कार्यों एवं सेवाओं के निष्पादन के दौरान बेहतर समन्वय स्थापित करने के लिए एक साझा मंच उपलब्ध कराना था।

इस अवसर पर ए. के. मिश्रा, मुख्य महाप्रबंधक (वर्कस), डी. हंसदाह, मुख्य महाप्रबंधक (उत्पादन) सहित विभागाध्यक्ष एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। ठेकेदार संघ के सदस्यों ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया और विचार-विमर्श में सक्रिय योगदान दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत पारम्परिक दीप प्रज्वलन के साथ हुई, इसके पश्चात श्री राजशेखर एन., विभागाध्यक्ष (संविदा) ने स्वागत संबोधन में बेहतर समन्वय और कार्यों के समयबद्ध निष्पादन के महत्व पर प्रकाश डाला। निविदा से संबंधित विषयों पर प्रस्तुतियों और खुली चर्चा के माध्यम से ठेकेदारों को अपनी समस्याएँ और सुझाव साझा करने का अवसर मिला, जिनका एनएमडीसी की टीम द्वारा सत्र के दौरान समाधान किया गया।

संविदा विभाग के प्रयासों की सराहना करते हुए एस. बी. सिंह ने आशा व्यक्त की कि इस प्रकार के पारस्परिक विचार-विमर्श कार्य संबंधों को और अधिक सुदृढ़ बनाएँगे तथा परियोजनाओं के सुचारु निष्पादन में सहायक होंगे। बैठक का समापन सकारात्मक वातावरण में हुआ, जिसमें दोनों पक्षों ने भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन की आवश्यकता पर बल दिया।

सिखवाल ब्राह्मण समाज द्वारा श्री बाबा रामदेव जी महाराज का भव्य जागरण सम्पन्न

हैदराबाद, 13 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज भाग्यनगर के तत्वावधान में श्री राम दरबार पंचायती बाड़ा में श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ श्री बाबा रामदेव जी महाराज का भव्य जम्मा (जागरण) संपन्न हुआ।सायं 6:31 बजे बाबा रामदेव जी का विधि-विधान से अभिषेक एवं अलौकिक श्रृंगार किया गया। इसके पश्चात आरती सम्पन्न हुई और भजनों की अविरल गंगा प्रवाहित हुई।

जागरण में रामनिवास पाराशर, रामेश्वरलाल तिवारी (जाडण), श्याम सुंदर तिवारी, घनश्याम सैन, महावीर उपाध्याय (दिलवाले), गजाधर कोलरीया (गज्जु भाई), नंदकिशोर व्यास, बांके बिहारी ओझा, विष्णु उपाध्याय, दीपक उपाध्याय एवं पुरुषोत्तम उपाध्याय सहित प्रमुख भजन गायकों ने अपनी अमृतमयी, मधुर वाणी से बाबा के भजनों की गंगा प्रवाहित कर दी।भजनों की रसधार में डूबे धर्मप्रेमी भक्त जय बाबा री – जय बाबा री के जयघोष के साथ नाचते-गाते हुए भाव-विभोर नजर आए।रात्रि 12:31 बजे आरती के पश्चात सभी भक्तों ने अपाहार ग्रहण किया। मध्यांतर के बाद पुनः मधुर भजनों से पूरा भवन राममय हो गया।प्रातः 6 बजे तक भजनों की झड़ी लगी रही। इसके पश्चात प्रातः 6:11 बजे मंगला आरती संपन्न हुई और जागरण का विधिवत समापन हुआ। समापन अवसर पर सभी भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया।इस पावन अवसर पर सिखवाल ब्राह्मण समाज, सिखवाल सेवा संघ, सिखवाल युवा प्रकोष्ठ, सिखवाल समाज नागौर पट्टी (क्षेत्रीय) सहित समाज के सभी गणमान्य सदस्यगण एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

विश्व हिंदी दिवस 2026 का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 13 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत सरकार टकसाल, हैदराबाद में महाप्रबंधक (मा.सं) तथा अपर महाप्रबंधक(तक.परि) व संयुक्त महाप्रबंधक(वित्त एवं लेखा) की गरिमामय उपस्थिति में 10 जनवरी 2026 को विश्व हिंदी दिवस 2026 का आयोजन उत्साह और गौरव के साथ किया गया। अपर महाप्रबंधक (तक.परि) ने हिंदी भाषा के महत्व और वैश्विक स्तर पर उसकी भूमिका पर अपने संक्षिप्त विचार व्यक्त किए एवं कार्यक्रम के उद्देश्य को चिंहित करते हुए कार्यालय में हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित करने और भाषा के प्रति सम्मान की भावना को सुदृढ़ बनाने का आग्रह किया।

कार्यक्रम का उद्घाटन और अतिथियों का स्वागत कार्यालय के प्रबंधक (राजभाषा) ने किया तथा विश्व हिंदी दिवस-2026 के उद्देश्य पर व्याख्यान दिया कि हमारे पास राष्ट्रीय हिंदी दिवस (14 सितंबर) तो है ही, फिर मविश्व हिंदी दिवसफ क्यों मनाया जाए? राष्ट्रीय हिंदी दिवस भारत की सीमाओं के भीतर हिंदी के आधिकारिक उपयोग पर बल देता है, जबकि विश्व हिंदी दिवस का लक्ष्य हिंदी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित करना है एंव इसकी शुरुआत 10 जनवरी 1975 को नागपुर में आयोजित प्रथम मविश्व हिंदी सम्मेलनफ से हुई थी। उस समय 30 देशों के 122 प्रतिनिधियों ने इसमें भाग लिया था। इसी ऐतिहासिक दिन की स्मृति में, साल 2006 से भारत सरकार ने प्रतिवर्ष 10 जनवरी को मविश्व हिंदी दिवसफ के रूप में मनाने की घोषणा की।

राधे-राधे ग्रुप की सेवा समाज को नई दिशा दे रही है : अनिल अग्रवाल धरसुवाले

हैदराबाद, 13 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। समाज में सेवा, करुणा और मानवता की अलख जगा रहे राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस सेवा कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जरूरतमंदों, श्रद्धालुओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया तथा सैकड़ों लोगों को प्रेमपूर्वक भोजन कराया गया।इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए अनिल अग्रवाल धरसुवाले ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप की सेवा भावना आज समाज के लिए एक प्रेरणास्रोत बन चुकी है। संस्था द्वारा निःस्वार्थ भाव से किया जा रहा अन्नदान, मानव सेवा का सर्वोच्च रूप है, जो समाज को सकारात्मक दिशा देने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि जब समाज के कमजोर वर्ग के लोग सम्मान के साथ भोजन प्राप्त करते हैं, तब सच्चे अर्थों में मानवता जीवित रहती है।

उन्होंने आगे कहा कि राधे-राधे ग्रुप केवल भोजन वितरण ही नहीं कर रहा, बल्कि लोगों के दिलों में सेवा, सहयोग और सद्भाव के बीज भी बो रहा है। ऐसे कार्यों से समाज में एकता और भाईचारे की भावना मजबूत होती है। इस सेवा कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, विनोद तोष-णीवाल, अरुण विजयवर्गीय, राजेश सर (योग), गोविंद राम जी, अनिल भाई, लता गोयल, नीलम विजयवर्गीय, अर्चना शास्त्री एवं रेणु शास्त्री सहित अनेक सेवाभावी सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने पूरे समर्पण और अनुशासन के साथ अन्नदान सेवा में सहयोग किया।

जगन्नाथ मठ में श्री गोदा रंगनाथ कल्याण उत्सव धूमधाम से सम्पन्न

हैदराबाद, 13 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री जगन्नाथ मठ सीताराम बाग में रविवार दि. 11 जनवरी 2026 को सायं 6.03 बजे से श्री गोदा रंगनाथ कल्याण उत्सव बडे धूम धाम से मनाया गया

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में महंत अच्युत रामानुजाचार्य अजय स्वामी ने बताया कि वैकुंठवासी श्रीश्रीश्री त्रिदण्डी श्रीनिवास व्रतधर नारायण रामानुर्जा जीयर स्वामीजी के आशिर्वाद से श्री जगन्नाथ मठ (माधवदास झीरा) के तत्वावधान मे श्री जगन्नाथ मठ (माधवदास झीरा) सीताराम वाग मे श्री गोदा रंगनाथ कल्याण उत्सव श्री श्री श्री संपत अष्टाक्षरी जीयर स्वामीजी के पावन सानिध्य मे बडे धूम धाम से मनाया गया ।

अवसर पर परिवाझाकाचार्यालू श्री श्री श्री संपत अष्टाक्षरी जीयर स्वामीजी जी ने कहा की श्री जगन्नाथ मठ में परम्पद्राशी श्री श्री श्री श्रीनिवास व्रतधर जीयर स्वामीजी को याद करके हम सभ को मंग्लाशशन दिया । मठादिपति अच्युत रामानुज चार्य ने श्री गोदा माता के की कहानी पर प्रकाश डाला ।

अच्युत रामानुजाचार्य ने आगे कहा कि विरासतः गोदा देवी 12 आळवारों (संत कवियों) में एकमात्र महिला थीं और उनके थिरुप्पावै के 143 पद आज भी वैष्णव भक्ति का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उन्हें दक्षिण भारत में भूमि देवी या पृथ्वी माता का अवतार भी माना है। यह कहानी प्रेम, भक्ति और समर्पण की एक शाश्वत गाथा है, जो गोदा माता और भगवान रंगनाथ के दिव्य प्रेम को दर्शाती है

श्री जगन्नाथ मठ कल्याण उत्सव के मुख्य यजमान श्री केदारमल राजेन्द्र प्रसाद केडिया गोशामहल परिवार के द्वारा प्रति वर्ष की तरह पूजा अर्चना और कल्याण उत्सव किया गया। प्रति दिन प्रात भजन में नित्य कांता अग्रवाल, निर्मला सोनी, मधुबाला उपाध्याय, प्रेमा रेणुका सोनी, स्वीकृत रामानुज पसुर गायन में श्री गोपाल सोनी, बठुख विद्यार्थी एवं विद्यालय गुरुजन प्रति दिन गोदा माता के थिश पसुर का व्याख्यान, अच्युत रामानुज स्वामीजी के द्वारा भक्तो को अनुवादित की गयी । नित्य प्रसाद एक माह विशेष गोष्ठी सहयोगी : - वद्री प्रसाद अंकित सारडा (रामलाल जी गंगाबिशन जी सारडा), बृजलाल निर्मला बांगड़, श्रीनिवास राधा लोया, शोभा चंद जी शिव जी राम लोया, सरोज वेणु अग्रवाल,अशोक बंग, प्रमोद कुमार भुवानिया, सूर्या सिंह, पवन कुमार केडिया, रामनिवास जी श्याम जी लहोठी, गोपी किशन अरुण भांगडिया, भवरलाल गोविन्द असावा, रमेश कुमार निर्मला भालोटिया, रुपेश अगर्वाल, सूरजमल गुलाब चंद देवडा, संतोष मनोहर देवडा, मुकुंद लाल डोभा, अरुणा किशोरे अग्रवाल, लक्ष्मी नारायण कैलाश चंद मनियार, सुरेश वियानी ।

11 जनवरी कल्याण उत्सव यजमान :- श्री केदारमल जी राजेंद्र प्रसाद जी पवन कुमार केडिया, गोशामहल । 11 जनवरी 108 कलश खीराण का भोग उदयराम नारायणदास भराडिया (श्री वैष्णव सत्संग मंडल सुल्तान बाजार) के द्वारा एवं समस्त भक्त व्रिद । सेवा में नित्य अनेख भक्तो द्वारा सेवा प्रधान की गहि भक्तो ने प्रति दिन 400 लोगो को एवं उत्सव रविवार को 1200 लोगो को प्रसादी वितरण मठ में किया गया। प्रति रविवार विशेष उत्सव अयोजन किये गए ।

प्रचार संयोजक रिद्धीश जागीरदार ने बताया की प्रति दिन सेवा मे निम्न भक्त श्रीयो ने सहयोग प्रदान कीया जिन्मे गोपाल निर्मला सोनी, डी पी शर्मा, वेणुगोपाल कांता लोया, रामनिवासजी श्यामसुंदर लाहोटी, आलोक कुमार शुक्ला, मेघराज अग्रवाल, हीरानंद रामसुख इन्नानी, विनोद बंग, नीरज सिंह यादव, महेंद्र सिंगनौडिया, गजानंद अग्रवाल, हरिप्रसाद उमा चांडक, जसमतभाई पटेल, कैलाश नारायण भाँगड़िया, अर्जुन लाल अग्रवाल, सत्यानारायण लोया, पुरुषोत्तम दास लाहोटी, डॉ अनंत कावरा, गोपी किशन वंग, दिलीप अग्रवाल, विष्णु शर्मा, श्रीराम शर्मा, नारायणदास पवन भराड़िया, पवन ङ्गङ्ख कुमार केडिया, बद्री प्रसाद सारडा, चुन्नीलाल बृजलाल वांगड़, गुलाब चंद देवड़ा, नरसिंह दास कासट, पी. सुब्बाराव, रमेश गुप्ता, शोभा, सीएच रमनय्या, वरकुमार गुप्ता, विठ्ठल, श्रीधर, वम्शी, रामकृष्ण अङ्की, अरुण ज्योति, दिव्या रमना चक्रवर्ती, साई रेड्डी, डॉ नर्सिंग राव, पशुमती रामलक्ष्मी, कांती रेखा, कलावती, आनंदसिंगनोडिया, सोहन लाल अग्रवाल, बजरंग प्रसाद गोयल, राधे श्याम राठी, कांता देवी अग्रवाल, अरुणभाँगड़िय, गोकुलदास सोनी, दीनबंधु अग्रवाल, सुरेश बियानी, आनंद लोया, दामोदरदास मूंदड़ा, शकुंतला लोया, कमल अग्रवाल, तोरल रिद्धीश जागीरदार, विक्रम चांडक, तरुण मेहता, भगवान दास गिलड़ा, ओमप्रकाश अग्रवाल, ऊषा अग्रवाल, शकुंतला नावंदर, रूबी मिश्रा, जयश्री सुदर्शन, कांता नरेड़ी, सुनीता चौधरी, राजेश अग्रवाल, सरोज गोयल, कलावती जाजू, अरुणा किशोर अग्रवाल, वीना कावरा, रमेश कुमार मोदानी, रवि हेडा, रेखा धूत, कमलेश मोहनिया गुप्ता, रमेश भालोटिया, रविंद्र कुमार भालोटिया, सरोज अग्रवाल, कमल किशोर कांकाणी, नथमल कैलाश डालिया, गोपाल भंडारी, वीरेंद्र अग्रवाल, वेणु गोपाल खंडेलवाल, पुरुषोत्तम लाला महाराज, महावीर प्रसाद जोशी, सुनीता गौड़, मंजू केडिया, पदमा केडिया, कैलाश करुणा अट्टल, बृज गोपाल भुतड़ा, अनिल मिश्रा, भगवान पंसारी, गोविन्द राठी, रमेशकुमार बंग, कैलाशचंद्र मनियार, वृज गोपाल जाजू, शिल्पाशर्मा, सुरेश मधुवाला उपाध्याय, श्याम सुंदर दायमा, सुनीता तोन्दावाले, संतोष वाई दिल्ली वाले, अवंतिका गुप्ता, सुशीला अग्रवाल, रामप्रसाद गोयल, ओमप्रकासगुप्ता, वेणु गोपाल जाजू, वल्लभ निर्मला लोया, वाला प्रसाद सूर्यकांता नावंदर, दुर्गा प्रसाद दुबे, राजेश केडिया, लक्ष्मी निवास आसावा, भगवानदास सांखला, प्रमोदकुमार भुवानिया, सतीश अग्रवाल, गोविंद राम अग्रवाल, सुरेंद्र अग्रवाल, मदन मोहन दरक, शशिकांत अग्रवाल, राधाकिशन भुतड़ा, बंकटलाल हरी नारायण राठी, भवरलाल गोविंद आसावा, सतीश जाजू, चंपालाल जाजू, अवधेश दायमा, अमित अग्रवाल, अनिल बजाज, अरुणा राकेश गुप्ता, प्रवीण फिटकिरीवाल, प्रकाशचंद विजयवर्गीय, जयपाल सिंह, आशीष काकड़ा, विष्णु कडेल, पप्पू पाटिल, जितेंद्र अवस्थी, श्याम सुन्दर वर्मा, चंदूलाल पटवारी, सत्यानारायण वालोदिया, ओम प्रकाशखंडेलवाल, प्रभातीलाल गोयनका, परमानंद बंसल, नरेंद्र गोयल, दीपक अग्रवाल, जगदम्बा अग्रवाल, नंदू खंडेलवाल, रत्न खंडेलवाल, सुनील अग्रवाल, रामदेवनगला, हरी किशन ओझा, राम नारायण काबरा, केदार शर्मा, अरविंद केडिया, भीम अग्रवाल, महेंद्र अग्रवाल, बलवीर पांडे, प्रेम अग्रवाल, मनोज जोशी, नंदू अग्रवाल, एस के वियानी, अनिल भाँगड़िया, सुरेश वियानी, कुलदीप व्यास, गोपाल बलदवा, राज हंस राय वर्मा, राहुल अवस्थी, आलोक प्रसाद तिवारी, रूपेश प्रसाद तिवारी, धीरज शुक्ला, सुरेंद्र मिश्रा, प्रशांत पांडे, रूपेश शर्मा, प्रेमा दायमा, अनिरूद अग्रवाल, सुरेश कुमार अग्रवाल, घनश्याम दास राठी, सुधा गनेरीवाल, श्रीनिवासङ्गङ्ग शुक्ला, लक्ष्मण शर्मा, जगदीश संतोष लोया, विजय अग्रवाल, गोविंद अग्रवाल, डालसी बाई शर्मा, पवन शर्मा, बृज गोपाल मूंदड़ा, सतीश अग्रवाल, प्रेम लता अग्रवाल, लता लहोटी, सोनू मिश्रा, अमित मिश्रा, करुणा, सर्शी बाई राठी, कांता बाई अग्रवाल, नीलम नार्निया, अशोक कुमार बंग, सुमनलता दीवान, भावनाओझा, धनराज सोनी, राज गोपाल काबरा, प्रविण चार्य, शीतला प्रसाद तिवारी, सुखदेव श्रीनिवास लोया, अनिरुद्ध अवस्थी, राजन गुप्ता, रामचंदर किशनलालकाबरा, संतोष देवड़ा, रमेश हेडा, पुरूषोतम लडा, मुकुंद दास परतानी, लाला महाराज मंगलाहट, चिदम्बरम महाराज, गिरधाराचारी महराज, रघु महाराज,कन्हैयालाल ओझा, हनुमानप्रसाद डागा, गोकुलचन्द उपाध्याय, राजेन्द्र झंवर, देवकरण जांगीड, मिट्ठालाल, गोविन्द मुन्दडा, मोहन मुन्दडा, बाबूलाल परमार, विजय दीक्षित, भरत कंलत्री, ओमप्रकाश तंवर, ओमप्रकाश मुन्दडा, प्रेमकुमार कांकाणी, रामेश्वर बंग, राकेश शर्मा, द्वारकाप्रसाद तिवारी, महावीर महाराज, माधुरी मर्दा, हेमंत सारडा, . हरिनारायण व्यास, अक्षय रामानुज, अशोक डागा, केशवलाल डागा, नितेश अग्रवाल, नितेश चौधरी, धमेन्द्र गोयल, मुकेश कुमार जैन, रविकुमार जैन, वेद शक्ला, राजेश तोष्णीवाल, धिरज डागा, बालकिशन झंवर, किरण मालपाणी, विजय माहेश्वरी, तालाराम माली, प्रविण सिंह, प्रद्मा सारडा, राजेश भाटी, शांतादेवी अग्रवाल, अशिष दिक्षीत, बीएल सोनी, दिनेश लाहोटी, किशोरमल माली, जुगलकिशोर बल्दवा, नारायणदास मुन्दडा, विपिन मोहता, तुलसीराम बंसल,एलएन श्रीनिवास, राजेश नागला, सिद्धार्थ गिल्डा, पन्नालाल भाटी, नवनीत सोनी, मांगीलाल कुमार, सुष्मा गुप्ता, सुनील गुप्ता, हेमलता शर्मा, रुपेश काकडा, मुकेशकुमार लोया, रमेश अग्रवाल, बृजमोहनदास बजाज, सपना भाटी, सुरेखा राव, सुर्या सिंह, अनुप सारडा, रुपा अग्रवाल, पुनम बाई, राकेश शर्मा, तनुजा व्यास, माधवी, श्रीक्षा, प्रवीणचारी, शंशीकान्त सोनी, जुगलकिशोर सोनी, नवीनकुमार, श्याम बंग, शितल सोनी, श्यामसुन्दर मिश्रा, शत्रुघ्न तिवारी, इंदु अग्रवाल, अर्चना सोरेवाले, इन्दुबाला लोया, नारायण शर्मा, किरण मुन्दडा, घनश्याम झंवर, वंसत भागडिया, नारायणदास लोया, नरेन्द्र योगा गुरु वेद तिवारी, पुष्पा गुप्ता, मुकेश अग्रवाल, महेन्द्र गुप्ता, घनश्यामदास बजाज, निता परतानी, निता लोया, निर्मला कांकाणी, लक्ष्मीकान्त इन्नाणी, कमलकिशोर राठी, अमित लड्डा, मुकुंददास परतानी,धर्मराम ढाका, उदित पित्ती, विनोद काबरा, हरिदर्शन स्वामीजी, कमलेश स्वामीजी, मनोहर देवडा, पिताम्बर पुरोहित, प्रकाशचन्द विजयवर्गीय, शर्मीला मालाणी, विजया बंग, राजेशकुमार तोतला, भागीरथ गोविंद अट्टल, मुरलीमनोहर पलोड, विनय तिवारी, नरसींग हरि संतोष लखोटिया, अनिल जायलवाल, वेणुगोपाल बंग, शंकर आनन्द कौशीक, कृष्णा आर्ट, संजय जैन, तुलजा सिंह, गोकुल सिंह, महेन्द्र इन्नाणी, निर्मला लाहोटी, सुरज ठाकुर, शंशीकला दीदी (भाग्यलक्ष्मी मन्दिर), स्नेहा राठी, मधुसुदन शर्मा, रुपेश अग्रवाल, विकास शुक्ला, डॉ अशांक मिश्रा, आनन्द वर्मा, सुरेश मंजु लाहोटी, पकुल अग्रवाल, लक्ष्मीकान्तबजाज, विजय राघवाचारी, नन्दनी देवडा, चिदम्बर मिश्रा, केशवलाल डागा, प्रेम कांकाणी, अनसुया गनेरीवाल, विष्णु शर्मा, जगदम्बा अग्रवाल, देवेन्द्र झंवर, रजना ङ्गङ्खशाह, नितिन शर्मा, शर्मीला मालाणी, एल. एन. मालाणी, बंकटलाल नारायणदास लोया, रामानन्द लोया, गोविन्दराम राधेश्याम लोया, पुष्पा दरक, पुनम कांकाणी, लक्ष्मीनिवास लोया, मुरली लोया, मंजुश्री कांकाणी, श्याम लोया, दामोदर मुन्दडा, पद्या लोया, राम लोया, स्नेहलत्ता अग्रवाल, कुसुम अग्रवाल, महाविर प्रसाद अग्रवाल, रामकिशन अग्रवाल, प्रभुदयाल अग्रवाल, अग्रवाल, ओमप्रकाश अग्रवाल, हार्दिक अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, विजय अग्रवाल, आन आनन्द वैद, राजेश शर्मा, कमलेशअग्रवाल, श्री चुन्नीलाल दुर्गाप्रसाद विद्या ट्रस्ट (चेन्नई), शांता वंसता ट्रस्ट, श्री वैष्णव सत्संग मंडल, लव फॉर काऊ फाउंडेशन, श्री लक्ष्मी नारायण सेवा समिति, कान्यकुब्ज ब्राह्मण समिति, बाल मित्र सेवा समिति, राम भरोसे ग्रुप, गायत्री कैनवसिंग, प्लास्टिक इंडस्ट्री, प्रगति ट्रांसपोर्ट, श्री अष्टकोणी रामदेवरा प्रभात फेरी इश्वरङ्खङ्गबाजार, गोवस्य फाउण्डेशन, ऑल इन्डीया रिनेवेशन ट्रस्ट, हैदरावाद सिकन्दरा सुन्दर काण्ड मनिहला समिती, निस्वार्थ सेवा दल, सितारामबाग उत्सव समिती, श्री जगन्नाथ रथ यात्रा महोत्सव ज्ञानबाग समिति एवं सभी भक्तजन का सहयोग प्राप्त हुआ ।

स्थानकवासी बॉक्स क्रिकेट लीग सीजन12 सम्पन्न

माइटी डेमोंस ने लगातार दूसरी बार जीता खिताब

हुब्बल्ली, 13 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। नवकार नवयुवक मंडल, हुबली द्वारा कुसुगल रोड स्थित स्पोर्ट्स पार्क में आयोजित स्थानकवासी बॉक्स क्रिकेट लीग सीजन02 का भव्य एवं सफल आयोजन संपन्न हुआ। इस प्रतियोगिता में कुल 14 टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रतियोगिता का शुभारंभ नवकार मंत्र की स्तुति के पश्चात राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री एवं बेलगाम के लोकप्रिय सांसद जगदीश शेट्टर, स्थानकवासी समाज के अध्यक्ष उकचंद बाफना, पूर्व अध्यक्ष श्री महेन्द्र सिंघी, गौरव अध्यक्ष बाबूलाल पारेख, कार्याध्यक्ष गौतम भुरट, मंत्री प्रकाश कटारिया, मंडल अध्यक्ष गौरव जैन एवं मंत्री राकेश डंक, चेयरमैन अजित कटारिया द्वारा रिबन काटकर किया गया। अतिथियों एवं प्रायोजकों द्वारा गुब्बारे उड़ाकर प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन किया गया।

उद्घाटन अवसर पर संबोधित करते हुए स्थानकवासी समाज के पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र सिंघी ने सभी टीमों के खिलाड़ियों एवं टीम मालिकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि समाज को जोड़ने के उद्देश्य से नवकार नवयुवक मंडल के युवाओं द्वारा किया गया यह प्रयास सराहनीय है और हम सभी को इन युवाओं पर गर्व है। साथ ही उन्होंने मंडल के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को धन्यवाद देते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों के लिए प्रेरित किया।

लीग मैचों के पश्चात माइटी डेमोंस, पावर हीटर्स, हार्डवेयर सेंट्रल, स्टरलाइट सहित चार टीमें सेमीफाइनल में पहुँचीं। डे-नाइट प्रारूप में खेले गए सेमीफाइनल मुकाबलों में माइटी डेमोन्स एवं पावर हीटर्स ने अपने-अपने प्रतिद्वंद्वियों को पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मैच में दोनों टीमों के बीच कड़ा और रोमांचक संघर्ष देखने को मिला। अंततः माइटी डेमोंस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पावर हीटर्स को कांटे के मुकाबले में हराकर लगातार दूसरी बार खिताब अपने नाम किया।पूरी प्रतियोगिता के दौरान नरेश गांधी एवं आयुष जैन की शानदार कमेंट्री ने दर्शकों को खेल से अंत तक जोड़े रखा।

समापन समारोह में स्थानकवासी समाज के अध्यक्ष उकचंद बाफना ने अपने उद्बोधन में सभी खिलाड़ियों की खेल भावना की सराहना की तथा सफल आयोजन के लिए आयोजक नवकार मंडल को बधाई एवं धन्यवाद दिया। मंडल अध्यक्ष गौरव जैन एवं चेयरमैन अजित कटारिया ने कहा कि स्थानकवासी समाज, संघ के पदाधिकारियों तथा सभी प्रायोजकों का भरपूर सहयोग इस आयोजन की सफलता का आधार रहा, जिसके लिए पूरा मंडल आभारी है।इस अवसर पर मंडल के विक्रम सुराणा, अरुण भंडारी, नवीन चाणोदिया, गिरीश बागरेचा, चंद्रकुमार कांकरिया, सिद्धार्थ मेहता, अभिषेक कानुंगा, अरिहंत तालेड़ा, आशीष भंसाली, विक्रम गोलेछा, आनंद वडेरा, विक्रम गुलेछा, संतोष भलघट, महावीर डंक सहित बड़ी संख्या में स्थानकवासी समाज के महिलाये बच्चे एवं पुरुष उपस्थित रहे।

डीजीपी ने लॉन्च किया कॉल फॉर ब्लड ऐप

हैदराबाद, 13 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी ने मंगलवार को कॉल फॉर ब्लड नामक एक वेब एप्लिकेशन लॉन्च किया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य आपातकालीन स्थितियों में मरीजों को बिना किसी देरी के रक्तदाता (ब्लड डोनर) उपलब्ध कराना है। यह ऐप दाताओं और प्राप्तकर्ताओं के बीच संचार को तेज और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आधुनिक तकनीक से लैस है।मकॉल फॉर ब्लडफ फाउंडेशन के तत्वावधान में विकसित इस ऐप की सबसे बड़ी विशेषता डेटा सुरक्षा और गोपनीयता है। ऐप की मुख्य विशेषताएं निम्नलिखित हैं:गोपनीयता: रक्तदाताओं की व्यक्तिगत जानकारी पूरी तरह सुरक्षित रखी जाएगी।दान के बाद विश्राम अवधि: रक्तदान करने के बाद, दाता का विवरण एक निश्चित अवधि के लिए सिस्टम से छिपाने का विकल्प दिया गया है, ताकि उन्हें बार-बार कॉल न आए।

नियमित सेवा कोई आसान कार्य नहीं : आशीष नेमानी

हैदराबाद, 13 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में जारी नियमित अन्नदान कार्यक्रम के दौरान हम दो श्याम प्रेमी ग्रेटर हैदराबाद के संयोजक आशीष नेमानी अपनी टीम के साथ उपस्थित हुए। इस अवसर पर राधे-राधे ग्रुप की ओर से उनका आत्मीय सम्मान किया गया।

इस अवसर पर आशीष नेमानी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि नियमित सेवावह भी पूरे वर्ष प्रतिदिन बिना किसी रुकावट के करनाकोई आसान कार्य नहीं है। यह केवल परमपिता परमात्मा और श्री राधे रानी की असीम कृपा से ही संभव हो पाता है। उन्होंने राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा किए जा रहे निरंतर सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्था समाज के जरूरतमंद लोगों के लिए आशा की किरण बन चुकी है।उन्होंने कहा कि जब सेवा भावना निः स्वार्थ होती है, तभी उसका वास्तविक प्रभाव समाज पर दिखाई देता है। राधे-राधे ग्रुप जिस समर्पण, अनुशासन और नियमितता के साथ सेवा कार्य कर रहा है, वह निश्चित रूप से अनुकरणीय है और अन्य सामाजिक संगठनों के लिए प्रेरणास्रोत भी है।

इस अवसर पर रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, ई-जगन (चम्पापेट), महेश अग्रवाल, गौरव गोयल, भार्खा गोयल, अनीता नथानी, राजेश नथानी, आशीष संघी, आशीष नेमानी, सोनाली अग्रवाल, योगेश अग्रवाल, दर्श अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, कमला कुमावत,मनीष अग्रवाल, कैलाशचंद केडिया तथा निर्मला केडिया सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

सभी ने एकजुट होकर समाज सेवा को और अधिक व्यापक बनाने तथा जरूरतमंदों तक निरंतर सहायता पहुँचाने का संकल्प दोहराया।

चारमीनार केपास पी. जनार्दन रेड्डी की 78वीं जयंती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस के अध्यक्ष पी. राजेश वाल्मीकि सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

हाइलाईफ ब्राइड्स फैशन और लाइफस्टाइल प्रदर्शनी 23 से

हैदराबाद, 13 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। वेडिंग वियर, ब्राइडल फैशन और लाइफस्टाइल की सबसे बड़ी प्रदर्शनी, हाइलाईफ अपनी वापसी के लिए तैयार है। एक शानदार ग्रैंड फैशन शोकेस इवेंट के दौरान इस बहुप्रतीक्षित प्रदर्शनी की तारीखों की आधिकारिक घोषणा की गई। यह प्रदर्शनी शादी की खरीदारी, आभूषण और फैशन के शौकीनों के लिए भारत के सबसे बड़े आयोजनों में से एक मानी जाती है।

हैदराबाद में आयोजित इस घोषणा समारोह में फिल्मी सितारों और ग्लैमर जगत की हस्तियों ने अपनी मौजूदगी से चार चाँद लगा दिए। अभिनेत्री कामाक्षी भास्करला, चांदनी भगवानानी, रितिका चक्रवर्ती, प्रियंका चौधरी और मिस इंडिया तेलंगाना-2023 उर्मिला चौहान सहित कई मशहूर हस्तियां और फैशन जगत के दिग्गज इस इवेंट का हिस्सा बने। इन सितारों ने आगामी प्रदर्शनी के लिए अपना उत्साह साझा किया और तारीखों का अनावरण किया।

हाइलाईफ ब्राइड्स प्रदर्शनी का आयोजन 23, 24 और 25 जनवरी, 2026 को हैदराबाद के एचआईसीसी नोवोटेल में किया जाएगा। तीन दिनों तक चलने वाले इस उत्सव में देश भर के शीर्ष डिजाइनरों के ब्राइडल कलेक्शन, एक्सक्लूसिव ज्वेलरी, बेहतरीन लाइफस्टाइल उत्पाद और बहुत कुछ एक ही छत के नीचे उपलब्ध होगा।

यह प्रदर्शनी उन लोगों के लिए एक बेहतरीन अवसर है जो अपनी शादी या विशेष अवसरों के लिए नवीनतम ट्रेंड्स की तलाश में हैं। हाई-एंड फैशन से लेकर पारंपरिक शिल्पकारी तक, यह इवेंट हैदराबाद के फैशन प्रेमियों को एक विश्वस्तरीय अनुभव देने का वादा करता है। प्रसिद्ध मॉडल्स और मशहूर हस्तियों ने इस आयोजन को भव्य बनाने के लिए विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है।

कैलाश मठ में श्री शिव महापुराण कथा का तृतीय दिवस

शिव–सती एवं माता पार्वती जन्म प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन

मथुरा, 13 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। पावन नगरी वाराणसी स्थित कैलाश मठ में आयोजित सप्तदिवसीय श्री शिव महापुराण कथा के तृतीय दिवस का आयोजन श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ।

इस अवसर पर श्रीश्री 1008 महामण्डलेश्वर स्वामी आशुतोषानन्द गिरि जी महाराज के पावन सान्निध्य में बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तों ने श्री शिव महापुराण की दिव्य कथाओं का भावपूर्ण श्रवण किया।

कथा के तृतीय दिवस पूज्य महाराज श्री द्वारा भगवान शिव एवं माता सती के पावन प्रसंग का विस्तारपूर्वक, भावनात्मक एवं प्रेरणादायक वर्णन किया गया।

महाराज श्री ने बताया कि शिव–सती का संबंध केवल दांपत्य नहीं, बल्कि त्याग, तपस्या और परम भक्ति का अद्भुत उदाहरण है।

इसके साथ ही कथा में माता पार्वती के जन्म प्रसंग का भी सुंदर एवं सारगर्भित वर्णन किया गया।

आज के प्रसंग के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि सच्ची भक्ति, संयम और तपस्या कभी निष्फल नहीं जाती तथा ईश्वर की कृपा अवश्य प्राप्त होती है।

पूज्य महाराज श्री ने अपने प्रवचन में कहा कि जो भक्त श्रद्धा, विश्वास एवं नियमपूर्वक भगवान शिव की उपासना करता है, उसके जीवन से समस्त कष्ट, बाधाएं एवं नकारात्मकता स्वतः दूर हो जाती हैं और उसे शिवकृपा की अनुभूति होती है।

पूरे कथा परिसर में हर–हर महादेव के जयघोष से वातावरण पूर्णतः शिवमय हो उठा। कथा श्रवण के दौरान श्रद्धालु भक्त भाव–विभोर दिखाई दिए।

इस पावन कथा के आयोजक– रामाअवतार राजेंद्र शर्मा जी एवं श्री महेंद्र शर्मा जी (आश्रत परिवार), शक्कर कोटा, चारकमान, हैदराबाद द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु नित्य प्रसादी भंडारा एवं अन्य समुचित व्यवस्थाएं की गई हैं।

डी शिव महापुराण कथा आगामी दिनों तक प्रतिदिन जारी रहेगी, जिसमें श्रद्धालुओं को शिव महिमा से जुड़े विविध दिव्य, आध्यात्मिक एवं कल्याणकारी प्रसंगों का श्रवण लाभ प्राप्त होगा।कथा का नित्य लाइव प्रसारण पूज्य महाराज श्री के आधिकारिक यूट्यूब चैनल Swami Ashutoshanand पर किया जा रहा है।

400 वर्ष प्राचीन मठ मंदिर – श्री सखी बाबा मठ में आयोजित धनुर्मास महोत्सव के अन्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में दर्शन एवं प्रसाद लाभ प्राप्त करते हुए महेश बैंक के पूर्व चेयरमैन रमेश कुमार, डॉ. श्यामसुन्दर लोहिया, गोविन्दनारायण राठी, कमला राठी, कैलाशनारायण भांगडिया एवं महंत ठाकुरदास।

संक्रांति पर्व के शुभ अवसर पर गांधी भवन में एक विशेष समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति (पीसीसी) के अध्यक्ष माहेश कुमार गौड़ ने शिरकत की। समारोह में तेलंगाना सरकार के सलाहकार वेणु गोपाल और पीसीसी सचिव रंधीर सिंह ठाकुर भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

अंडरवाटर स्पोर्ट्स फिनस्विसिंग एसोसिएशन तेलंगाना द्वारा ब्लू डॉल्फिन स्विम क्लब, शिवरामपल्ली में आयोजित मोनो फिन 50 मीटर प्रतियोगिता में गरिमा मिश्रा ने 38.7 सेकंड के साथ स्वर्ण पदक जीतने पर बधाई देते हुए महेश बैंक के पूर्व चेयरमैन रमेश कुमार बंग, डॉ. श्यामसुन्दर लोहिया, महंत ठाकुरदास एवं पूनम मिश्रा ।

गांग परिवार द्वारा जैन तीर्थ कुलपाकजी की सफल तीर्थ यात्रा सम्पन्न

संघपति शारदा देवी पूनमचंद गांग के सान्निध्य में दो बसों से निकली यात्रा

हैदराबाद, 13 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। चुन्नीलाल घेवरचंद गांग परिवार, गोशमहल द्वारा सोमवार, 12 जनवरी 2026 को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि गांग परिवार द्वारा जैन तीर्थ आलेर स्थित कुलपाकजी की भव्य तीर्थ यात्रा का आयोजन किया गया।

इस यात्रा में संघपति शारदा देवी पूनमचंद गांग, अनिता प्रमोद कुमार गांग जैन के नेतृत्व में दो बसों द्वारा सभी तीर्थयात्री कुलपाकजी तीर्थ पहुँचे, जहाँ विधिवत पूजा–अर्चना की गई।

पूजा उपरांत सभी तीर्थयात्रियों ने कुलपाकजी में प्रसाद ग्रहण किया।

इसके पश्चात यात्रा गुरु गणेशमल जी धाम पहुँची, जहाँ सभी श्रद्धालुओं ने सामूहिक जाप किया एवं वहाँ भी प्रसाद ग्रहण किया।

इसके बाद यात्रा गोशमहल लौटकर विधिवत रूप से संपन्न हुई।

इस पावन अवसर पर भीखा बाई गांग, वीणा बाई गांग, विद्या अनिल गांग, राखी सुनील गांग, मोहित, रोशनी गांग, रोहिणी विनय गांग, कल्पना सुनील खींवसर, वंदना नवीन अलीजर, योगीता प्रवीण अलीजर, रेखा सचिन अलीजर, चीकू नितिन अलीजर, ललिता महेश चोरड़िया, डिंपल कमल कोठारी, कविता बडेरा, सुप्रिया चेतन देवदा, वर्षा प्रशांत गो–लेछा, बिंदिया विकी शेरू तातेड, मोनिका साथीन भंडारी, चंद्र प्रकाश भंडारी, आनंद भंडारी, सुनीता सुमेश झाबाक, दीपाली लोढ़ा, मोहित गांग, रोशनी गांग, लक्षिता गांग, सम्यक गोलेछा, नींव गोलेछा, छवि कोठारी, वैशाली आलिजार, मोनू आलिजार, पूर्वी सहित अन्य सभी श्रद्धालुओं ने मिलकर संघपति शारदा देवी पूनमचंद गांग एवं अनिता प्रमोद गांग का सम्मान किया।

इस अवसर पर प्रमोद कुमार गांग जैन ने यात्रा में सहभागी सभी श्रद्धालुओं का आभार प्रकट किया।गुरु गणेश धाम में सभी श्रद्धालुओं ने महासती राजमती जी म. सा. आदि ठाणा तीन के दर्शन–वंदन कर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त किया।

ड्यूटी पर जा रहे एएसआई चाइना मांझा की चपेट में आए, गला कटने से गंभीर घायल

हैदराबाद, 13 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के नल्लकुंटा पुलिस स्टेशन में तैनात एक सहायक उप–निरीक्षक (एएसआई) ड्यूटी पर जाते समय प्रतिबंधित चाइना मांझा का शिकार हो गए। इस हादसे में उनके गले पर गंभीर चोटें आई हैं, जिससे पुलिस विभाग और स्थानीय निवासियों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।जानकारी के अनुसार, एए–सआई नागराजू अपने दोपहिया

वाहन से ड्यूटी के लिए जा रहे थे। रास्ते में अचानक पतंग का घातक चाइना मांझा (कांच की परत वाला धागा) उनके गले में फंस गया। धागे की धार इतनी तेज थी कि उनका गला बुरी तरह कट गया और वे सड़क पर गिर पड़े। उन्हें तुरंत लहूलुहान हालत में नजदीकी अस्पताल ले जाया गया।गंभीर स्थिति को देखते हुए नागराजू को तुरंत एलबी नगर स्थित कामिनेनी अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के अनुसार, उनके गले में गहरी चोट आई थी, जिसके लिए तत्काल चिकित्सा प्रक्रिया शुरू की गई। राहत की बात यह है कि समय पर इलाज मिलने के कारण उनकी स्थिति फिलहाल स्थिर बनी हुई है और वे डॉक्टरों की निगरानी में हैं।संक्रांति के त्योहार के आसपास अक्सर इस तरह की घटनाएं सामने आती हैं। सरकार ने चाइना मांझा की बिक्री और उपयोग पर सख्त प्रतिबंध लगा रखा है क्योंकि यह न केवल इंसानों बल्कि पक्षियों के लिए भी जानलेवा साबित होता है। पुलिस अब इस मामले की जांच कर रही है कि प्रतिबंधित मांझा कहाँ से आया और इसे बेचने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

स्वामी विवेकानंद एवं राजमाता जिजाऊ जयंती कार्यक्रम श्री विठ्ठल रुक्मिणी मंदिर , सरदार पटेल, गौलिपुरा में आयोजित हुआ। जिसमें डीएसआई आखिल छत्रीनाका पुलिस स्टेशन, एई फाउंडेशन से श्रीमती संगीता, प्रवीण बागडीजी, जे. चन्द्रशेखर जी, मंदिर के अध्यक्ष विलासराव मदने, शंकर दांडगे, धनराज जी, शंकर नायक जी, सूर्यकांतजी विजय कुमारजी, राजेश्वर जी उपस्थित थे।

IN THE COURT OF THE HONORABLE SENIOR CIVIL JUDGE, CITY CIVIL COURTS At Hyderabad
S.OP. No: 144 of 2025

BETWEEN:
1. Mrs. Meena Batta w/o Late. Rajender Kumar Batta, aged about 70 years, Occ: House wife, r/o of H.No: 3-4-842, Flat no. 102, Rajrishi Apartments, Barkatpura, Hyderabad, Telangana.
2. Mr. Rahul Batta s/o Late. Rajender Kumar Batta, aged about 41 years, Occ: Private Service, r/o of H.No: 3-4-842, Flat no. 102, Rajrishi Apartments, Barkatpura, Hyderabad, Telangana.
3. Mrs. Ritu Wadhwa, w/o Shri Jitendra Singh Wadhwa, d/o Late. Rajender Kumar Batta, aged about 39 years, Occ: House wife, r/o of K-703, Laburnum Park, Magarpatta City, Hadapsar, Pune, Maharashtra - 411028 presently residing at Hyderabad PETITIONERS AND 1. Welspun Corp. Ltd., Welspun city, village: Versamedi, Kurch Dist. Anjar, Gujarat-370110

AND

1. Welspun Corp. Ltd., Welspun city, village: Versamedi, Kurch Dist. Anjar, Gujarat-370110
2. Radico Khaitan Ltd. Registered office at Bareilly road, Rampur, Uttar Pradesh-244901
3. ALL CONCERNED RESPONDENTS

To, All concerned Please take notice that the above S. OP. has been filed by the petitioners for grant of succession certificate in respect of shares kept with Secretary/ Authorised Signatory, Welspun Corp. Ltd. and Radico Khaitan Ltd., and the same is posted on 30-1-2026. If any person(s) having any objection/claims kindly appear either in person or through an advocate in the above said court at 10.30 AM on the above said date. As otherwise the matter will be decided accordingly

//By Order of the Court//
Sd/-
G Jwalasree, Advocate
Flat no.402, Vamshi Residency,
Sriram Nagar colony,
Puppalaguda, Hyderabad -89.
Ph.No: 8520913027

DAILY शुभ लाभ
Classifieds
FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, No. 15813269M SEP Sunil Kumar Maurya of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, Ts that my mother name is changed from PHOOL JHARIO to PHOOLJHARI

CHANGE OF NAME
I, MUNMUN MANDAL is legally wedded spouse of Army No.6941906F Hav Gopal Chandra Mandal R/o.Vill:Khanpukar, Post: Simulia, Teh:Barasat, Dist:24 Parganas(N), West Bengal 743426 have changed my name from MUNMUN MANDAL to MUN MUN MANDAL vide affidavit dt:13/01/2026 before C.V.N Rama Krishna, Advocate and notary, Secunderabad

CHANGE OF NAME
I, No. 6941906F Hav Gopal Chandra Mandal of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, Ts that my son name is changed from JOYDEEP CHANDRA MANDAY to JAYDEEP CHANDRA MANDAL

CHANGE OF NAME
I, No. 6948011L Nk Pranjal Bhuyan of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, Ts that my father name is changed from MOHIDHAR BHUYAN to MUHIDHAR BHUYAN

CHANGE OF NAME
I, M MANIMEKALAI is legally wedded spouse of Army No.6948036X Nk Chakravarthi E R/o.Vill:Immidinayakanapalli, Post: Melumalai, Teh:Shoolagiri, Dist: Krishnagiri, Tamil Nadu 635115 have changed my name from M MANIMEKALAI to C MANIMEKALAI vide affidavit dt:13/01/2026 before C.V.N Rama Krishna, Advocate and notary, Secunderabad

CHANGE OF NAME
I, No. 6948288K NK Rakesh Kumar Ranvir of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, Ts that my mother name is changed from VIMLA DEVI to BIMLA

CHANGE OF NAME
I, No. 6943699Y Hav Yaramala Subba Reddy of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, Ts that my mother name is changed from V VERATA LAXMNNAN to YARAMALA VENKATA LAKSHAMMA

CHANGE OF NAME
I, Y NAGAVENI REDDY is legally wedded spouse of Army No.6943699Y Hav Yaramala Subba Reddy R/o.Vill & Post:Mundlapadu, Teh:Giddalur, Dist: Prakasam, Andhra Pradesh 523367have changed my name from Y NAGAVENI REDDY to YARAMALA NAGAVENI vide affidavit dt:13/01/2026 before C.V.N Rama Krishna, Advocate and notary, Secunderabad

CHANGE OF NAME
I, No. 6948253N Nk Ramesha Kulala of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, Ts that my father name is changed from GOVINDA KULALA to GOVINDA KULAL

CHANGE OF NAME
I, BASANTEE is legally wedded spouse of Army No.15814662F Hav Sharwan Kumar Choudhary R/o.Vill:Jayal, Post:Jayal, Teh: Jayal, Dist:Nagaur, Rajasthan 341023 have changed my name from BASANTEE to BASANTEE FARRODA vide affidavit dt:13/01/2026 before C.V.N Rama Krishna, Advocate and notary, Secunderabad

CHANGE OF NAME
I, SUNITA DARJI is legally wedded spouse of Army No.6943774X Nk Dal Prasad Darji R/o.Vill:Mhow, post:Mhow, Teh:Mhow, Dist: Indore, Madhya Pradesh 453441 have changed my name from SUNITA DARJI to SUNITA vide affidavit dt:13/01/2026 before C.V.N Rama Krishna, Advocate and notary, Secunderabad

CHANGE OF NAME
I, No. 6948397W Nk PARIHAR MAHENDRA of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, Ts that my Self name is changed from PARIHAR MAHENDRA SINGH RAJOL SINGH to PARIHAR MAHENDRA SINGH

CHANGE OF NAME
I, No. 6948003M Nk Deeby Narayan Bhartiya of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, Ts that my father name is changed from SHYAM NARAYAN SINGH to SHYAMA NARAYAN SINGH

CHANGE OF NAME
I, No. JC 734984F Sub Abadesh Kumar Thakur of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, Ts that my father name is changed from VEDANAND THAKUR to BEDANAND THAKUR

CHANGE OF NAME & DOB
I, Army No. 15815323N L/Nk NILADRI SEKHAR MAJUMDAR of Adm Bn, AOC Centre, C/o.56 APO Secunderabad that my father name and DOB is to be changed from ANUPAM MUJAMDAR, DOB:04-07-1969 to ANUPAM MAJUMDAR, DOB:21-03-1969.

CHANGE OF NAME
I, RATNAN P Father of Army No.16119909L Hav RAJEESH R, Resident of Kochuputhuvalil, Muthukulam North, Choolatheruvu, Muthukulam, Alappuzha, Kerala-690506 have changed my name from RETHNAN to RATNAN P vide Affidavit dt:13-01-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, LAVANYA, is legally wedded spouse of Army No. 14596037P, Rank: EX-NK, Name: KANNA REDDY THIRUPATHI REDDY, R/o. 6-5/A/2/2, DK ENCLAVE, MIYAPUR, Teh: SERLINGAMPALLY, Dist:RANGA REDDY, State: TELANGANA, Pin: 500049, That I have changed my Name and DOB, Name from LAVANYA to KANNA REDDY LAVANYA, And my Date of Birth from 16-03-1973 to 16-03-1974, And Affidavit dated 07/01/2026

CHANGE OF NAME & DOB
I, Army No. 15815299H Sep SANDEEP of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, C/o.56 APO hereby declare that my mother name and DOB is to be changed from BHATERI DEVI, DOB:16-09-1964 to BHATERI, DOB:01-01-1956.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Army No. 15815299H Sep SANDEEP of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, C/o.56 APO hereby declare that my father name and DOB is to be changed from ROHITASH SHARMA, DOB:08-05-1960 to ROHTASH, DOB:01-01-1960.

हैदराबाद 'मर्डर कैपिटल'!

जेलों में हत्या के आरोपियों की संख्या में 18% वृद्धि

हैदराबाद, 13 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)

सालाना रिपोर्ट में तेलंगाना वीशेषकर 'मर्डर कैपिटल' बन चुके हैदराबाद की छवि को बेहतर बताकर पुलिस प्रशासन ने भले ही अपनी पीठ थपथपा ली हो, लेकिन शहर के बाशिंदों का वास्ता लगातार बढ रही हत्याओं की खबरों से हो ही जाता है। गुंडागर्दी, माफिया राज, गैंग वार के समाचार लोगों को आये दिन देखने-सुनने को मिल रहे हैं। लोग खौफजदा भी हैं और चिंतित भी। सरकारी आँकडे भी चीख-चीख कर यह गवाही दे रहे हैं कि हत्यारों के मन में कानून का डर है ही नहीं, तभी तो तेलंगाना में हत्या के मामलों में जेल भेजे गए लोगों की संख्या 2025 में सालाना आधार पर 18.3 प्रतिशत बढ़ गई, जबकि नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंसेज (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत बुक किए गए लोगों की संख्या में 11.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। संपत्ति संबंधी अपराध, बच्चों और महिलाओं के खिलाफ अपराधों में भी वर्ष के दौरान मध्यम वृद्धि दर्ज की गई।

तेलंगाना जेल विभाग की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, राज्य में समग्र जेल प्रवेश 2024 की तुलना में 2025 में 11.8 प्रतिशत बढ़ गया। 2025 में कुल 42,566 कैदियों को भर्ती किया गया, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 38,079 थी। अंडरट्रायल कैदी अभी भी बड़े हिस्से में बने रहे, जिनमें 5.21 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि दोषियों के प्रवेश में भारी 81 प्रतिशत की वृद्धि हुई। पुनरावर्ती अपराधियों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई, जो 2024 में 1,468 से बढ़कर 2025 में 2,496 हो गई।

साइबर अपराध और शराब पीकर गाड़ी चलाने के मामलों में सबसे तेज वृद्धि

रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि जेल प्रवेश में सबसे तेज वृद्धि साइबर अपराध और शराब पीकर गाड़ी चलाने के मामलों में देखी गई, जबकि विदेशी नागरिकों की जेलों में भर्ती की संख्या वर्ष के दौरान घटी। 18-30 आयु वर्ग के कैदियों की संख्या में 13.31 प्रतिशत की वृद्धि हुई, इसके बाद 31-50 आयु वर्ग के कैदियों में 11.27 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

1.93 लाख कैदियों की कोर्ट पेशी, 69.5% वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से

कैदियों की कोर्ट पेशी 1.93 लाख तक पहुँच गई, जिनमें से 69.5 प्रतिशत वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गई। 6,573 कैदियों को कानूनी सहायता प्रदान की गई, जिसके परिणामस्वरूप 3,634 कैदियों को रिहा किया गया। जेल अदालतों ने 1,558 मामलों की सुनवाई की और 985 कैदियों की रिहाई में सहायता की।

स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा पहलों में उल्लेखनीय प्रगति

स्वास्थ्य पहलों के हिस्से के रूप में, प्रवेश के समय कैदियों की जाँच की गई, जीवनशैली संबंधी बीमारियों की पहचान की गई और आवश्यकतानुसार इलाज किया गया। अधिकारियों ने वर्ष के दौरान 379 सर्जरी करवाई। शिक्षा पहलों ने लगभग 23,000 कैदियों को साक्षर बनाने में मदद की, कई कैदियों ने स्कूली और स्नातक कार्यक्रम पूरे किए। लगभग 79 प्रतिशत कैदियों को विभिन्न ट्रेडों में प्रशिक्षण दिया गया।

कैदियों के लिए 1.63 करोड़ रुपये से अधिक की मजदूरी और पुनर्वास उपाय

जेल उद्योगों और व्यावसायिक गतिविधियों ने कैदियों के लिए 1.63 करोड़ रुपये से अधिक की मजदूरी उत्पन्न की। 32 जेल संचालित ईंधन आउटलेट्स ने कैदियों को वेतन के रूप में 3.8 करोड़ रुपये का भुगतान किया। पुनर्वास उपायों में सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों के अनुरूप पैरोल, फर्लो और समयपूर्व रिहाई शामिल थी। तेलंगाना गरीब कैदियों को सहायता योजना के तहत शीर्ष प्रदर्शन करने वाला राज्य बनकर उभरा, जिससे सरकारी सहायता के साथ 18 कैदियों को जमानत पर रिहा किया गया। विभाग को पुनर्वास और पुनः एकीकरण के लिए स्कॉच पुरस्कार मिला, जबकि केंद्रीय जेल, चेर्लापल्ली को सर्वश्रेष्ठ स्वच्छता के लिए स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ।

आम लोगों का मानना है कि मामूली केसों में जेल भेजने से कानून/जेल का डर लगभग खत्म हो जाता है। जेलों को सुधार गृह बनाना अच्छी बात है, लेकिन जेल का भय नहीं रहेगा तो अपराध पर रोक कैसे लग पाएगी, तनिक इस पर भी गंभीर मंथन जरूरी है।

संक्रांति से पहले तेलंगाना सरकार का बड़ा कदम ग्राम पंचायतों के लिए 277 करोड़ जारी

हैदराबाद, 13 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य सरकार ने मंगलवार को ग्रामीण विकास कार्यों को गति देने के लिए ग्राम पंचायतों को 277 करोड़ की राशि जारी कर दी है। संक्रांति के त्योहार से ठीक पहले लिया गया यह निर्णय गांवों में चल रहे विकास कार्यों और बुनियादी ढांचे की मरम्मत में सहायक सिद्ध होगा। उप-मुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने वित्त अधिकारियों के साथ बैठक के बाद इस राशि को तत्काल वितरित करने का निर्देश दिया।

वित्त आयोग के रुके हुए फंड के लिए केंद्र से संपर्क का निर्देश

समीक्षा बैठक के दौरान उप-मुख्यमंत्री ने वित्त विभाग के प्रधान सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे केंद्र सरकार से 15वें वित्त आयोग के लंबित अनुदान को प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करें। तेलंगाना की ग्राम पंचायतों का लगभग 3,000 करोड़ का अनुदान केंद्र के पास लंबित है। उल्लेखनीय है कि जनवरी 2024 में निर्वाचित निकायों का कार्यकाल समाप्त होने के कारण, केंद्र ने 2024-25 से अनुदान रोक दिया था, जिससे वित्त वर्ष 2024-25 और 2025-26 के दौरान पंचायतों को केंद्रीय धन प्राप्त नहीं हो सका।

मुख्यमंत्री का मन्यू ईयर गिफ्टफ़ हर पंचायत को मिलेंगे विशेष विकास कोष

नियमित राज्य और केंद्रीय आवंटन के अलावा, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने राज्य की सभी 12,706 ग्राम पंचायतों के लिए नए साल के उपहार के रूप में विशेष विकास कोष की घोषणा की है। इस योजना के तहत: छोटी ग्राम पंचायतों को 5 लाख की विशेष निधि दी जाएगी। बड़ी ग्राम पंचायतों के विकास के लिए 10 लाख प्रदान किए जाएंगे।

यह राशि मुख्यमंत्री विशेष विकास कोष से आवंटित की जाएगी ताकि स्थानीय स्तर पर तत्काल आवश्यक कार्यों को बिना किसी वित्तीय बाधा के पूरा किया जा सके।

निर्वाचित निकायों की कमी और प्रशासनिक चुनौतियाँ

बैठक में स्थानीय निकायों की वित्तीय स्थिति की समीक्षा भी की गई।

वर्तमान में निर्वाचित निकायों की अनुपस्थिति के कारण आ रही प्रशासनिक चुनौतियों पर चर्चा हुई और यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए कि पंचायतों को मिलने वाले धन का प्रवाह निर्बाध रूप से बना रहे। सरकार का लक्ष्य है कि त्योहार के इस सीजन में ग्रामीण अर्थव्यवस्था और विकास कार्यों में कोई रुकावट न आए।

करीमनगर नगर निगम के लिए 50 करोड़ रुपये जारी, निकाय चुनावों में भाजपा की जीत तय : बंडी संजय

हैदराबाद, 13 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

केंद्रीय राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने मंगलवार को घोषणा की कि केंद्र सरकार ने शहरी बुनियादी ढांचा विकास कोष के तहत करीमनगर नगर निगम के लिए 50 करोड़ रुपये जारी किए हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि विभिन्न केंद्रीय योजनाओं के माध्यम से करीमनगर का चेहरा बदल जाएग और शहर का विकास नई ऊंचाइयों को छुएगा।

केंद्र की योजनाओं से बदल रही है शहर की सूरत

भाजपा जिला अध्यक्ष गंगादी कृष्णरेड्डी और अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ त्रिधा होटल में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में बंदी संजय ने तेलंगाना के

लोगों को संक्रांति की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बताया कि इस 50 करोड़ रुपये के फंड में अकेले केंद्र की हिस्सेदारी 40 करोड़ रुपये है। उन्होंने दावा किया कि स्मार्ट सिटी, स्वच्छ भारत और अमृत जैसी केंद्रीय पहलों के कारण करीमनगर का विकास हो रहा है और जनता इसे देख रही है। उन्होंने भविष्यवाणी की कि आगामी निकाय चुनावों में करीमनगर नगर निगम पर भाजपा का भगवा झंडा लहराएगा।

बंदी संजय ने प्रस्तावित तइ-ऋराम जी रोजगार गारंटी योजना को एक बड़ा सुधार बताया, जिसके तहत गांवों में 125 दिनों के काम की गारंटी दी जाएगी।

बेरोजगारी भत्ता: यदि निर्धारित समय के भीतर रोजगार नहीं दिया गया, तो ब्याज सहित बेरोजगारी भत्ता देना होगा।

बजट और आवंटन: इस योजना पर सालाना 1,51,282 करोड़ का खर्च अनुमानित है, जिसमें केंद्र 95,692 करोड़ का योगदान देगा। तेलंगाना को पिछले साल की तुलना में लगभग 340 करोड़ अधिक मिलने की उम्मीद है।

किसानों को राहत: कृषि सीजन के दौरान राज्यों को 60 दिनों तक काम से छूट देने की शक्ति होगी, जिससे खेती के कार्यों में बाधा नहीं आएगी। कुल मिलाकर साल में लगभग 200 दिनों का काम (मौसमी और गारंटीड) उपलब्ध होगा।कांग्रेस की आलोचना करते हुए उन्होंने सवाल किया कि पार्टी जनहितैषी पहल का विरोध क्यों कर रही है। उन्होंने योजनाओं के नाम बदलने को गंदी राजनीति करार दिया। वहीं, जिलों के पुनर्गठन के मुद्दे पर उन्होंने पिछली बीआरएस सरकार पर मनमाने ढंग से जिले बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने मांग की कि इस विषय पर आगे कोई भी कदम उठाने से पहले जनता की राय जानने के लिए तत्काल एक सर्वदलीय बैठक बुलाई जानी चाहिए।

20वीं पुण्यतिथि

स्व. श्री ओमप्रकाशजी सरायवाला
(सुपुत्र : स्व. श्री केशवप्रसादजी सरायवाला)
जन्म : 27-7-1948 स्वर्गवास : 14-1-2006
आपकी हरी भरी बगिया के हम फूल है
आपके सीख है जिससे हम महकते है
हर परिस्थिति मै आप ढाल बनकर खड़े हो
आर्शीवाद आपका सदैव इसी प्रकार हम पर हो
।। आज 20वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धावनत् ।।
किरण कुमार-आशा, परमेश्वर-अर्चना, सरिता,
सत्यप्रकाश-स्वरूपा, उमेश-रेखा (पुत्र - पुत्रवधु)
भरत-रानी, भावेश-तृप्ति, सिद्धांत-सलोनी,
सर्वेश-विदिशा, तनिष्क-दिव्या (पौत्र-पौत्रवधु),
वेदांत, कपिश (पौत्र), सांची, चाहत, लहर (पौत्रियाँ),
आस्था (पड़पौत्री), रुद्र, आरव, धर्व, अथर्व (पड़पौत्र)
एवं परिवार
सुमनलता-जितेन्द्रजी अग्रवाल (बेटी-दामाद),
तनुशी-अक्षयजी अग्रवाल (पौत्री-दामाद),
हर्ष-मानवी (दोयता-बहू), हर्षिका (दोयती)
युग, मैरव (पड़दोयता)
फर्म : महादेवप्रसाद केशवप्रसाद सरायवाला
प्रतिष्ठान : तायल ज्वेलर्स घांसी बाजार, हैदराबाद

हैदराबाद के परेड ग्राउंड में अंतर्राष्ट्रीय पतंग और मिठाई महोत्सव का शानदार आगाज

हैदराबाद, 13 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के परेड ग्राउंड में मंगलवार शाम तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय पतंग और मिठाई महोत्सव का भव्य उद्घाटन हुआ। इस उत्सव के शुरू होते ही शहर का आसमान रंग-बिरंगी पतंगों से सराबोर हो गया, जिससे एक मनोरम दृश्य बन गया।

तेलंगाना के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जुपल्ली कृष्णा राव और परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने औपचारिक रूप से इस वैश्विक सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस महोत्सव में भारत के 25 राज्यों के प्रतिभागियों के साथ-साथ कई अन्य देशों के पतंगबाजों ने हिस्सा लिया है।मंत्री जुपल्ली कृष्णा राव ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे त्योहार तेलंगाना की संस्कृति और परंपराओं को आने वाली पीढ़ियों के लिए सहेजने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी को भारत की ङ्कविविधता में एकताङ्कङ्क का प्रतिबिंब बताया और पतंगबाजी को खुशी और आजादी फैलाने वाला खेल करार दिया।

स्थानीय रोजगार और पर्यटन को बढ़ावा देने की योजना

मंत्री ने घोषणा की कि सरकार हैदराबाद में पतंग निर्माण (घळींश चरपीषरर्लीीॲळपस) को बढ़ावा देने की योजना बना रही है ताकि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा किए जा सकें। इससे न केवल पर्यटन आधारित राजस्व बढ़ेगा, बल्कि स्थानीय कारीगरों और छोटे व्यापारियों की आजीविका भी मजबूत होगी। उन्होंने नागरिकों से अधिक यात्रा करने और स्थानीय पर्यटन का समर्थन करने का भी आह्वान किया।

मिठास का उत्सव: देश भर के व्यंजनों का स्वाद

उद्घाटन के बाद, मंत्रियों ने उत्सव में लगे विभिन्न मिठाई स्टालों का दौरा किया।

आज का अल्पाहार
राधे राधे ग्रुप

श्रीमती रेणु शर्मा
के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में
SNS INSURANCE SERVICES Ghansi Bazar
MEDISURE PHARMACY Attapur | JAIDEEP STEEL Fatehnagar
वितरण स्थल : भू-लक्ष्मी माता गौशाला, बेगम बाज़ार
SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234
JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311
RAM PRAKASH GOEL 93910 14283
MAHESH AGARWAL 98490 98502

तेलंगाना निकाय चुनाव: अंतिम मतदाता सूची जारी, पुरुषों के मुकाबले महिला मतदाताओं की संख्या अधिक

हैदराबाद, 13 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना राज्य चुनाव आयोग ने मंगलवार को आगामी नगर निकाय चुनावों के लिए अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी है। राज्य में नगर पालिकाओं और नगर निगमों के निर्वाचित निकायों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद अब चुनावी बिगुल बज चुका है।

ताजा आंकड़ों के अनुसार, शहरी क्षेत्रों में महिला मतदाताओं की भागीदारी पुरुषों से अधिक है।

राज्य चुनाव आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, तेलंगाना के शहरी स्थानीय निकायों में कुल मतदाताओं की संख्या 52,43,023 है। इनका विवरण इस प्रकार है: महिला मतदाता: 26,80,014। पुरुष मतदाता: 25,62,369। ट्रांसजेंडर मतदाता: 640

इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि शहरी राजनीति में महिलाओं की भूमिका निर्णायक होने वाली है, क्योंकि उनकी संख्या पुरुषों से लगभग 1.17 लाख अधिक है।

नगर निगमों की बात करें तो निज़ामाबाद नगर निगम में सबसे अधिक 3,48,051 मतदाता हैं, जबकि कोठागुडेम नगर निगम में सबसे कम 1,34,775 मतदाता पंजीकृत हैं।

नगर पालिकाओं की श्रेणी में आदिलाबाद नगरपालिका 1,43,655 मतदाताओं के साथ शीर्ष पर है। वहीं, महबूबनगर जिले की अमरचिंता नगरपालिका में सबसे कम 9,147 मतदाता हैं।

117 नगरपालिकाओं और 6 निगमों में होगा मतदान

राज्य में कुल 117 नगरपालिकाओं और 6 नगर निगमों में चुनाव कराए जाने हैं। आयोग ने स्पष्ट किया है कि अंतिम फोटो मतदाता सूची अब सभी संबंधित वार्डों और मतदान केंद्रों पर उपलब्ध करा दी गई है।

चुनाव अधिसूचना जल्द ही जारी होने की उम्मीद है, जिसके बाद फरवरी में मतदान प्रक्रिया संपन्न हो सकती है। राजनीतिक दलों ने भी इन आंकड़ों के आधार पर अपनी चुनावी रणनीति बनाना शुरू कर दिया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.